न्यायपालिका इस देश के करोड़ों निर्बलों की अंतिम आस है। इसके मान-सम्मान की सुरक्षा उन लोगों की उम्मीदों की रक्षा होगी। अगर भारतीय सत्ता और समाज पर इनके संरक्षण की जिम्मेदारी है, तो इस संदर्भ में अपने हिस्से का भार अदालतों और उनके कर्ताधर्ताओं को भी उठाना होगा।

आजकल स्तंभ के तहत प्रकाशित आलेखों के लिए

इस होली पर जरा यह भी सोचें

शशि शेखर

ये न्यायपालिका की गरिमा धूमिल करने की सोची-समझी साजिश है।...न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में मेरा यह कर्तव्य है कि मैं जिम्मेदार व्यक्ति का पता लगाऊं। जब तक मैं संतुष्ट नहीं हो जाता, तब तक जांच बंद नहीं होगी।

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के ये शब्द अगर चौंकाते हैं, तो चेतावनी भी देते हैं। हम संस्थाओं के अभूतपूर्व क्षरण की ओर बढ़ रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप और सवालों की जंग में न्यायपालिका अकेली नहीं है। संसद से सड़क तक इसके सैकड़ों उदाहरण आपको बिना ढूंढ़े मिल जाएंगे।

भरोसा न हो, तो बुधवार की रात हिमाचल में हुए हंगामे पर नजर डाल देखिए। वहां के एक रिसॉर्ट में अचानक लगभग दो दर्जन सशस्त्र लोग घुसते हैं। वे वहां मौजूद तीन नौजवानों को जबरन अपनी गाड़ियों में डाल लेते हैं। इसके बाद सीसीटीवी रिकॉर्ड के सुबूतों को कथित तौर पर नष्ट कर दिया जाता है। आनन-फानन में इस काम को निपटाकर वे गिरफ्त में आए तीनों नौजवानों के साथ दिल्ली की ओर कूच कर जाते हैं।

इस घटना की खबर पाते ही हिमाचल पुलिस सक्रिय हो उठती है। जगह-जगह नाकेबंदी कर दी जाती है। लंबा समय गंवाए बिना धर्मपुर के पास एक नाके पर ये लोग रोक लिए जाते हैं। जिन लोगों को हिमाचल पुलिस ने रोका था, वे कोई चोर-उचक्के नहीं, बल्कि दिल्ली पुलिस के जवान और अधिकारी थे। उनकी पकड़ में जो नौजवान थे, वे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं। उनके विरुद्ध 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में आपत्तिजनक प्रदर्शन करने के 'जुर्म' में वारंट जारी थे।

ध्यान देने की बात है कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में, आरोप लगना स्वाभाविक है कि उन्हें हुकूमत की ओर से संरक्षण हासिल था। दिल्ली पुलिस ने अचानक छापा मारकर उसमें दखल डाल दिया।

धर्मपुर में कार्रवाई करते समय स्थानीय पुलिसकर्मियों को पता था कि जिन लोगों को वे रोक रहे हैं, वे भी उनकी तरह वर्दीधारी हैं। बाद में दिल्ली के पुलिसकर्मियों सहित गिरफ्तार नौजवानों को शिमला की अदालत में पेश किया गया। हिमाचल पुलिस का आरोप था कि दिल्ली के पुलिसकर्मियों ने प्रचलित नियम-कायदों की अवहेलना की। उन्हें न केवल हिमाचल पुलिस को सूचित करना चाहिए था, बल्कि गिरफ्तार नवयुवकों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद ट्रांजिट रिमांड भी लेना चाहिए था।

आजकल

'पुलिस बनाम पुलिस' के ऐसे मामले आश्चर्यजनक तौर पर बढ़ रहे हैं। पिछले ही महीने बंगाल और उत्तर प्रदेश की पुलिस में इसी तरह की कहासुनी हुई थी। इससे पहले कोलकाता की घटना सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंची थी। हुआ कुछ यूं था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने चुनाव प्रबंधन कंपनी आईपैक के स्थानीय दफ्तर पर छापा मारा था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंच गईं और जांच अधिकारियों के कब्जे से कई फाइलें 'छीन' ली थीं। ममता बनर्जी का आरोप था कि यह छापा भाजपा के इशारे पर इसलिए मारा गया, ताकि आईपैक के पास मौजूद तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिक दस्तावेज हासिल किए जा सकें। वह उन्हें लेने ही वहां गई थीं।

इससे पहले झारखंड और तमिलनाडु में ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्रादेशिक पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर लिए थे।

मैं आपको ऐसे दर्जनों विवाद याद दिला सकता हूं, जब अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर तमाम पुलिस बल या जांच एजेंसियां आमने-सामने आ खड़ी हुईं, जिनसे सांविधानिक संकट की स्थिति पैदा हो गई। तेरी पुलिस, मेरी पुलिस का यह द्वैत भारत के संघीय चरित्र के खिलाफ है, पर रतौंधी के शिकार सियासतदां सुधरने को तैयार नहीं।

इस मुद्दे पर हम पहले भी चर्चा कर चुके हैं, लिहाजा न्यायपालिका पर लौटते हैं।

मौजूदा विवाद एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की

समाजशास्त्र की किताब में एक पाठ को लेकर पैदा हुआ है, जिसका शीर्षक था- न्यायपालिका में भ्रष्टाचार।

बकौल सुप्रीम कोर्ट, 'हालांकि, किताब में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर एक पूरा पाठ लिखा गया है, लेकिन यह एक झटके में सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और जिला अदालतों से जुड़े शानदार इतिहास को धो देता है।... देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को बनाए रखने में इन संस्थाओं के बड़े योगदान को साफ तौर पर छोड़ दिया गया है।'

इधर के कुछ वर्षों में न्यायपालिका पर हमला बोलने की प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। आशावादी कह सकते हैं कि सोशल मीडिया के इस विस्फोटक दौर में, जब लोग ईश्वर तक को नहीं बख्शते, तब हम न्यायपालिका पर लगे आरोपों को लेकर चिंतित क्यों हैं? मैं इस तर्क से असहमत हूं। बड़े अदब के साथ कहना चाहूंगा कि अगर सिरफिरों को चुप कराना जरूरी है, तो एक बार माननीय न्यायमूर्तियों को अपने घर की भी झाड़ू-बुहारू करनी होगी।

बमुश्किल दो हफ्ते पहले की बात है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जारी जमानत के एक आदेश पर टिप्पणी की थी, 'हम यह समझने में असमर्थ हैं कि हाईकोर्ट क्या कहना चाह रहा है? दहेज हत्या जैसे गंभीर अपराध में आरोपी के पक्ष में जमानत देने के लिए हाईकोर्ट ने किस आधार पर अपना विवेक इस्तेमाल किया?'

इसके प्रत्युत्तर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने खुद को जमानत संबंधी मामलों से विलग करने की इच्छा जाहिर कर दी। यह नैतिकता का मामला है या असहमति का?

इसी तरह, कई ऐसे विवादास्पद मसले हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट को अपना निर्णय सुनाना है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के ही न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव से जुड़ा वाकया भी इनमें एक है। जस्टिस यादव ने 8 दिसंबर, 2024 को विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित एक सभा में समान नागरिक संहिता विषय पर बोलते हुए मुस्लिमों के विरुद्ध तथाकथित तौर पर 'अपमानजनक' शब्दों का प्रयोग किया था।

विवाद उठता देख सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया, लेकिन इस पर कोई फैसला नहीं हो सका, क्योंकि घटना के पांच दिन बाद ही कपिल सिब्बल समेत 55 राज्यसभा सदस्यों ने जस्टिस यादव पर 'हेट स्पीच देने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने' के लिए सभापति से महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का मामला भी सुप्रीम कोर्ट और संसद के अधीन महीनों से लंबित है।

ऐसे तमाम उदाहरण हैं। यहां पर उन सबकी चर्चा संभव नहीं है। बस थोड़ा कहा, बहुत समझिए।

बताने की जरूरत नहीं कि न्यायपालिका इस देश के करोड़ों निर्बलों की अंतिम आस है। इसके मान-सम्मान की सुरक्षा उन लोगों की उम्मीदों की रक्षा होगी। अगर भारतीय सत्ता और समाज पर इनके संरक्षण की जिम्मेदारी है, तो इस संदर्भ में अपने हिस्से का भार अदालतों और उनके कर्ताधर्ताओं को भी उठाना होगा।

कल होलिका दहन है। तमाम सहमतियों-असहमतियों के बावजूद होलिका पूजते वक्त हमें याद रखना होगा कि हम हर साल बुराई की इस प्रतीक का दहन क्यों करते हैं? इस एक सवाल के जवाब में तमाम समाधान छिपे हैं।

@shekharkahin
@shashishekhar.journalist

जीना इसी का नाम है

बालेंद्र शाह
रैपर, राजनेता

दुनिया की निगाहें अब नेपाल और बालेन पर

नेताओं के भारी भ्रष्टाचार और सत्ता-लिप्सा ने नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता की अंधी खाई में धकेल दिया। बालेन को यह नामंजूर था। महज 32 साल के इस युवा को लोगों ने काठमांडू का मेयर चुनकर यह हौसला दिया था कि वह घाघ नेताओं से दो-दो हाथ करें। बालेन वही कर रहे हैं।

हमारे आस-पड़ोस के कम से कम तीन मुल्कों में किशोरों-नौजवानों ने अपने-अपने निजाम की चूलें हिला दीं- श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल। एक अराजक दौर के बाद श्रीलंका व बांग्लादेश में लोकप्रिय सरकारों का गठन भी हो चुका है। खरामा-खरामा ही सही, जम्हूरियत वहां नए सफर पर बढ़ चुकी है। नेपाल आगामी गुरुवार को अपने लोकतंत्र का भविष्य तय करेगा। घाघ राजनेताओं के बीच महज 35 साल के बालेंद्र शाह वहां बड़ी तेजी से उभरकर सामने आए हैं। अपने मुल्क में वह 'बालेन शाह' के नाम से मकबूल हैं।

अप्रैल 1990 में नारदेवी, काठमांडू में पैदा बालेन की पृष्ठभूमि मैथिली है। उनके पिता रामनारायण शाह और मां ध्रुवा देवी मूलतः मधेश प्रदेश के महोत्तरी जिले के बाशिंदे थे। मधेश प्रदेश की सीमाएं बिहार से लगी हुई हैं। पेशे से आयुर्वेदिक डॉक्टर रामनारायण शाह की नियुक्ति जब काठमांडू के नारदेवी आयुर्वेदिक अस्पताल में हुई, तब शाह परिवार काठमांडू आ गया। यहीं पर बालेन की परवरिश हुई। शहरी चकाचौंध में पले बालेन को महोत्तरी के पुश्तैनी गांव से बड़ा लगाव रहा। माता-पिता जब भी गांव जाने का नाम लेते, उनकी खुशियां कई बालिश्त बढ़ जातीं।

परिवार में सबसे छोटे होने के कारण बालेन का बचपन माता-पिता और बड़े भाई के स्नेह से आबाद रहा। जब स्कूल जाने की उम्र आई, तब काठमांडू के वीएस निकेतन उच्च माध्यमिक स्कूल में उनका दाखिला करा दिया गया। यहां से हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करके वह शहर के प्रतिष्ठित 'हिमालयन व्हाइटहाउस इंटरनेशनल कॉलेज' पहुंचे, जहां से उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। स्कूली दिनों में ही कला-साहित्य और समाज सेवा में उनकी रुचि दिखने लगी थी। इन संस्थानों की सांस्कृतिक गतिविधियों ने इसे फलने-फूलने का भरपूर मौका भी दिया, मगर वह इनको करियर के लिए चुनेंगे, यह कभी ख्याल में नहीं आया।

सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद ही बालेन को नेपाल में नौकरी के प्रस्ताव मिलने लगे थे, मगर उनकी इच्छा और पढ़ने की थी। उन्होंने पिता से इच्छा जताई कि वह इंजीनियरिंग की ऊंची डिग्री हासिल करना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें हिन्दुस्तान जाना पड़ेगा। पिता का आशीर्वाद लेकर वह दक्षिण भारतीय शहर बेलगावी (कर्नाटक) आ गए। विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (वीटीयू) से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में 'एमटेक' करने के लिए बालेन जब बेलगावी आए, उस समय तक वह नेपाली किशोरों-नौजवानों में रैप संगीत के जरिये अपनी पहचान बना चुके थे।

बेलगावी में पढ़ते हुए वह भारतीय गांवों-शहरों और अपने देश के फर्क को गहराई से महसूस कर रहे थे। परदेश में नेपाली अस्मिता उनके भीतर और अधिक ठांठें मारने लगी थी, क्योंकि

यहां के ढाबों-होटलों व आवासीय परिसरों में मजदूरी करते नेपाली किशोर से वह मिल चुके थे। बालेन उन किशोरों की पीड़ा, नौजवानों की कुंठा को रैप में ढालने लगे। उनके गीत मजलूमों-बेरोजगारों के मर्म को सहलाते थे।

एमटेक करने के बाद बालेन स्वदेश लौट गए। बतौर ब्रीज इंजीनियर उन्हें जनकपुर में 'एशियन कंस्ट्रक्शन कंपनी' में नौकरी मिल गई। नौकरी करते हुए बमुश्किल 11 महीने बीते होंगे कि नेपाल में आए भीषण भूकंप ने पूरी दुनिया को थर्रा दिया। उस जलजले में हजारों लोग मारे गए थे, लाखों बेघर हो गए थे। बालेन एक से दूसरे गांव भाग-भागकर पीड़ितों की मदद करते रहे। हादसे के शिकार गरीबों की बेबसी ने उन्हें कई रात सोने न दिया, मगर एक गहरा सबक भी मिला कि पहाड़ी क्षेत्रों में कैसे मकान बनाए जाने चाहिए। अगले सात वर्षों में बालेन ने कई निर्माण कंपनियों में अहम जिम्मेदारियां सभालीं।

अप्रैल 2015 के भूकंप के बाद पीड़ितों के पुनर्वास और ध्वस्त इमारतों के पुनर्निर्माण के लिए दुनिया भर से नेपाल को भारी आर्थिक मदद मिली थी। इस मदद के सदुपयोग की जिम्मेदारी राजनीतिक नेतृत्व पर थी, मगर अफसोस, एक-दो वर्षों के भीतर ही इमदाद की बंदरबांट की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनने लगीं। कई देशों ने मदद की अगली किस्त तक रोक ली। नेताओं के भारी भ्रष्टाचार और उनकी सत्ता-लिप्सा ने नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता और टकराव की अंधी खाई में धकेल दिया। बालेन की अंतरात्मा ने खामोश तमाशाई बनने से इनकार कर दिया। साल 2020 में उन्होंने यू-ट्यूब पर अपना *बलिदान* गीत जारी किया। इसमें उन्होंने नेपाल में पसरे भ्रष्टाचार और सामाजिक अन्याय पर करारा प्रहार किया था। इस गीत को करोड़ों लोगों ने सुना और देखा। बालेन नेपाल के घर-घर में पहुंच गए थे। इस समर्थन ने उन्हें हौसला दिया कि वह देश के घाघ नेताओं से दो-दो हाथ कर सकें।

साल 2022 में राजधानी काठमांडू के मेयर का चुनाव था। बालेन ने चुनावी मैदान में उतरने का एलान किया। राष्ट्रीय पार्टियों के नेताओं, राजनीतिक विश्लेषकों ने इस युवा रैपर का खूब उपहास उड़ाया, पर बालेन जानते थे कि देश का मिजाज बदल रहा है। वह डटे रहे। बतौर निर्दलीय उम्मीदवार बालेन ने नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवारों को करारी शिकस्त दी। काठमांडू के लोगों ने 32 साल के बालेन को अपना 15वां मेयर चुन लिया था।

मेयर बनते ही बालेन दुनिया भर में सुर्खियों में छा गए। साल

बालेन की ईमानदारी और मेयर के रूप में उनके कामों ने काठमांडू ही नहीं, पूरे नेपाल में उनकी लोकप्रियता बढ़ा दी। यही कारण है कि जब जेन-जी ने वहां बगावत की, तो उसकी एक मांग बालेन को प्रधानमंत्री बनाने की थी। उस वक्त तो वह खैर पीएम नहीं बन पाए, मगर अब वह सांसदी की लड़ाई लड़ रहे हैं।

2023 में *टाइम* ने उन्हें दुनिया के 100 उभरते नेताओं में शुमार किया। बालेन की ईमानदारी और मेयर के रूप में उनके कामों ने काठमांडू ही नहीं, पूरे नेपाल में उनकी लोकप्रियता बढ़ा दी। यही कारण है कि जब जेन-जी ने वहां बगावत की, तो उसकी एक मांग बालेन को प्रधानमंत्री बनाने की थी। उस वक्त तो वह खैर पीएम नहीं बन पाए, मगर अब वह सांसदी की लड़ाई लड़ रहे हैं। कई सर्वेक्षण उन्हें पीएम के लिए सबसे लोकप्रिय बता रहे हैं। दुनिया की निगाहें अब नेपाल और बालेन शाह पर हैं।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

वो लम्हा

कद्री गोपालनाथ
संगीतकार

जब एक वाद्य यंत्र से दिल लग गया

देखने वालों का हुजूम उमड़ रहा था। हवा में रजनीगंधा व मोगरे की खुशबू हावी थी। संयोग से शनिवार था, तो राजसी बैंड का खास संगीत प्रदर्शन भी शुरू हो गया था। महल की दीवारें जाग उठीं और बगीचे के फूल कुछ ज्यादा ही मुस्कराने लगे। देखने वालों का हुजूम सुनने वालों में बदल गया।

संगत से ही संसार बनता-संवरता है। यदि बच्चे को शुरू से सही संगत मिल जाए, तो वह सही राह पकड़ लेता है। बच्चों को सही परिवेश देने के लिए ही कर्नाटक के गांव सजीपामुड़ा से एक बहुत सामान्य परिवार मैसूर दर्शन के लिए आया था। वही मैसूर, जिसे महलों का शहर भी कहा जाता है। वहां सबसे चर्चित महल में राज परिवार के लोग रहते थे। देश तो आजाद होकर लोकतांत्रिक हो गया था, पर राजसी शान कहीं-कहीं बची हुई थी। भारतीय और यूरोपीय शैली का वह विशाल महल उस शाम कुछ ज्यादा चमक रहा था। देखने वालों का हुजूम उमड़ रहा था। हवा में रजनीगंधा व मोगरे की खुशबू हावी थी। संयोग से शनिवार था, तो राजसी बैंड का खास संगीत प्रदर्शन भी शुरू हो गया था। संगीत की गूंज होते ही कड़-कड़ झंकृत हो उठा। महल की दीवारें जाग उठीं और बगीचे के फूल कुछ ज्यादा ही मुस्कराने लगे।

पलक झपकते ही देखने वालों का हुजूम सुनने वालों में बदल गया। सब ठिठक से गए, ठिठकने वालों में एक 15 वर्षीय कन्नड़ किशोर भी था। उसके लिए संगीत अपने घर व मंदिर तक सीमित था, पर उसने संगीत का जो राजसी ठाठ देखा, स्तब्ध रह गया। उसने स्वयं को कुछ ऊंचा करके दूर निहारा, राजा की बैंड संगीत में मगन थी। एक से बढ़कर एक वाद्य यंत्र सज रहे थे, पर किशोर की निगाह एक सुंदर वाद्य यंत्र पर जा टिकी। उस वाद्य को करीब से सुनने-देखने के लिए वह धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा।

वह उस वाद्य के जितने करीब पहुंच सकता था, पहुंच गया। फूंक से बजाया जाने वाला वह वाद्य चमक रहा था। लग रहा था कि कहीं विदेश से आया है। वह तीन जगह सुंदर ढंग से मुड़ा हुआ था, बिल्कुल संगीत लहरी की तरह। किशोर ने ऐसा यंत्र कभी देखा न था। वह बचपन से नादस्वरम को देखता और बजाता आया था। नादस्वरम एक सीधा-सा फूंक से बजाया जाने वाला पारंपरिक कर्नाटकी वाद्य यंत्र है, जिससे विवाह, उत्सव और पूजन में मांगलिकता बढ़ जाती है। पिता कभी घर, तो कभी मंदिर में नादस्वरम बजाते थे। नादस्वरम से ऐसी आवाज निकलती थी, मानो कोई महिला गा रही हो, लेकिन यहां जो सामने वाद्य बज रहा था, उससे मर्दाना आवाज आ रही थी। ऐसी आवाज, जो ज्यादा व्यापक और गहरी थी। ऐसी आवाज, जो किसी भी जगह को खाली नहीं छोड़ रही थी। जो अंग-प्रत्यंग में थिरक रही थी। गाढ़ी मधुरता लिए बह रही थी। आखिर यह कौन-सा वाद्य है?

जब बैंड वालों ने वादन का समापन किया, तब वह किशोर किसी तरह से उस वाद्य यंत्र के करीब जा पहुंचा। उसने वादक से बहुत विनम्रता से पूछा, तो जवाब मिला, यह वाद्य यंत्र सैक्सोफोन है। यह फूंककर बजाए जाने वाले तमाम वाद्यों में चरम रूप है, इसलिए यह जहां बजता है, वहां पूरी तरह छा जाता है।

किशोर ने उस वाद्य यंत्र को अपने दिल में बिठा लिया और अपने पिता से कहा, पिताजी, मैं इसी वाद्य यंत्र में महारत हासिल करूंगा। वाकई, गांव लौटे, तो पिता भी बहुत परेशान हुए कि बेटा विदेशी वाद्य बजाना चाहता है। उन्होंने पुत्र को समझाया, पर बात नहीं बनी, तो वह एक सैक्सोफोन खरीदने के इंतजाम में लग गए। यह विदेशी वाद्य यंत्र बहुत महंगा था और पिता गरीब थे। फिर भी पिता ने किसी तरह पैसे जुटाए और पुलिस बैंड के एक सदस्य से एक पुराना सैक्सोफोन कुल 800 रुपये में खरीद लाए। यह उन दिनों में बड़ी रकम थी, पर पिता क्या करते, बेटे का मन रखना था। मेहनती बेटे ने खुद आगे बढ़कर अच्छे गुरु खोजे, उनसे सैक्सोफोन बजाना वर्षों तक सीखा, लेकिन मन में तो कर्नाटकी संगीत बसा था। उसकी कोशिश थी कि विदेशी सैक्सोफोन में भी कर्नाटकी नादस्वरम का तीखापन और खनकता रहे। उसने सैक्सोफोन को शास्त्रीय भारतीय संगीत के अनुकूल बनाने के लिए वाद्य यंत्र में कुछ बदलाव किए और कमाल हो गया।

फिर निर्णायक मौका आया, जब साल 1980 में बॉम्बे जैज महोत्सव हुआ। वहां दुनिया के दिग्गज संगीतकार आए। कैलिफोर्निया से जैज संगीतकार जॉन हैंडी ने जब एक भारतीय युवा को सैक्सोफोन बजाते सुना, तब वह खुद को रोक न पाए। उन्होंने आगे बढ़कर परिचय पूछा और जवाब मिला, मुझे लोग कद्री गोपालनाथ कहते हैं। हैंडी ने तारीफ करते हुए तत्काल प्रस्ताव दिया कि क्या आप मेरे साथ जुगलबंदी करेंगे? गोपालनाथ ने प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया और उनकी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई। उन्हें पूरी दुनिया ने बहुत चाव से सुना। पश्चिम के सैक्सोफोन को भारतीय बनाकर उन्होंने सबको सुना दिया।

कद्री गोपालनाथ (1949-2019) दुनिया में एक सर्वश्रेष्ठ सैक्सोफोन वादक के रूप में पहचाने गए। वह सैक्सोफोन चक्रवर्ती कहलाए। अपने आखिरी दिनों में वह बैठ नहीं पाते थे और भारी मन से कहते थे, अभी वादन से मन नहीं भरा है।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

हिंदी साहित्य का मुन्ना युग

तिरछी नजर

सुधीश पचौरी हिंदी साहित्यकार

आलोचना की तीन नई पुस्तकें और पांच पत्रिकाएं पढ़ गया हूं, लेकिन एक में भी किंतु-परंतु या अगर-मगर जैसे शब्द नजर नहीं आते। जहां कहीं कुछ किंतु-परंतु हो सकता था, वहां भी रचनाकार की सिर्फ मिजाज-पुर्सी ही की जाती दिखती है कि जो लिखा है, वह तो कमाल का है ही, इसमें कुछ 'यह' रहा होता, तो और बेहतर होता।

लघु पत्रिकाओं का भी यही हाल है। थोक में छपती कविताओं और कहानियों को पढ़ें, तो लगता है, मानो हम प्रेमचंद, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, रेणु, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव, मोहन राकेश से मीलों आगे के लेखकों को पढ़ रहे हों। इंट्रो में चढ़ाया जाता है : यहां अमुक युवा कलम ने एकदम नई जमीन तोड़ी है; अमुक ने अपनी रचना से कुछ नितांत नए निशान छोड़े हैं; अमुक की कलम उपेक्षितों की मसीहा है; अमुक हाशिये का पहरुआ है और अमुक के हाथों में हिंदी साहित्य का भविष्य सुरक्षित है, जबकि इनमें से अधिकांश प्रायः हताशा, निराशा का वातावरण रचते हैं।

एक ओर तरह-तरह के शोषण, उत्पीड़न, दमन, भेदभाव का वर्णन, तो दूसरी ओर इनसे टकराती और लड़ती रचना। हर लाइन में नई जमीन तोड़ती हुई, अपने निशान छोड़ती हुई, अपना इतिहास रचती हुई रचना। एक पल हताशा, निराशा और दूसरे पल ही शूरता, वीरता, भुजाओं का फड़कना, ताल ठोकना और आततायी को चैलेंज करना, फिर कॉमेडियन द्वय *जौहर महमूद इन गोवा* की तर्ज पर गाने लगना कि *न कोई रहा है, न कोई रहेगा, मेरा देश आजाद होके रहेगा...* गोया देश अब भी गुलाम हो!

एक ओर लेखकों का रोना-धोना, दूसरी ओर उनकी प्रतिभा का ऐसा विस्फोट! रचना महान और आलोचना उसकी चमची। आलोचना के नाम पर ऐसी भूरि-भूरि प्रशंसा कि भड़ैंती भी पानी मांगे। आलोचना न हुई किसी बिगड़ैल बालक की लल्लो-चप्पो हो गई कि प्याले-प्याले मुन्ने! ये ले टॉफी, ये ले चॉकलेट, ये ले केक, ये ले पेस्ट्री... अब रो मत, चुप हो जा, और मुन्ना है कि एक नहीं मानता। वह भी क्यों माने? उसे मालूम है कि जब तक वह रोता है, तभी तक चॉकलेट है।

यह रोंदूपन साहित्य का स्थायी भाव है, इसीलिए बहुत सारे लोगों के लिए साहित्य एक रोते हुए की चॉकलेट है। भूरि-भूरि करने के बाद अगर आपने जरा भी लेकिन-वेकिन, किंतु-परंतु, अगर-मगर किया कि बालक रूठा, दूध कटोरा फूटा। हिंदी का हर मुन्ना शायद इसीलिए रूठा रहता है। आलोचक, संगठन उसे हिलराते, दुलराते, मनाते रहते हैं और वह बिगड़ैल मुन्ने की तरह अपने भाव या अपनी डिमांड बढ़ाता रहता है कि *मैं तो चंद्र खिलौना लैहौं/ जैहों लोटि धरनि पर अबहिं...तेरो सुत न कहैहौं,* और आलोचक अंकल उसके कान के नीचे दो बजाने की जगह पुचकारने में लगे रहते हैं।

अधिकांश रचनाएं हताशा-निराशा की टॉफी/ चॉकलेट हैं, जो आजकल के बहुत से मुन्नों को पसंद है। इधर हताशा का खेल रचो और उधर आलोचक अंकल से टॉफी पाओ। यदि यही 'निराशा का कर्तव्य' है, तो हिंदी में निराशा की फैक्टरी क्यों न खुले और अच्छा कमाता-खाता मिडिल क्लासी कवि मुस्टंडा होकर 'निराशा' के फिल्मी गीत क्यों न गाए? यही कारण है कि हिंदी में अधिकांश साहित्यकार किसी 'बिगड़ैल बच्चे' की तरह व्यवहार करते नजर आते हैं और आलोचक उनके मुंह में भूरि-भूरि की टॉफी ठूंसते रहते हैं, ताकि वे रोए नहीं!

हिंदी आलोचना आज महज एक टॉफी है, चॉकलेट है, एक लोरी है। उसके अपने औजार, अपने साहित्यिक मानक, अपने अगर-मगर, किंतु-परंतु, लेकिन-वेकिन, सब छूट गए हैं। जो हाल आलोचना व लघु पत्रिकाओं का है, वही संगठनों का है। उनके लिए भी सब 'गोट', यानी 'ग्रेट ऑफ ऑल टाइम' हैं।

यह हिंदी साहित्य का मुन्ना युग है। सच! हिंदी वाले कभी 'मेच्योर' नहीं हो सकते!

कटाक्ष

राजेंद्र धोड़पकर

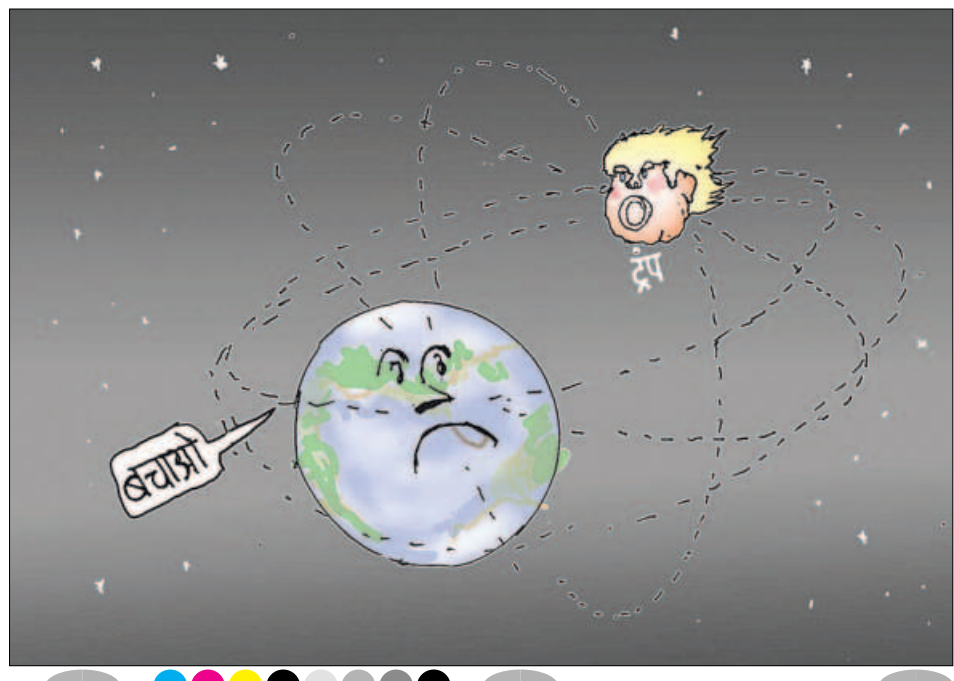

फागुन, तुमने मन कितनों का छुआ

जब इंसान ही नहीं, प्रकृति भी मस्ती से झूमने लगे, तो समझो बसंत आ गया। बसंत फागुन मास में आता है। फागुन यानी प्रेम, उल्लास और आनंद का प्रतीक। फागुन यानी बसंत ऋतु का महीना। जीवन में रंग-बिरंगे रंग भरता फागुन। इसी माह में कामदेव ने अपने प्राणों की आहुति देकर वैरागी शिव के मन में राग भरा था। राधा-कृष्ण के प्रेम के साक्षी फागुन की अलमस्त फगुनाहट के साथ प्रसिद्ध नवगीतकार उमाकांत मालवीय के ललित निबंध 'फागुन : पाहुन सावन के गांव का' से संपादित अंश...

■ उमाकांत मालवीय

जब तुम्हें लगे कि तुम्हारे पोर-पोर में एक पिराती हुई मिठास पेंग भर रही है। एक प्यारी टूटन-मरोड़ रेशा-रेशा भिन रही है, जब कोई पराई खुशबू तुम्हारी सांसों में तुम्हारी अपनी सगी आत्मीय होकर, घुल-मिलकर भीतर, बहुत भीतर उतर रही है। नस-नस, शिरा-शिरा, धमनियां उस कली की चटखन से चटख रही हैं, जिसके गाल में किसी शोख पवन ने चुटकी भर ली है और वह लाजवंती छुई-मुई दोहरी होकर चटख गई है, खिलखिलाकर खिल गई है, तो यह मानना कि मैं तुम्हारे एकदम करीब आ गया हूं। इतना करीब कि मेरी सांसें तुम्हारे कान के लवों को छू रही हैं। इतनी पास कि तुम्हारी सांस मेरी गर्दन को सहला रही है।

इतनी सारी पहचान के बावजूद एक नाम चाहिए, जिससे तुम मुझे गाहे-बगाहे टेर सको, पुकार सको। यह टेर क्या होती है? बांसुरी जब अपनी बेखुदी में, अपनी रिक्तता में कृष्ण की महकती सांसों को मन-प्राण में एक पुलक के साथ पिरोती थी, तो ग्वाल-बाल, गोपियां, राधा तो क्या, कदंबवन में पशु-पक्षी, चर-अचर, जड़-चेतन सभी एक साथ स्पंदित एवं आनंदित होते थे। टेर एक प्यास है, जिससे पपीहा 'पिउ-पिउ' का नाम संकीर्तन करता है, स्वाति घन को टेरता है।

हां, तो उसी टेर के लिए तुम्हें चाहिए एक नाम। तुम मुझे फागुन कह सकती हो। फागुन, जो अपने साथ सावन की अवतारणा करता है। सावन, जिसके साथ ही हमारे भीतर एक हिंडोला झूलता है, एक घटा घिरती है, अबीर-गुलाल के मेघ उमड़ते-घुमड़ते हैं, जिन्हें देखकर थिरक उठता है मन मयूर-

'फागुन के घन गुलाल बरसो/पाहुन, तुम सावन के गांव के
घिर आए फागुन उमराव के/बेमौसम आए तो क्या हुआ
तुमने है मन कितनों का छुआ/बरसो घन, यह मुहूर्त टल रहा
कब से यूं आज, कल कि परसों/फागुन के घन गुलाल बरसो।' फागुन- इस नाम के साथ ही रूप का, रस का, गंध का, स्पर्श का, रंग का, राग का, एक ऐसा आग्रह जुड़ा हुआ है कि उसे अस्वीकार कर सकना यदि असंभव नहीं, तो कठिन अवश्य है।

कभी ब्रजराज अधीर होते थे। सुना है, अब यह अधीर नहीं रहे। हां, तो उन्होंने कभी कहा था, कहा ही नहीं, गाया भी था- 'फागुन तुम गए, मगर एक गंध छोड़ गए।' यह गंध क्या है, यह गंध वह तो नहीं है, जिसके चलते भीतर मिसरी घुलती है, लड्डू फूटते हैं, निर्झर फूटते हैं, लहरें थिरकती हैं। यह गंध वह तो नहीं है, जिसने महर्षि पराशर को विचलित, उद्घोषित कर दिया था, जो मत्स्यगंधा सत्यवती के रूप में मूर्त हुई थी। परिणामतः युग को प्रसादस्वरूप श्रीकृष्ण द्वैपायन वेदव्यास मिले थे। महर्षि पराशर के इस अवदान को, सत्यवती के इस वरदान को जमाने ने कृतज्ञतापूर्वक सिर-माथे लिया था।

सुना है, ब्रजराज की देह से कस्तूरी, कर्पूर, केशर, अगरू, चंदन और कमल की मिश्रित सुगंध होती थी। यह रस है ब्रह्मा, 'रसो वै सः।' यह रस है, जिसके अंतर्गत 'ताहि अहीर की छोकरियां छछिया भर छाछ पर नाच नचावैं।' जिसके अधीन सरकार कच्चे धागे में बंधे चले आते हैं। यह रस है, जीना जिंदादिली के साथ।

> यह राग है, जो रेशमी रिश्तों से जोड़ता है। यह राग ही है, जिसकी विकृति हमें स्वार्थी बनाती है। यह राग ही है, जिसका उदात्तीकरण हमारे भीतर के पशु को मनुष्यता के दिव्य संस्कार से संपन्न करता है। हमें देवत्व के लिए स्पृहणीय हैसियत प्रदान करता है। यही वह विशिष्ट राग है- विराग, जिसके अधीन सारी विरक्ति, सारी उदासीनता के बावजूद ठाकुर रामकृष्ण परमहंस और संत ज्ञानेश्वर जैसे महात्मा शुष्क और नीरस नहीं होते। उनमें अहर्निश एक प्रीति का प्लावन उपस्थित रहता है।

यह रस है, जो हमें सरल-तरल-ऋजु-स्निग्ध-सुकोमल बनाता है-

'किसी फूल से लिपटी हुई/तितली को गिराकर देखो
आंधियो! तुमने तो/दरख्तों को गिराया होगा।'

और यह स्पर्श! यह स्पर्श है- छुअन। इस छुअन की प्रतीति आहट से होती है, स्मरण से होती है। इस छुअन से अभिशप्त शिला अपनी जड़ता छोड़कर अहल्या हो जाती है। एक छुअन सतह से होकर गुजर जाती है। एक छुअन है, जो अतल तल में पैठती है, सिरहन देती है, रोमांच देती है। लोग-बाग मुसकान से छूते हैं, चितवन से छूते हैं, कनखी से छूते हैं।

हम उनकी नहीं जानते, जो अछूते रह जाते हैं। उन्हें कोई घटना, कोई सुधि, कोई गंध, कोई रूप, कोई रस छू नहीं पाता। 'वे सबसे भले' होते हैं, उन्हें 'जगतगति' नहीं व्यापती। उनका ठसपन और उस ठसपन का कौमार्य अक्षत रहता है। भोज-संबंध का एक संदर्भ याद में कौंध जाता है।

एक रूपसी धान कूट रही है। मूसल को संबोधित करके राजा भोज कहते हैं-'कोई कहता, तो मैं विश्वास नहीं करता। देख रहा हूं, मूसल तुम निरे काठ हो। इतने मधुर स्पर्श के बाद भी तुममें रोमांच नहीं होता। तुममें सिहरन नहीं होती। तुम फूलते-फलते नहीं?' विराग को मैं राग का विलोम नहीं मान पाया। मेरे निकट विराग विरक्ति नहीं है। विराग उदासीनता का पर्याय भी नहीं है। विराग, राग का निषेध नहीं है। यह तो विशिष्ट राग है- त्यागमय भोग ही राग है। विराग की यात्रा राग से होकर गुजरती है।

कमल को लोग-बाग असंपृक्त कहते हैं। मुझे यह स्वयं में सत्य नहीं लगता। कमल, जल से निरपेक्ष नहीं होता। जल उसके वजूद की एक अनिवार्य शर्त होता है, वह जल सापेक्ष होता है, जल से, पंक से होता हुआ जल से ऊपर, पंक से ऊपर। नाद, ध्वनि, स्वर, आलाप जब भी एक विशिष्ट व्यवस्था के अंतर्गत संयोजित होते हैं, वे राग की, रागनियों की श्रेणी में आ जाते हैं।

यह राग है, जो हमें माता-पिता, पत्नी-प्रिया, भाई-बहन, मित्र के रेशमी रिश्तों से जोड़ता है। यह राग ही है, जिसकी विकृति हमें ओछा, स्वार्थी बनाती है। यह राग ही तो है, जिसका उदात्तीकरण हमारे भीतर के पशु को मनुष्यता के भव्य-दिव्य संस्कार से संपन्न करता है और हमें देवत्व के लिए भी स्पृहणीय हैसियत प्रदान करता है। यही वह विशिष्ट राग है- विराग, जिसके अधीन सारी विरक्ति, सारी उदासीनता के बावजूद ठाकुर रामकृष्ण परमहंस, संत ज्ञानेश्वर और संत एकनाथ- जैसे महात्मा शुष्क और नीरस नहीं होते। उनमें अहर्निश एक प्रीति का प्लावन उपस्थित रहता है। प्राणी-मात्र का सुख-दुख उनका अपना सुख-दुख होता है।

सारे जहां का दर्द हमारे जिगर में है। यह हम पर निर्भर करता है कि विधाता से प्राप्त इस राग को हम अपने लिए वरदान बनाते हैं या अभिशाप। यह विराग वह महाराग है, जिसकी छांव में हम रोम-रोम भीगते हैं। और यह रंग क्या है? यह रंगकर्म क्या है, यह रंगमंच क्या है? यह रंगनाथ, यह रंगकर्मी कौन है? *'यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे।'* प्रकृति को नियंता ने विविध विधि रंगमयता से संपन्न किया है। बाहर जितने रंग हैं, वे सब हमारे भीतर के रंग हैं, परंतु हमने जो रंग बनाए हैं, वे हमारा पूरा-पूरा रूपायन करने में एकमात्र अपर्याप्त होते हैं। हमारे भीतर कभी गुलाब का रंग होता है, तो कभी गेंदे का, तो कभी वासंती अथवा केसर रंग। टेसू, रोली, गुलाल का रंग होता है। कभी अमलतास का पीला हल्दिया सुनहरा रंग होता है, तो कभी सरसों का पियरी रंग होता है।

(साभार : कादम्बिनी, मार्च, 2014)

पुस्तकें आई हैं

प्लेटफॉर्म से आवाजें
(कविता-संग्रह)
लेखक : तजेन्द्र सिंह लूथरा
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : ₹325

मनुष्य और चिंता का साथ शाश्वत है। सदियां भले ही बदल जाएं, लेकिन चिंताएं बदस्तूर रहती हैं। वक्त के साथ इन चिंताओं का गणित जरूर बदलता है। इसमें जमा-घटा के साथ गुणा की मौजूदगी अपनी चुनौती का एहसास निरंतर कराती रहती है। इसे इन पंक्तियों से सहज समझा जा सकता है- 'तुम जब सिर्फ बड़ी हो रही थीं/मेरी चिंता जवान/और तुम्हारी मां की/फिक्र तो अधेड़ हो रही थी।' कविता-संग्रह 'प्लेटफार्म से आवाजें' की कविताएं आम आदमी की कविताएं हैं। इसमें उसके सुख-दुख हैं, चिंताएं हैं, तो साथ ही एक उम्मीद है, जो उसे टूटने नहीं देती।

राजनीति का अभिमन्यु
(संस्मरण)
लेखक : डॉ. सी. पी. राय
प्रकाशक : लोकमित्र, दिल्ली
मूल्य : ₹795

हजारों साल बीतने के बावजूद द्वापरयुगीन महाभारत का अभिमन्यु वीरता का पर्याय बना हुआ है। वीरता के साथ-साथ यह नाम इसका भी साक्षी है कि किस अन्यायपूर्ण ढंग से इसे सात महारथियों ने युद्ध के सारे नियमों को ताक पर रखकर मारा था। बहरहाल, यहां बात वरिष्ठ समाजवादी नेता डॉ. सी. पी. राय की पुस्तक 'राजनीति का अभिमन्यु' की हो रही है। इसमें उन्होंने अपने पचास साल के सामाजिक-राजनीतिक जीवन के खट्टे-मीठे अनुभवों का विस्तार से वर्णन किया है। इसमें समय के साथ बदलती राजनीतिक सोच का भी चित्रण है।

बॉयफ्रेंड
(उपन्यास)
लेखक : फ्रीडा मैकफैडेन
अनुवाद : डॉ. कुमारी रोहिणी
प्रकाशक : पेंगुइन स्वदेश, गुरुग्राम
मूल्य : ₹450

प्यार का खयाल आते ही सबसे पहले मन में रोमांच और गुदगुदी का भाव आता है। यह इतना अचानक होता है, इसलिए इसे पहली नजर का प्यार कहते हैं। अचानक ही नहीं, यह रफ्ता-रफ्ता भी परवान चढ़ता है। बहरहाल, यह पहली नजर में हो या धीरे-धीरे, जब होता है, तो सिर चढ़कर बोलता है। प्यार की ऐसी ही रहस्यमय, रोमांचकारी दास्तान है उपन्यास 'बॉयफ्रेंड।' यहां प्यार, भरोसा और धोखा एक-दूसरे से टकराते हैं। कहानी ऐसे रिश्ते की है, जो देखने में खूबसूरत है, पर उसके पीछे छिपे हैं राज, शक और दर्द। यहां प्यार दिल से नहीं, हालात से तय होता है।

लौट आई भूरी धारी वाली गौरैया

'सह-सा' छोटे-छोटे अकस्मातों में बनती व्यापक मानव नियति की कहानी है। रोजमर्रा के नाटकीय प्रसंगों की टकराहटों से बड़े सवालों के खुले में आ जाने की कहानी। इस कथा के पीछे उसके अनकहे में, एक और कथा भी चलती है, जो दिखाती है कि इस वाचाल समय में हम वही देखते-सुनते हैं, जिसका ढिंढोरा है, उसके पीछे हो रहे को नहीं। अंतरराष्ट्रीय 'बुकर' पुरस्कार से सम्मानित पहली भारतीय कथाकार गीतांजलि श्री के उपन्यास 'सह-सा' से प्रस्तुत है एक अंश...

सह-सा (उपन्यास)
लेखिका : गीतांजलि श्री
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : ₹499

पुस्तक अंश

धूप छांव में चिड़ियां बुंदकियां बन फुदक रही थीं। 'गौरैया।' अम्मा ने कहा। 'क्या अम्मा।' भूले ने फिर डांटा। 'गौरैया अब कहां दिखती हैं?'

'गौरैया,' अम्मा ने तय-बात स्वर में कहा, खुश पर शांत दिखते।

'सब कहते हैं, अब नहीं दिखती,' उन्होंने फटकारा, 'पर दिख तो रही है,' जरा हैरान हुए स्वर में अगले ही पल बोले, क्योंकि नहीं दिखती कहते ही उन्हें दिख गई। गले में भूरी धारी भी, ऐं। दूसरी चिड़ियों के बीच दाना चुगतीं।

गौरैया उड़ी, तो अम्मा शोर करतीं चप्पू चलातीं भीतर लौट गईं। खटर खटर ठप छप थपाक छपाक।

अंदर जाना पड़ेगा, भूले ने सोचा। सूर्य तेज होने लगा था और नील में घुली सफेद धूप टपका रहा था, जो पत्तों पर बैठती, तो पनियल कंचन का वरक हो जाती। पत्तों को शॉक न लगे, वे नम सुनहले हो जाएं और चढ़ते गरम दिन के लिए तैयार। भूले ने हाथ पत्तों पे फेरा, जैसे रंग बराबर फैलाते हों। गर्मी से पपड़ाते पत्तों को कोमल छुआ।

'जाता हूं,' धीमे से बोले। दूसरे सुनें नहीं, वे पेड़ गाछ से बतियाते हैं, इसलिए धीमे कि छूने पे आवाज के स्वतः नरम हो जाने से।

'आता हूं,' सीमारेखा पर लगे केले के पेड़ से बोले। उसको भी जाने के पहले छूना था। उसके विशाल पत्तों को पोंछने लगे और बचपन में उस पर खाए, भोग लगे हलवा-पूड़ी उबले चने का स्वाद उसे बताया। बोले, 'ऐसा था बचपन,' जरा मुस्करा के।

फिर वही हुआ, जो हो जाता था। फिसलते पत्तों के पार रेंगते शहर की झलक पा गए। दृष्टि मधुमालती पर पड़ गई। लटकी हुई, सहमी-सहमी, मरियल, मटियाली। सड़क किनारे, विष उगलती मोटर कारों से बचने को, मोहल्ले की बाउंड्री वॉल से चिपटी हुई। दीवार के इधर, धूल अटी खाली जगह, जिसे पार्क का नाम मिला हुआ था, में घूरा उग रहा था। उधर गिरे, तो मोटरों से कुचली जाए, इधर, तो घूरे में दब जाए, अपनी जान को चिपटाए अटकी लटकी है।

रजिया फंस गई गुंडन में, भूले ने सोचा।

मुस्कान सिकुड़ गई। ये नसीब, तो नहीं होना था लतर का कि लोहे पत्थर स्टील धुएं में यतीम पड़ी हो। न पानी न घास न प्यार। किसी ने उसकी डाली से तार बांध दिया था और दूसरा सिरा कुछ दूर खड़े जंग खाए खंभे में फंसा दिया था। फटे फटीचर कुचैले कपड़े उस पर सूखते रहते।

भूलेराम ने केले के पत्ते वापस समेटे जैसे बुरे नाटक पर पर्दा गिराने। अभी बांह उठी ही थी और पत्ते हाथ में ही थे कि एक चिया उसपे आ बैठी। पत्ते पर नहीं, उनकी बांह पर।

वे ठिठके, मुस्कराहट लौटने को हुई, सोचा हिलेंगे, तो उड़ जाएगी, हिलें नहीं। देखा ये तो गौरैया है, वही गर्दन पर भूरी धारी वाली गौरैया जिसे उनका हरा-भरा भा गया है और आ गई है बाकी चिड़ियों के कलरव में, इस डाली उस डाली फुदकने।

मेरी बांह को डाली समझती है, वे मुस्करा दिए, और मजबूत पेड़ बनके खड़े रहे।

पर पेड़ की खाल के भीतर क्या होता है, उसके सीधे, सतर, स्थिर, बाह्य रूप को देखकर कौन जान सकता है। क्यों उसी पल उनका लहू किसी ठोकर से टकराया, जैसे समुद्र की लहर पत्थर पे खून हुई और रुका, फिसला, भूले के दिल की एक धड़कन उठा ले गया।

वैसा धचका, जिसमें कोई अलग विचार आ जाए, नितदिन के नितपन को गड़बड़ाता।

मिथकों से विज्ञान की ओर
(ब्रह्मांड के विकास की अनोखी कहानी)
लेखक : पं. गोपाल शर्मा
प्रकाशक : डायमंड पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली
मूल्य : ₹400

मानव सभ्यता का इतिहास मूलतः जिज्ञासा, कल्पना और खोज की अनवरत चलने वाली यात्रा है। यह यात्रा मिथकों, से आरंभ होकर विज्ञान की कठोर परीक्षा प्रणाली तक पहुंचती है। विज्ञान की यह यात्रा आज भी निर्बाध गति से जारी है। जिस युग में हम खड़े हैं, उसमें वैज्ञानिक सोच केवल प्रयोगशाला का औजार भर नहीं है, बल्कि जीवन और समाज को समझने की एक अनिवार्य बौद्धिक प्रवृत्ति है। विज्ञान मनुष्य को यह साहस देता है कि वह किसी भी दावे को बिना प्रमाण स्वीकार करने से इंकार कर सके। पुस्तक 'मिथकों से विज्ञान की ओर' विज्ञान की इसी सोच और भाव की पुष्टि करती है। यह पुस्तक विज्ञान के जरिये रुढ़िवादिता और अंधविश्वासों को दूर करने का प्रयास है।

रोजनामचा

साप्ताहिक भविष्यफल
(01 मार्च से 07 मार्च 2026)

पं. राघवेन्द्र शर्मा
ज्योतिषाचार्य

स्कैन करें
भविष्यफल और व्रत-त्योहार जानने के लिए

मेष (21 मार्च-20 अप्रैल)
मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में कुछ सुस्ती देखने को मिल सकती है। आय में कमी व खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृष (21 अप्रैल-20 मई)
02 मार्च से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। संतान की सेहत का ध्यान रखें। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

मिथुन (21 मई-21 जून)
आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परंतु मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। वाणी में मधुरता रहेगी। दांपत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। पिता का सान्निध्य मिलेगा।

कर्क (22 जून-23 जुलाई)
मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। भागदौड़ अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। सचेत रहें।

सिंह (24 जुलाई-22 अगस्त)
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान भी हो सकता है। आत्मसंयत रहें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

कन्या (23 अगस्त-22 सितंबर)
मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। 02 मार्च के बाद नौकरी में बदलाव हो सकता है। तरक्की के अवसर भी मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी, परंतु खर्च भी बढ़ सकते हैं।

तुला (23 सितंबर-23 अक्तूबर)
सप्ताह के प्रारंभ में आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता की सेहत का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक (24 अक्तूबर-21 नवंबर)
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। पिता व जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन में नकारात्मक विचारों से बचें। सप्ताह के प्रारंभ में किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मकर (22 दिसंबर-19 जनवरी)
मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी बातचीत में संतुलन बनाए रखें। किसी मित्र के सहयोग से किसी नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

कुंभ (20 जनवरी-18 फरवरी)
मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मीन (19 फरवरी-20 मार्च)
मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। संतान सुख में वृद्धि होगी। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। भागदौड़ भी अधिक रहेगी।

वर्ग पहेली : 8255

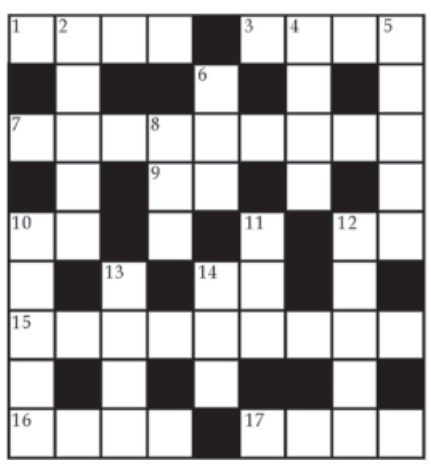

ऊपर से नीचे
2. हाथी जैसी मंद-मंद चाल (5)
4. फैलना; पैर फैला कर सोना; विस्तृत होना (4)
5. प्रसन्न होना; खुशी से झूम उठना (2,3)
6. जो घना न हो; दुर्लभ; पतला (3)
8. प्रेमी; पति (3)
10. जिसकी चेतना नष्ट हो गई हो; आंशिक चेतना वाला; मन का जो चेतन न होने पर भी थोड़े प्रयास से चेतन हो सके (5)
11. पारा; रसनाथ (3)
12. जानकारी लेना; जानकारी होना; खबर लेना; बात पूछना; मालूम करना (2,3)
13. बैठना; शोभित होना; विद्यमान होना (4)
14. सफेद रंग का; रंग-रोगन में काम आने वाला एक सफेद पदार्थ; आम का एक भेद सफेद छाल वाला बहुत ऊंचा पेड़ जिसका तेल दवा आदि के काम आता है (3)

बाएं से दाएं
1. कहीं से आने या पहुंचने का भाव; आना; पहुंच (4)
3. अनुष्ठान; उठान; कार्यारंभ की पहली अवस्था; प्रथमारंभ; योजना (4)
7. निश्चिंत होना; चैन से दिन बिताना (2,3,2,2)
9. आब; नीर; पानी; सलिल; अर्घ्य (2)
10. अन्य; इतर; बगैर; बिना; रहित; एक उपसर्ग (2)
12. पहनावा; वेश; रीति (2)
14. जलाशय; तालाब; चिता; जीता हुआ; सिर; सिरा (2)
15. चेहरा श्री हीन हो जाना; चेहरा सफेद पड़ जाना; चेहरे का रंग उड़ जाना (3,3,1,2)
16. आदमी-औरत; नर और नारी; महिला-पुरुष (2,2)
17. अपना बनाना; ग्रहण करना; अनुसरण करना; शरण में लेना (4)

हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली
(उत्तर अगले अंक में)

वर्ग पहेली 8254 का उत्तर

सुडोकू : 8237

*मध्यम

		9			3		4	
3	5		1				6	
		4				2		1
5				6			7	
			5		8			
	8			2				3
9		1				6		
	2				6		1	9
	3		7			5		

खेलने का तरीका : दिमागी खेल और नंबरों की पहेली है यह। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3x3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

हल : सुडोकू नं. 8236

1	4	3	5	2	9	6	8	7
8	6	2	3	1	7	9	4	5
9	7	5	4	6	8	2	1	3
4	3	1	9	7	6	5	2	8
5	2	7	1	8	4	3	6	9
6	9	8	2	5	3	1	7	4
2	5	9	8	4	1	7	3	6
3	8	6	7	9	2	4	5	1
7	1	4	6	3	5	8	9	2

व्रत और त्योहार | पंचांग | पं. ऋभुकांत गोस्वामी

01 मार्च, रविवार, **शक संवत्** : 10 फाल्गुन (सौर) 1947, **पंजाब पंचांग** : 18 फाल्गुन मास प्रविष्टे 2082, **इस्लाम** : 11 रमजान, 1447, **विक्रमी संवत्** : फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी तिथि सायं 07.10 मिनट तक। आश्लेषा नक्षत्र, शोभन योग दोपहर 02.33 मिनट तक पश्चात अतिगंड योग, कौलव करण। चंद्रमा कर्क राशि में (दिन-रात)।

सूर्य उत्तरायण। सूर्य दक्षिण गोल। सायं 04.30 मिनट से सायं 06 बजे तक राहुकालम्। प्रदोष व्रत। महेश्वर व्रत। गंडमूल प्रातः 08.35 मिनट से।

वास्तु सलाह | आचार्य मुकुल रस्तोगी

किस-किस चीज के दान से क्या-क्या फायदे होते हैं? -दक्षिणा वर्मा, प्रयागराज

- चावल, दूध, चीनी दान करने से जीवन में धन की वृद्धि और मानसिक शांति मिलती है।
- दही का दान करने से जीवन में ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- शय्या का दान करने से आयु एवं यश में वृद्धि होती है।
- चंदन का दान करने से सुख एवं सम्मान प्राप्त होता है।
- कंबल का दान करने से दुख में कमी आती है।
- घी का दान करने से जीवन में सुविधाएं बढ़ती हैं।
- सरसों के तेल का दान करने से जीवन में आ रही रुकावटें दूर होती हैं।

अपराध संक्षेप

बच्चे को परिवार वालों से मिलवाया

नई दिल्ली। द्वारका नार्थ थाना पुलिस ने परिवार से बिछुड़े एक दो साल के बच्चे के परिवार वालों से मिलवाया है। बच्चा अतुल्य चौक के पास लावारिस हालत में मिला था। बच्चा के मिलने के बाद परिवार वालों ने पुलिस की तारीफ की है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि द्वारका नार्थ थाना पुलिस अतुल्य चौक के पास गश्त कर रही थी। वहां पुलिस को दो साल का बच्चा लावारिस हालत में मिला। 2 साल का बच्चा होने की वजह से वह बोल नहीं पा रहा था। हवलदार विनोद की कोशिश से तीन घंटे की मेहनत के बाद आखिरकार बच्चे के माता पिता मिल गए। जांच में पता चला कि बच्चा घर के बाहर खेलते हुए गायब हो गया था। ब्यूरो

पुलिस ने शातिर झपटमार को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने थाना केशव पुरम क्षेत्र में स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विकास गंगवार (27) निवासी वजीरपुर गांव, अशोक विहार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 26 फरवरी को रामपुरा स्थित एससीएम कार्यालय के पास शिकायतकर्ता मुकेश से मोबाइल फोन और कवर में रखे चार हजार रुपये छीन लिए गए थे। इस संबंध में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विशेष टीम गठित की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शंकर चौक के पास संदिग्ध को दबोचा गया। संवाद

नाबालिग समेत तीन बदमाश पकड़े

नई दिल्ली। पंजाबी बाग पुलिस ने शनिवार को स्नैचिंग गिरोह का पर्दाफाश करके नाबालिग समेत तीन बदमाशों को पकड़ा है। इनकी पहचान निमेश उर्फ निक्कू व हेमंत उर्फ हर्ष और एक नाबालिग के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चोरी की स्कूटी और चार मोबाइल बरामद हुए, जिनमें आईफोन भी शामिल है। पुलिस ने 26 फरवरी को हुई स्नैचिंग की वारदात की जांच के दौरान 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोचा गया। संवाद

केजरीवाल-सिसोदिया के आरोपमुक्त होने के बाद...ट्रायल कोर्ट के फैसले का असर ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस पर भी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, अनुसूचित अपराध से आरोपी के आरोपमुक्त या बरी हो जाने पर स्वत: समाप्त हो जाता है मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध

नई दिल्ली। दिल्ली के ट्रायल कोर्ट के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 21 अन्य को कथित शराब नीति घोटाले के सीबीआई के मामले में आरोपमुक्त करने का असर इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर भी होगा।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, अनुसूचित अपराध से आरोपी के आरोपमुक्त या बरी हो जाने पर, मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध स्वत: समाप्त हो जाता है। हालांकि ईडी का तर्क है कि सीबीआई या किसी अन्य एजेंसी की जांच किए जा रहे मूल या प्राथमिक मामले के परिणामों की परवाह किए बिना, मनी लॉन्ड्रिंग को एक अलग अपराध के रूप में माना जाना चाहिए। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून (पीएमएलए), 2002 के तहत ईडी मामले को अकसर एकल अपराध और विधेय अपराध से जुड़ा हुआ कहा जाता है।

इसका मतलब यह है कि ईडी किसी व्यक्ति के खिलाफ अपराध की कमाई के कथित तौर पर इस्तेमाल या उत्पन्न करने के लिए जांच शुरू कर सकता है, भले ही उसे उस अपराध (अंतर्निहित, मुख्य अपराध जिससे गैर-कानूनी कमाई होती है) में दोषी न ठहराया गया हो। कथित आबकारी नीति घोटाले में, ईडी ने केजरीवाल को समन भेजा था, जबकि सीबीआई मामले में उनका नाम आरोपी के तौर पर भी नहीं था और कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग एक अलग मामला है। हालांकि, ईडी के अपराध असल में पहले से तय अपराध से जुड़े होते हैं। इसका मतलब है कि ईडी मामला पहले से तय अपराध से ही शुरू होना चाहिए। ऐसे में जब कोर्ट आरोपी को आरोपमुक्त या बरी कर देता है, तो ईडी का मामला नहीं चल सकता। ब्यूरो

अब आगे क्या : सीबीआई ने कहा था कि वह ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत हाईकोर्ट में अपील दाखिल करेगी। जब तक आरोपी को आरोपमुक्त करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक नहीं लग जाती, ईडी का मामला जारी नहीं रह सकता। सुप्रीम कोर्ट ने विजय मदनलाल चौधरी के फैसले को लागू करते हुए कहा था कि एक बार जब किसी आरोपी को संबंधित अपराध में आरोपमुक्त कर दिया जाता है, तो मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं चल सकता।

ईडी का मामला खत्म होगा या नहीं

इस आवश्यक सवाल का जवाब 2022 के विजय मदनलाल चौधरी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में आए ऐतिहासिक फैसले में है। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून को सही ठहराया और मनी लॉन्ड्रिंग पर कानून बनाया। फैसले के अनुसार, ईडी किसी भी व्यक्ति पर काल्पनिक आधार पर या यह मानकर मुकदमा नहीं चला सकता कि कोई अनुसूचित अपराध किया गया है, जब तक कि यह अधिकार क्षेत्र वाली पुलिस के पास पंजीकृत न हो और/या सक्षम फोरम के समक्ष आपराधिक शिकायत सहित जांच/मुकदमा लंबित न हो। इसका मतलब है कि ईडी मामले को जरूरी तौर पर एक विधेय अपराध मामले का पालन करना होगा। इसलिए, एक बार अपराध समाप्त हो जाने के बाद, ईडी का मामला भी खत्म हो जाना चाहिए। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर उस व्यक्ति को तय अपराध से आरोपमुक्त कर दिया जाता है या उसके खिलाफ आपराधिक मामला कोर्ट से रद्द कर दिया जाता है तो उसके या ऐसी प्रॉपर्टी पर दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग का कोई अपराध नहीं हो सकता, जो उसके जरिये बताए गए तय अपराध से जुड़ी प्रॉपर्टी है।

केजरीवाल आरोपमुक्त हुए पर केस खत्म नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े कथित घोटाले में भले ही राउज एवेन्यू कोर्ट से पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत सभी 23 आरोपियों को बड़ी राहत मिल गई हो, लेकिन मामला अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह के फैसले के कुछ ही घंटों बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साफ कर दिया कि वह इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देगी। सीबीआई का दावा है कि जांच से जुड़े कई अहम तथ्यों और साक्ष्यों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया, इसी वजह से वह फैसले के खिलाफ तत्काल अपील दाखिल करने की तैयारी में है। ऐसे में राउज एवेन्यू कोर्ट से मिली राहत के बावजूद एक्साइज पालिसी केस की कानूनी जंग अब हाईकोर्ट में नई दिशा लेती दिख रही है।

कानून विशेषज्ञों का भी कहना है कि कई हजार पन्नों के पांच आरोप पत्रों पर उच्च अदालत दोबारा विचार करेगी, जिसमें लंबा वक्त लगेगा। इसके चलते यह मामला लंबे समय तक कानूनी दांव पेंच में उलझा रहने के आसार हैं। ब्यूरो

सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली हाईकोर्ट में आदेश को चुनौती देने की कही बात

जंतर-मंतर पर सभा की अनुमति रद्द आप का भाजपा और पुलिस पर हमला

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रस्तावित सभा की अनुमति नहीं मिलने पर आम आदमी पार्टी और दिल्ली पुलिस आमने-सामने आ गए हैं। आप नेताओं ने इसके लिए भाजपा सरकार पर पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने नियमों का हवाला दिया है। संजय सिंह ने कहा कि जंतर-मंतर आंदोलन के लिए निर्धारित स्थान है और वहां अनुमति देना दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की घबराहट के कारण अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को सभा की इजाजत नहीं दी गई। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सभा के लिए पहले से लिखित सूचना दी गई थी और तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। उन्होंने भाजपा और पुलिस पर तीखा हमला बोलते हुए फैसले को अलोकतांत्रिक बताया। देर शाम सौरभ भारद्वाज ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि कल सभा हो रही है, पुलिस से बात हो गई है। सुबह 11 बजे आम आदमी पार्टी के संयोजक जंतर मंतर पर सभा करेंगे।

कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया : पुलिस

नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा है कि अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया गया, इसलिए परमिशन नहीं दी गई। मामले ने राजनीतिक तकरार को और तेज कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल ने हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। अमर उजाला

केजरीवाल व सिसोदिया ने हनुमान मंदिर में टेका माथा

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक भी मंदिर पहुंचे।

अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह, विधायक कुलदीप कुमार और पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक समेत अन्य नेताओं के साथ कनॉट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचे। सभी ने विधि-विधान से पूजा कर सुख, शांति और साहस की कामना की। मंदिर दर्शन के बाद केजरीवाल ने कहा कि जनता, बजरंग बली और बाबा साहब के बनाए संविधान के आशीर्वाद से उन्हें न्याय मिला है। उन्होंने सभी के कल्याण की कामना की। मनीष सिसोदिया ने कहा कि जिन पर संकट मोचन हनुमान जी की कृपा हो, उन्हें डराया नहीं जा सकता। ब्यूरो

सुनीता केजरीवाल, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह समेत कई नेता रहे साथ

पत्नी और तीन बेटियों का हत्यारा राजस्थान से धरा

नई दिल्ली। समयपुर बादली स्थित चंदन पार्क इलाके में बुधवार सुबह पत्नी व उसकी तीन मासूम बच्चियों की हत्या करने वाले आरोपी मुनचुन केवट को पुलिस ने शनिवार को आखिरकार राजस्थान के किशनगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस आरोपी को लेकर दिल्ली लौट रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपी पर काफी कर्ज था और इसे लेकर परिवार में हो रहे विवाद की वजह से उसने घटना को अंजाम दिया।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सट्टा, शराब और अन्य शौक की वजह से कई लोगों से कर्ज ले रखा था। बिहार के रहने वाले एक शख्स से पांच लाख का कर्ज ले रखा था, जिसे वह चुका नहीं पा रहा था। कर्ज देने वाले ने उसकी पत्नी से इस बारे में बताया था। उसके बाद परिवार में विवाद चल रहा था। ब्यूरो

बांग्लादेशियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने किया स्टिंग, तीन महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने स्टिंग ऑपरेशन कर बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की और तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। ढाका बांग्लादेश निवासी रोजिना, लैला खानम और मारूफा खातून किन्नर का रूप धरकर गलत कामों में लिप्त थीं।

पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल और फोन में मौजूद दस बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद किए हैं। पुलिस ने इन महिलाओं को निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूछताछ में बताया कि छह माह पहले पश्चिम बंगाल के बॉर्डर से अवैध रूप से भारत में घुसी और एक व्यक्ति की मदद से दिल्ली के आदर्श नगर में रहने लगीं। उत्तर पश्चिम जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि जिला की विदेशी सेल पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर सर्विलांस रख रही थी। ब्यूरो

घोटाले करने वाले ईमानदार नहीं हो सकते : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के प्रवास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि मुफ्त शराब बांटने और घोटाले करने वाली सरकार खुद को ईमानदार नहीं कह सकती।

छठे दिन प्रवास कार्यक्रम में दक्षिणी दिल्ली पहुंचीं रेखा गुप्ता ने जनसभा में कहा कि दिल्ली की जनता ने चुनाव में साफ संदेश दिया था, अब उनको टकराव वाली नहीं, पारदर्शिता और जवाबदेही वाली सरकार चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने विकास के बजाय दिल्ली के एलजी और केंद्र सरकार से टकराव और झूठे प्रचार की राजनीति की।सीएम ने कहा कि एक के साथ एक मुफ्त शराब की बोतल देने वाली सरकार क्या ईमानदार हो सकती है। बच्चों के स्कूलों में घोटाले करने वाले क्या खुद को कट्टर ईमानदार कह सकते हैं।

उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार काम के दम पर राजनीति कर रही है और परिणाम जनता के सामने है। रेखा गुप्ता ने कहा कि अब दिल्ली में प्रचार नहीं, परिणाम की राजनीति होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास के एजेंडे पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सरकार के कामों को घर-घर तक पहुंचाएं और जनता के साथ सीधा संवाद बनाए रखें। ब्यूरो

मामला हाईकोर्ट में, खुद को बेगुनाह न बताएं केजरीवाल : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि शराब नीति मामले में अभी कानूनी प्रक्रिया जारी है और केजरीवाल को खुद को बेगुनाह बताने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। दिल्ली सचिवालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का मामला अभी हाईकोर्ट में गया है, वे अभी छूटे नहीं हैं। शराब नीति को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों की गंभीर टिप्पणियां सामने आ चुकी हैं। ब्यूरो

रोने-धोने से काम नहीं चलेगा, राहुल की तरह लड़ें केजरीवाल : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के भावुक होने पर कड़ा प्रहार किया है। पंजाब के बरनाला में किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि अन्याय के खिलाफ रोने-धोने से काम नहीं चलता। उन्होंने केजरीवाल को राहुल गांधी की तरह लड़ने की सलाह दी। खरगे ने केजरीवाल और प्रधानमंत्री मोदी दोनों को पाखंडी बताया और कहा कि वे एक जैसी भाषा बोलते हैं। खरगे ने पंजाब की आप सरकार को भाजपा की बी-टीम करार दिया। उन्होंने राज्य में बढ़ती अपराध दर, हत्याओं और महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर चुप्पी को लेकर सरकार को घेरा। इसके अलावा, उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें सरेंडर मोदी कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अमेरिकी दबाव में झुककर देश के किसानों और संसाधनों का सौदा कर रही है। एजेंसी

सरकारी आदेश का पालन करने पर ही आबकारी उपायुक्त बने आरोपी नंबर वन

गौरव बाजपेई

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े कथित घोटाले में 23 आरोपियों पर आरोप तय करने से इनकार कर दिया। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह के विस्तृत आदेश में सीबीआई की जांच को कमजोर बताते हुए कहा गया कि आरोपियों के खिलाफ कोई प्राइमा फेसी केस नहीं बनता।

अदालत ने खास तौर पर एक्साइज विभाग के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर कुलदीप सिंह (आरोपी संख्या 1) और सहायक कमिश्नर नरेंद्र सिंह (आरोपी संख्या-2) को बिना किसी ठोस सबूत के मुख्य अभियुक्त बनाने पर टिप्पणी की।

अदालत ने कहा, आबकारी उपायुक्त केवल सरकारी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे थे

अदालत ने कहा कि कुलदीप सिंह और नरेंद्र एक लोक सेवक होने के नाते सरकारी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे थे। अदालत ने पाया कि सबूत शून्य हैं, और पूरा मामला अनुमानों और कही सुनी बातों पर आधारित था। इसी हिस्से को लेकर अदालत ने जांच अधिकारियों पर विभागीय जांच की सिफारिश की है। कुलदीप सिंह, जो एक्साइज विभाग में डिप्टी कमिश्नर (आईएमएफएल) के पद पर थे, को सीबीआई ने मुख्य अभियुक्त बनाया। सरकारी गवाह दिनेश अरोरा के बयान में भी कुलदीप सिंह को लेकर कोई मामला सामने नहीं आया। उनके बयान में नरेंद्र सिंह को 30 लाख रुपये के भुगतान का जिक्र है।

अदालत ने माना कि कुलदीप सिंह और नरेंद्र सिंह ने अपनी ड्यूटी निभाई। रिकॉर्ड दिखाता है कि इंडोस्पिरिट्स का आवेदन सबसे ज्यादा कमी मेमो जारी किया गया, और लाइसेंस देने में 60 दिन लगे, जो अन्य से ज्यादा था। कोई विशेष लाभ नहीं दिया गया। कुलदीप सिंह का सेवा रिकॉर्ड अच्छा है उन्होंने राजस्व धोखाधड़ी पकड़ी, और संवेदनशील कार्य किए।

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने आदेश में कहा कि सीबीआई ने सरकारी गवाहों (अप्रूवर्स) के बयानों को अपनी कहानी के आधार पर गढ़ा। अप्रूवर्स के कई-कई बार बयान दर्ज हुए जो कि न्यायिक तौर पर सवालों के घेरे में है। अदालत ने सभी 23 आरोपियों को डिस्चार्ज कर दिया और सीबीआई की जांच को पूर्वानुमानित और पूर्वनियोजित बताया।

आजादपुर मेट्रो डिपो में केबल चोरी का खुलासा

नई दिल्ली। उच्च सुरक्षा वाले आजादपुर मेट्रो डिपो में केबल और अन्य सामान चोरी करने के मामले में मेट्रो थाना पुलिस ने जहांगीरपुरी निवासी अली अहमद (25), संवर (24) और कबाड़ी बक्सूद हुसैन (66) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 50 मीटर कॉपर वायर बरामद किया है। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट के डीसीपी कुशल पाल सिंह अनुसार 26 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे सीआईएसएफ कर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज में डिपो परिसर के भीतर एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। जांच में पता चला कि डिपो के आवास ब्लॉक क्षेत्र से करीब 100 मीटर सिग्नलिंग केबल, 60 मीटर मशीन केबल, चेक प्लेट और एक पानी का मीटर चोरी हुआ है। सूचना मिलते ही आजादपुर मेट्रो थाने में बीएनएस और डीएमआरसी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। ब्यूरो

आधार अपडेट करने के बहाने सुविधा केंद्र में घुसे बदमाशों ने लाखों लूटे

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में शुक्रवार रात आधार कार्ड को अपडेट करने के बहाने सुविधा केंद्र में घुसे बदमाशों ने लूटपाट की। कर्मचारी कार्तिक को गोली मारने की धमकी देकर बदमाश 14 लाख रुपये लेकर भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तर पश्चिम जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात पुलिस को मॉडल टाउन थर्ड के सी ब्लॉक में स्थित एक सुविधा केंद्र में लूटपाट की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां पुलिस को शिकायत करने वाले 22 साल का कार्तिक मिला। जिसने बताया कि इस सुविधा केंद्र को मुकुंदपुर निवासी राजा चलाते हैं। वह यहां बतौर कर्मचारी काम करता है। रात में मालिक केंद्र में मौजूद नहीं थे। वह अकेले काम कर रहा था। रात में तीन अनजान युवक केंद्र में घुसे। एक युवक ने उसे आधार को अपडेट करने की बात कही। बातचीत के दौरान ही एक बदमाश ने पिस्टल निकाल ली और गोली मारने की धमकी देकर पैसे देने के लिए कहा। वह काफी डर गया। बदमाश दराज में रखे 14 लाख रुपये लूटकर वहां से भाग गए।

पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने छानबीन कर वहां से साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्र और उसके आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में कर उसकी जांच की गई है। ब्यूरो

निवेश के नाम पर 1.37 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाला धरा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मांस निर्यात व्यवसाय में निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से लगभग 1.37 करोड़ रुपये और यूएसडी 80,000 की ठगी करने के आरोप में 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मोहसिन मोहम्मद को दिल्ली के न्यू राजेंद्र नगर से पकड़ा गया।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि इस संबंध में अर्जुन अरोड़ा की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें उसने आरोप लगाया कि मोहम्मद ने खुद को दुबई में व्यावसायिक संबंधों वाला, बड़े पैमाने का मांस निर्यातक बताकर उसे भारी राशि निवेश करने के लिए कहा। आरोपी ने उसे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक अत्यंत लाभकारी निर्यात कारोबार चलाने का झांसा दिया और निवेश करने पर उच्च मुनाफा मिलने की बात की।

उन्होंने बताया कि मोहम्मद ने शिकायतकर्ता के पिता के खाते से बैंक अंतरण के माध्यम से बेईमानी से 67.70 लाख रुपये प्राप्त किए। आरोपी ने व्यापार विस्तार के हिस्से के रूप में शिकायतकर्ता को अपने सहयोगियों के माध्यम से दुबई में 80,000 अमेरिकी डॉलर की व्यवस्था करने के लिए भी राजी किया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शिकायतकर्ता का विश्वास हासिल करने और कानूनी कार्रवाई में देरी करने के लिए आरोपी ने दो निजी बैंकों के चेक जारी किए, जबकि वह जानता था कि पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में मिली एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम ने 20 फरवरी को न्यू राजेंद्र नगर से मोहम्मद को गिरफ्तार किया।

अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद ने इसी तरह के तौर-तरीकों का इस्तेमाल कर अन्य पीड़ितों से भी ठगी की थी। वह अपराध करने के बाद से फरार था और जांच में शामिल होने से बच रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले 2021 में मोहम्मद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज एक मामले में शामिल था। अन्य सह-आरोपियों का पता लगाने और ठगी गई रकम बरामद करने के प्रयास जारी हैं। ब्यूरो

साइबर टिप्स

डॉ. हेमंत तिवारी, दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त

- अगर पुलिसकर्मी एफआईआर दर्ज करने से मना करता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होती है। महिला संबंधी अपराध जैसे दुष्कर्म मामले में एफआईआर दर्ज नहीं करने पर पुलिसकर्मी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होती है।
- थाने में एफआईआर दर्ज नहीं की जाती तो सीनियर अधिकारी से संपर्क कर या कोर्ट में जाकर एफआईआर करवाई जा सकती है।
- रेगुलर एफआईआर- जब कोई संज्ञेय अपराध होता है और पुलिस थाने में शिकायत की जाती है तो ये सबसे आम एफआईआर है।
- जीरो-एफआईआर- अपराध चाहे कहीं भी हुआ हो, पीड़ित किसी थाने में एफआईआर दर्ज करवा सकता है। बाद में मामला संबंधित थाने को ट्रांसफर किया जाता है।
- ई-एफआईआर- चोरी या गुमशुदगी जैसे मामले में आप घर बैठे ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं।

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अन्तर्गत अपेक्षित 'अमर उजाला' नई दिल्ली नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा:

प्रपत्र-4

1. प्रकाशन स्थान	:	नई दिल्ली
2. प्रकाशन अवधि	:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	:	जुगल किशोर गौड़ वास्ते अमर उजाला लिमिटेड
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXXXXXXXX
पता -	:	सी-21,22, सेक्टर-59, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम	:	जुगल किशोर गौड़ वास्ते अमर उजाला लिमिटेड
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXXXXXXXXX
पता -	:	सी-21,22, सेक्टर-59, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
5. सम्पादक का नाम	:	डॉ. इन्दुशेखर पंचोली
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXXXXXXXXX
पता -	:	सी-21,22, सेक्टर-59, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों, तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	अमर उजाला लिमिटेड 1101, 11वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस नई दिल्ली - 110001

मैं जुगल किशोर गौड़ एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च 2026 — ह/- जुगल किशोर गौड़ (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Loni

Address :- Khanna Nagar, Loni, Ghaziabad

Letter No.2168 / N.P.P.Loni/E-Tender/2025-26 Dated : 28-02-2026

e-Procurement Notice

ई-निविदा

नगर पालिका परिषद्, लोनी, गाजियाबाद में "राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि" के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से आकस्मिक निर्माण/ विकास कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली के अर्न्तगत अनुभवी ठेकेदारो / फर्मो से उनकी तकनीकी एवं वित्तीय बिड (Technical And Financial Bid) आधारित ई- निविदाएें दिनांक 23 मार्च 2026 को सांय 05.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 24 मार्च 2026 को पूर्वान्ह 11.30 बजे खोली जायेगी । निविदा का विस्तृत विवरण टेण्डर प्रपत्र शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई- प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाईट https://etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते है । ई - निविदा की समस्त कार्यवाही उक्त वेबसाईट के माध्यम से ही पूर्ण की जायेगी, निविदा की सूचना नगर पालिका परिषद्, लोनी, गाजियाबाद की वेबसाईट www.npploni.in पर भी देखी जा सकती है।

ई-निविदा समय सारणी (www.etender.up.nic.in पर)

Tender Reference

Public and Time for Ref.	02/03/2026 at 10:00 Am
Last Date Time for Submission of Tender	23/03/2026 till 05:00 Pm
Date and Time for Opening of E-Tender	24/03/2026 at 11:30 Am

(कृष्ण कान्त मिश्र) अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, लोनी (गाजियाबाद)

(रंजीता धामा) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, लोनी (गाजियाबाद)

पारेषण पश्चिम मेरठ
विद्युत पारेषण खण्ड–हापुड़

ई–निविदा सूचना (अल्पकालीन)

निविदा सं० एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

ई–निविदा सं0 10–विद्युत पारेषण खण्ड (हापुड़) / 2025–26 विद्युत पारेषण खण्ड हापुड के 132 के0वी0 उपकेन्द्र हापुड से पोषित 01 नग 132 के०वी० रेलवे टी०ए०एस०सं० लाईन के भुमिगत केबल की शिफ्टिंग व नये भूमिगत 4x630 Sqmm (XLPE) केबल की लेइंग से सम्बन्धित कार्य । निविदा प्रपत्र शुल्क 590रू0 एवं धरोहर धनराशि 1000 रु मात्र । ई–निविदा की अन्तिम तिथि 07.03.2026

ई–निविदा सं0 11–विद्युत पारेषण खण्ड (हापुड़) / 2025–26 विद्युत पारेषण खण्ड हापुड के अन्तर्गत 132 के०वी० उपकेन्द्र सबस्टेशन हापुड़ से निकलने वाली 132 के0वी0 रेलवे TSS लाईन की 400 वर्ग मिमी AI XLPE सिंगल फेज केबल (स्पेयर) में खराबी का पता लगाना से सम्बन्धित कार्य । निविदा प्रपत्र शुल्क 590 रू० एवं धरोहर धनराशि 500 रू० मात्र ई –निविदा की अन्तिम तिथि 12.03.2026

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट htpp//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है । अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेंगी। पत्रांकः 204 दिनांक 28.02.2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
ROAD DIVISION, DUMKA

E-Procurement Notice

Tender Reference No.- RCD/DUMKA/326

Date 28.02.2026

1	Name of Work-	Widening, Strengthening & Reconstruction of Road from Chamrabahiyar to Bardaninath Temple Road (Length-4-626 Km) and Bamandiha Link Road (Length-2.920 Km) (Total Length- 7.546 Km) under Road Division Dumka for the year 2025-26.
2	Estimated cost(In Rs)	Rs 23,62,72,540.00
3	Time of completion	Eight Months
4	Date of Publication of Tender on Website	06.03.2026 at 10.30 AM
5	Last date/Time for receipt of bids	06.04.2026 Up to 12.00 Noon
6	Date of opening of Tender	07.04.2026 at 12.30 PM
7	Name & address of office Inviting tender	Office of The Executive Engineer Road Construction Department Road Division, Dumka.
8	Contact no. of Procurement Officer	8252424164
9	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer, Road Construction Department, Road Division, Dumka

PR 373818 Road(25-26).D

कोई व्यवसाय उतना ही सफल होता है, जितना संतुष्टिदायक उत्पाद व सेवा वह प्रदान करता है। -मीहाइ चीकसेंटमीहायी

दुनिया की सबसे बुरी और दागी कॉरपोरेट गवर्नेंस के लिए कुख्यात है जापान। मगर अब निवेशकों और एक्टिविस्ट फंड ने पीढ़ियों पुरानी कंपनियों के नकाब नोच लिए हैं। जापान में एक्टिविस्ट इन्वेस्टर्स वे योद्धा हैं, जो शेयर खरीदकर प्रबंधन को चुनौती देते हैं, परिवारों की मनमानी का खुलासा करते हैं और बोर्ड बदलने पर मजबूर करते हैं।

जापानी कॉरपोरेट का ढहता किला

पांच मार्च, 2026 को पहली बार जापान की सबसे बड़ी बिजनेस लॉबी या संगठन और निवेशकों के लोकतंत्र का परचम लहराने वाली निवेश कंपनी इलियट आमने-सामने बात करेगी। इन निवेशकों ने ही जापानी कंपनियों की नाक में दम कर रखा है। यह बैठक जैबात्सु-केइरेत्सु राज के टूटने की शुरुआत है।

अंशुमान तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार

इस साल की शुरुआत में जापान की सबसे बड़ी खबर थी कि जापान की फार्मेसी कंपनी कुसुरी नो आओकी को 'पाँइजन पिल' खानी पड़ी। जापान में कंपनियां खुद को अधिग्रहण से बचाने के लिए मौजूदा शेयर धारकों को सस्ते शेयर देती हैं, यही खून का घूंट या जहर का प्याला है, जिसे पिये बिना जापान की कंपनियां निवेशकों के आंदोलन और अधिग्रहण से बच नहीं सकतीं।

जापानी कंपनियों में लोकतंत्र नहीं है। मालिक का वचन ही शासन है। कंपनियां पीढ़ियों से परिवारों के नियंत्रण में हैं। शेयरधारकों को कोई हक नहीं है। दुनिया की सबसे बुरी और दागी कॉरपोरेट गवर्नेंस के लिए कुख्यात है जापान। मगर अब निवेशकों और एक्टिविस्ट फंड ने पीढ़ियों पुरानी कंपनियों के नकाब नोच लिए हैं। जापान में एक्टिविस्ट इन्वेस्टर्स वे योद्धा हैं, जो शेयर खरीदकर प्रबंधन को चुनौती देते हैं, परिवारों की मनमानी का खुलासा करते हैं और बोर्ड बदलने पर मजबूर करते हैं। कुसुरी नो आओकी 157 साल पुरानी कंपनी है। दो भाई चलाते हैं। विदेशी फंड इयोन और एक्टिविस्ट फंड ओएसिस ने इसके अधिग्रहण की कोशिश की। अपने संस्थापक परिवार को बचाने के लिए कंपनी ने अपने बोर्ड में पाँइजन पिल की मंजूरी ली, 55 फीसदी वोट से पास हुई। इसी तरह, फुजी मीडिया होल्डिंग्स और टोहो होल्डिंग्स ने भी जहर की गोली खाई। जापान के विश्वविख्यात ब्रांड बनाने वाली कंपनियां इतनी बदनाम क्यों हैं? क्यों सरकार भी इनके कामकाज नहीं बदल पाती? आइए, विराजिए टाइम मशीन में, आपको जापान के कॉरपोरेट जगत के एक बदनुमा चेहरे से मिलवाते हैं, जिसे सरकार भी ठीक नहीं कर पाई।

टाइम मशीन इस वक्त जापान के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे मेइशिन के ऊपर उड़ रही है। यह नागोया को कोबे से जोड़ता है। यह राजमार्ग जापान के इतिहास के सबसे निर्णायक इलाकों से होकर गुजरता है। हम सेइकीगारा की तरफ बढ़ रहे हैं। 16वीं सदी का समापन हो रहा है। समुराई तोयोतोमी हिदेयोशी का युग बीत रहा है, वह जापान के सबसे ताकतवर सामंत थे। उनके युग में एकजुट हुआ जापान अब बिखरने लगा है। जापान में गृहयुद्ध शुरू हो गया है। अलग-अलग हिस्सों में डामियो, यानी सामंतों के बीच जापान पर कब्जे की सबसे भयानक जंग चल रही है। सेइकीगारा में हम इसी जंग का निर्णायक क्षण देखने आए हैं। नीचे उतरने का मतलब है जान गंवाना, तो टाइम मशीन के हेड पर कान लगाइए और सेकिगहारा की घाटियों और पर्वतीय इलाके के भीतर खड़ी सेनाओं को देखिए। पूर्व और पश्चिम की सेनाओं ने मोर्चा बांध लिया है। पश्चिम की सामंती सेना का नेतृत्व कर रहे हैं इशिदा मित्सुनारी, तो पूर्व की सेना तोकूगावा लेयासू के नेतृत्व में आर-पार को तैयार है। जापान के इतिहास की इस सबसे भयावह खूनी जंग में जीत तोकूगावा लेयासू की हुई है। उनके युद्ध कौशल और रणनीतिक गठजोड़ के सामने मित्सुनारी टिके नहीं। सेकिगहारा के युद्ध के साथ जापान में सेंगोकू युग का समापन हो रहा है।

टाइम मशीन
अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन ■ हर पखवाड़े

यह 17वीं सदी की शुरुआत है। तोकूगावा वंश ने जापान का एकीकरण किया किया है। टाइम मशीन इस वक्त जापान के इडो युग में है, जिसे आर्थिक विकास और संस्कृति की दृष्टि से सबसे मूल्यवान माना जाएगा। जापान में नए शहर बने हैं और अब नींव पड़ रही है जैबात्सु की, जिसे देखने के लिए हम 21वीं सदी से यहां आए हैं। आप सामने जिस औद्योगिक घराने का भवन देख रहे हैं, वह मित्सुई है। मित्सुई परिवार इडो, यानी टोकियो में दर्जी का काम करता था। जापानी किमोनो बनाने में उन्हें महारत हासिल थी। व्यापार के अवसर बढ़ते ही मित्सुई परिवार ने वित्तीय लेन-देन, खनन, फैक्टरी निर्माण में निवेश शुरू कर दिया। इस परिवार को सम्राट तोकुगावा शोगुनात्से का संरक्षण मिला और आज 1673 में जापान का पहला जैबात्सु आकार ले रहा है।

आगे बढ़ते हैं 19-20वीं सदी की तरफ। मित्सुई की उड़ान ऊंची होती गई है। अब मित्सुई समूह जापान का सबसे बड़ा व पुराना जैबात्सु बन गया है। दो सौ साल में इस कारोबारी घराने ने विभिन्न सरकारों की मदद से असंख्य कारोबारों और पूरी दुनिया में अपना विस्तार किया है। यह ब्रिटेन के निवेशकों से कोयला खदानें खरीदकर खुद को माइनिंग दिग्गज में बदल चुका है। अब दूसरी इमारत को देखिए-यह सुमितोमो है, यह दूसरा बड़ा उद्योग घराना है, जिसने तांबे के खनन से शुरुआत की और रेलवे इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचे, टेलीग्राफ और बैंकिंग तक फैल गया। 1990 में दुनिया मे तांबे की किल्लत से पहले सुमितोमो ने सस्ता तांबा खरीद कर खूब कमाई की। यही वह दौर है, जब यासुदा और मित्सुबिशी के जैबात्सु बन रहे हैं, जो कुछ ही दशकों में विराट औद्योगिक घराने बन जाएंगे। जैबात्सु परिवार आधारित कारोबारों का एक जटिल ताना-बाना होता है, जिसमें एक विशाल परिवार कई तरह के कारोबार संभालता है। ये घराने बीसवीं सदी तक जापान के औद्योगीकरण का नेतृत्व करने लगे हैं। टाइम मशीन अब दूसरे विश्वयुद्ध के दौर में है। युद्ध की तैयारियों के लिए जापान सरकार ने जैबात्सु पर नियंत्रण कर लिया था। एटमी हमले के बाद जब जापान का पुनर्निर्माण शुरू हुआ, तो मित्सुई, सुमितोमो, मित्सुबिशी आदि नए अवतार में सामने आते रहे। इन पुराने समूह ने खुद को कई कंपनियों में बांट लिया, जो पूंजी बाजार से लेकर बैंकिंग तक सक्रिय हैं।

यह बीसवीं सदी का आखिरी दशक है। जैबात्सु का नया संस्करण आ गया है, इसे केइरेत्सु कहा जाता है। जापान के मेगा कॉरपोरेशन केइरेत्सु सिस्टम पर चलते हैं। यह प्रणाली कॉरपोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता की दुश्मन है। यही वजह है कि सरकार की नजदीकी और बैंकों के संरक्षण में जापानी मेगा कॉरपोरेशन भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहते हैं। घोटाले खुलने के बाद ही पता चलता है कि कंपनियों के अंदर क्या हो रहा है। 2005 में जापान की मेगा इंटरनेट कंपनी लाइवडोर में बड़ा एकाउंटिंग फ्रॉड खुला। 2015 में ऐसा ही हुआ तोशिबा में। यह सितंबर 2022 है। आपकी स्क्रीन पर दिख रहे हैं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा, जो न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में निवेशकों को भरोसा दे रहे हैं कि जापान के कुख्यात कॉरपोरेट अब सुधर रहे हैं, बीते सुधारों के बाद कंपनियों की साख और कमाई बेहतर हुई है। प्रधानमंत्री फुमियो ने यह नहीं बताया कि जापान के जिद्दी कॉरपोरेट सरकार की वजह से नहीं, विदेशी निवेश कंपनियों और छोटे निवेशकों की सक्रियता से सुधरे हैं। इनकी वजह से ही 2020 में तोशिबा, ओलंपस और क्यूशू रेलवे प्रबंधन में बड़े बदलाव हुए। ताकतवर निदेशकों को कंपनी छोड़नी पड़ी। 2021 में सोनी कॉरपोरेशन को निवेशकों के दबाव पर शेयरों का बायबैक करना पड़ा। टाइम मशीन अब टोक्यो में उतरेगी, क्योंकि आप जापान के कॉरपोरेट इतिहास की सबसे बड़ी घटना के गवाह बनने वाले हैं।

पांच मार्च, 2026 को यहां केदानरेन (जापान व्यापार महासंघ) और इलियट की बैठक है। यह पहला मौका है, जब जापान की सबसे बड़ी बिजनेस लॉबी या संगठन व निवेशकों के लोकतंत्र का परचम लहराने वाली निवेश कंपनी इलियट आमने-सामने बात करेगी। इन निवेशकों ने ही जापानी कंपनियों की नाक में दम कर रखा है। सोनी, मित्सुई, टोयोटा, सुमितोमो, होंडा, दाइवा, मित्सुबिशी, नोमुरा, दाइवा सहित जापान के सभी दिग्गज और करीब 1,600 जापानी उद्योग वंश इस केदानरेन के सदस्य हैं। आंदोलनकारी निवेशकों के साथ केदारनेन की यह बैठक जैबात्सु-केइरेत्सु राज के टूटने की शुरुआत है, परिवार और बैंकों का किला ढह रहा है। फिर मिलते हैं अगले सफर पर...

जब बेचैनी सताए

बेचैनी होना लाजिमी है, पर जो इसे नियंत्रित कर लेते हैं, वे अकेलापन कम महसूस करते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

जैंसी डन
द न्यूयॉर्क टाइम्स

जब भी मैं बेचैन या अस्थिर महसूस करती हूं, तो मुझे अपने शहर के किराने की दुकान पर जाना अच्छा लगता है। वहां का माहौल मुझे भीतर तक शांत कर देता है। येल सेंटर फॉर इमोशनल इंटेलिजेंस के संस्थापक निदेशक मार्क ब्रैकेट कहते हैं कि रोजमर्रा की जिंदगी के उतार-चढ़ाव से निपटने के कई तरीके हैं। उन्होंने भावनाओं के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए एक ढांचा विकसित किया है, जिसे रूलर (आरयूएलईआर) नाम दिया है, यानी पहचानना, समझना, नाम देना, व्यक्त करना व नियंत्रित करना। जब मैंने उनसे इन चरणों को विस्तार से समझाने को कहा, तो उन्होंने सबसे पहले 'पहचान' से शुरुआत की।

डॉ. ब्रैकेट कहते हैं कि हम भावनाओं की एक निरंतर बहती धारा से गुजरते हैं, और कभी-कभी कोई भावना अचानक हमें चौंका देती है। ऐसे में, पहला कदम है-ठहर कर स्वीकार करना कि आप कुछ महत्वपूर्ण महसूस कर रहे हैं, जिसे पहचानना जरूरी है। एनवाईयू स्टीनहार्ट में एप्लाइड साइकोलॉजी के क्लिनिकल असिस्टेंट प्रोफेसर कार्तिक गुनिया के अनुसार, यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि हम भावनाओं को दबाने, उनसे दूर भागने या उन्हें अनदेखा करने की कोशिश करते हैं, तो वे और तीव्र हो जाती हैं। जब आप यह मान लेते हैं कि कोई भावना आपका ध्यान चाहती है, तो ठहरें और उसे समझने की कोशिश करें।

शोध बताते हैं कि अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने से मानसिक तनाव कम होता है। इसलिए, डॉ. ब्रैकेट सलाह देते हैं कि अपनी भावनाओं को पहचानने के लिए अधिक से अधिक वर्णनात्मक शब्दों का इस्तेमाल करने का अभ्यास करें। जब आप अपनी भावनाओं को पहचान और नाम दे लें, तो उन्हें बेहतर ढंग से व्यक्त करने का मार्ग खोजें। डॉ. ब्रैकेट कहते हैं कि आप किसी मित्र से बात कर सकते हैं या अपने पालतू जानवर से भी मन की बात कह सकते हैं। अकेले चिंता करने से बचें, क्योंकि अकेले चिंता में डूबने से भावनाओं से निपटने में मदद नहीं मिलती। संगीत सुनना भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सरल और प्रभावी माध्यम है। आप भावनाओं को डायरी में भी लिख सकते हैं।

सकारात्मक व रचनात्मक दिशा देकर भी आप अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। आप टहलने जा सकते हैं, योग कर सकते हैं, या कुछ समय प्रकृति के बीच बिताकर मन को ताजगी दे सकते हैं। बुनाई, हस्तशिल्प या लकड़ी का काम जैसे काम भी सुकून देते हैं। डॉ. कार्तिक गुनिया कहते हैं कि वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करना तीव्र भावनाओं की पकड़ से बाहर निकलने में मदद करता है। जो लोग अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर पाते हैं, वे अधिक संतुष्ट जीवन जीते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

©The New York Times 2026

अविरतं परकार्यकृतां
सतांमधुरिमातिशयेन
वचोऽमृतम्।
अपि च मानसमम्बुनिधिर्यशो
विमलशारदचन्दिरचन्द्रिका॥

जो सज्जन पुरुष परोपकार में लगे हैं, उनकी वाणी मधुर होने से अमृततुल्य, हृदय सागर के समान उदार व व्यापक तथा उनकी कीर्ति शरद ऋतु की निर्मल पूर्णिमा की चांदनी के समान निष्कलंक व उज्ज्वल होती है।

-प्रास्ताविकविलासः (108)-पंडितराज जगन्नाथवल्लभदेव

प्रस्तुति : शास्त्री कोसलेंद्रदास

जानना जरूरी है
संस्कृति के पन्नों से

आशुतोष गर्ग
लेखक एवं अनुवादक

सौ वर्षों की कठोर तपस्या के बाद वर पाकर पार्वती जी का रूप उज्ज्वल गौरी का हो गया। फिर उन्होंने विंध्याचल में निवास कर 'विंध्यवासिनी' नाम पाया। अंततः उमा गौरी रूप में पुनः शिव की सेवा में लीन हो गईं।

शिव-पत्नी उमा कैसे बनीं गौरी

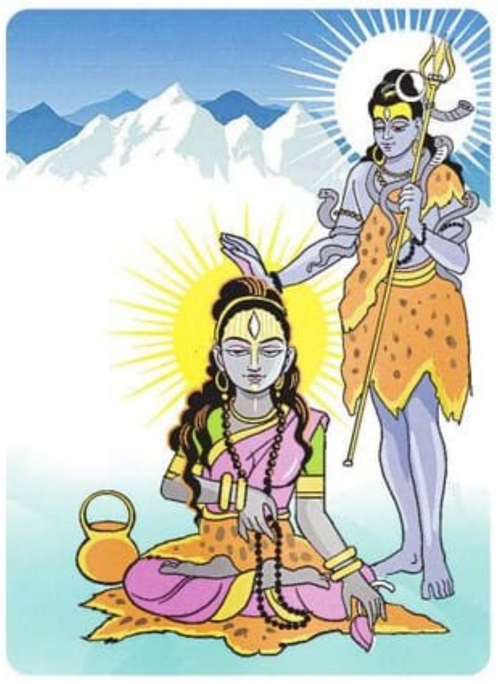

हिमालय और मैना की तीन कन्याएं थीं। उनमें सबसे छोटी पुत्री का नाम काली था। दोनों बड़ी बहनें तपस्या करने गईं, तो काली भी तपस्या के लिए निकलने लगीं। यह देखकर माता मैना ने उन्हें रोकते हुए कहा, 'उ मा', अर्थात 'मत जाओ।' मां के इस वचन के कारण ही काली का नाम आगे चलकर 'उमा' पड़ गया, परंतु उमा ने तपस्या का मार्ग नहीं छोड़ा। वह भोलेनाथ को पति रूप में पाना चाहती थीं।

धूप आने दो

उमा, हिमालय पर घोर तप में लीन हो गईं। ब्रह्मा जी ने उनकी परीक्षा लेने के लिए देवताओं को भेजा, परंतु उमा का तेज असह्य होने के कारण देवमंडल उनके निकट जाने का साहस भी न कर सका। सभी देवता लौटकर ब्रह्मा जी के पास आ गए। तब ब्रह्मा जी ने कहा, 'अब तारकासुर और महिषासुर का अंत निश्चित है।' यह सुनकर देवता निश्चिंत होकर अपने-अपने लोक चले गए। उधर अपनी प्रियतमा सती के वियोग से संतप्त भगवान शंकर भ्रमण करते हुए हिमालय पहुंचे। पर्वतराज हिमालय ने उनका आदर-सत्कार किया और प्रार्थना की कि शिवजी यहीं निवास करें। उन्होंने यह स्वीकार कर लिया और हिमालय में आश्रम बनाकर रहने लगे।

एक दिन गिरिराजकुमारी काली शिवजी के आश्रम पहुंचीं। उन्हें देखते ही भोलेनाथ समझ गए कि सती ने पुनः जन्म लिया है। उमा ने सखियों सहित उनके चरणों में प्रणाम किया। बहुत देर बाद शंकर जी ने नेत्र खोले और कहा, 'यह कौन है?' इतना कहकर वह गणों सहित अंतर्धान हो गए। यह सुनकर उमा का हृदय दुख से भर गया।

● उन्होंने पिता हिमालय से कहा कि वह शंकर जी को पति रूप में पाने के लिए घने वन में जाकर कठोर तपस्या करेंगी। हिमालय ने अनुमति दे दी और उमा वन में चली गईं।

एक दिन एक वटुक के रूप में स्वयं शंकर जी उनकी परीक्षा लेने आए। वटुक ने बताया कि वह वाराणसी से प्रयाग की यात्रा पर निकले हैं। तब पार्वती जी की सखी सौभाग्यवती ने बताया कि उमा शंकर को पति रूप में पाने के लिए तप कर रही हैं।

यह सुनकर वटुक ने शंकर की निंदा की। इससे पार्वती क्रुद्ध हो गईं और सखी से इस निंदक को रोकने को कहा। तभी वटुक मूर्छित हो गया और उसी क्षण शंकर जी अपने वास्तविक रूप में प्रकट हो गए। शंकर जी ने पार्वती जी से कहा, 'तुम्हारे द्वारा पूजित यह युगल रूप 'विश्वेश्वर' नाम से प्रसिद्ध होगा और इसके पूजन से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।' इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर लौट आईं और विधिपूर्वक पुनः तपस्या करती रहीं। कुछ समय बाद शिवजी ने देवशक्तियों को हिमालय के पास भेजा। वे सभी वहां पहुंचे और हिमालय को बताया कि भगवान शंकर उनकी पुत्री काली को अर्धांगिनी बनाने आ रहे हैं। यह सुनकर मां मैना ने कहा कि इसी कन्या से उत्पन्न पुत्र ही दैत्यों का नाश करेगा। शुभ मुहूर्त देखकर महादेव देवों और गणों की बारात लेकर पहुंचे। ढोल-नगाड़ों और वैदिक विधियों के साथ शंकर और पार्वती जी का विवाह संपन्न हुआ। विवाह के बाद शंकर जी मां काली के साथ रमण के लिए कैलास गए। एक अवसर पर शंकर जी ने पार्वती जी को 'काली' कह दिया। इससे माता पार्वती को दुख हुआ। वह गौरी रूप प्राप्त करने के लिए शंकर जी की अनुमति लेकर पुनः हिमालय में तपस्या करने चली गईं। वहां उन्होंने एक पैर पर खड़े होकर सौ वर्षों तक कठोर तप किया। उसी समय एक व्याघ्र उनके सामने आकर बैठ गया, पर पार्वती जी अडिग रहीं। सौ वर्ष पूर्ण होने पर ब्रह्मा जी प्रकट हुए और उन्हें वरदान दिया कि तुम अजेय रहोगी, धर्मपरायण बनोगी और महादेव में तुम्हारी अचल भक्ति होगी।

वर पाकर पार्वती जी ने अपने काले तेजस्वी कोष का परित्याग किया और उनका रूप उज्ज्वल गौरी का हो गया। उस त्यागे गए कोष से कौशिकी देवी प्रकट हुईं, जिन्होंने विंध्याचल में निवास कर 'विंध्यवासिनी' नाम पाया। अंततः उमा गौरी रूप में पुनः कैलास पहुंचकर सदाशिव की सेवा में लीन हो गईं।

अध्ययन कक्ष

ब्लड एंड ट्रेजर: द इकनॉमिक्स ऑफ कन्फ्लिक्ट फ्रॉम वाइकिंग्स टू यूक्रेन

लेखक : डंकन वेल्डन

प्रकाशक : एवेकस

मूल्य : 2,607 रुपये (हार्डकवर)

लहू और पैसे का गणित

हाल ही में प्रकाशित *न्यूयॉर्क टाइम्स* की बेस्टसेलर किताब बताती है कि वाइकिंग्स से लेकर मंगोल लड़ाके और यहां तक कि यूक्रेन युद्ध तक मानव सभ्यता ने आज तक जितने युद्ध या हमले देखे हैं, उनकी वजह अर्थशास्त्र में ही छिपी है।

युद्ध मनुष्य व पैसे, दोनों के लिहाज से महंगे होते हैं, लेकिन ऐसा होने के बावजूद भी कई बार यह आर्थिक बदलाव और तरक्की का एक अहम कारण भी रहा है। इतिहास के लंबे कालखंड में मानवीय संस्थाओं और आर्थिक विकास की प्रक्रिया को युद्ध व हिंसा से ज्यादा और किसी चीज ने नहीं बदला है।

युद्धों ने राज्य बनाए तथा राज्यों ने युद्धों को अंजाम दिया। जैसे-जैसे युद्ध लड़ने का खर्च बढ़ा, वैसे-वैसे सरकारी ढांचे, कर प्रणाली एवं कर्ज के लिए राष्ट्रीय बाजार भी बढ़े। और जैसे-जैसे युद्ध खतरनाक होते गए, सरकारों के लिए इसका सहारा लेने का प्रोत्साहन भी बढ़ा। *ब्लड एंड ट्रेजर* किताब वाइकिंग युग से लेकर यूक्रेन युद्ध तक युद्ध-इतिहास और अर्थव्यवस्था की पड़ताल करती है और पाती है कि समय के साथ प्रलोभन व संस्थान कैसे बदले हैं। यह बताती है कि युद्ध ने यूरोप को दुनिया भर में कैसे मशहूर किया और बीसवीं सदी के कुल युद्धों के लिए किस तरह से एक नई रणनीति की जरूरत थी, जिसमें अर्थव्यवस्था को गंभीरता से लिया गया।

यह किताब सवाल करती है कि क्या चंगेज खान को वैश्वीकरण का जनक माना जाना चाहिए? यह बताती है कि नई दुनिया के सोने व चांदी ने स्पेन को कैसे गरीब रखा। यह पुस्तक इस पर भी विचार करती है कि कुछ अर्थशास्त्री विच ट्रायल (बड़े पैमाने पर जुल्म और कानूनी कार्रवाई) को 'गैर-मूल्य प्रतिस्पर्धा' का एक रूप क्यों मानते हैं, यह बताती है कि कैसे समुद्री लुटेरे कैप्टन असरदार एचआर तकनीक के अग्रणी थे। यह सवाल भी पूछती है कि क्या मेडल बांटने से दूसरे विश्वयुद्ध में वायु सेना को नुकसान हुआ और यह पड़ताल करती है कि क्या आर्थिक सिद्धांतों ने वियतनाम में त्रासदी पैदा करने में मदद की। साथ ही, यह सवाल भी पूछती है कि कुछ पुराने जमाने के राजा अपने सैनिकों को घटिया हथियार क्यों देते थे, और क्या संरक्षण और भाईचारे की संस्कृति ने रॉयल नेवी को महान बनने में मदद की। किताब बताती है कि 19वीं सदी के आखिर तक लड़ाकों की खुशहाली पर लड़ाई का असर स्पष्ट नहीं था और उनके वित्तपोषण की जरूरत ने अक्सर तानाशाही से लोकतंत्र में बदलाव को बढ़ावा दिया। लेकिन 1914-18 और 1939-45 के 'टोटल वॉर्स' ने, जिसमें राष्ट्रीय ढांचों को पूरी तरह से खत्म करने पर जोर दिया गया था, युद्ध की आर्थिक व भयावह मानवीय कीमत के बारे में शक दूर कर दिया।

इस पठनीय पुस्तक में एरिक ब्लडैक्स और उसके वाइकिंग रिश्तेदारों के हमलों से लेकर ब्रिटेन में पोस्ट-रोमन व्यवस्था को उलटने तक के उथल-पुथल भरे हालातों का जिक्र है। इसमें चंगेज खान की यूरेशिया पर बड़ी जीत से लेकर अमेरिका में स्पेन के साम्राज्य बनाने और यूक्रेन युद्ध के साथ भारत में ब्रिटिश के खिलाफ बगावत की अर्थव्यवस्था तक, लगभग एक दर्जन सैन्य अभियानों का भी जिक्र है। यह पुस्तक इस पर ध्यान केंद्रित करती है कि वक्त के साथ युद्धों की अर्थव्यवस्था कैसे और क्यों बदली? अर्थव्यवस्था युद्ध को समझने में मदद कर सकती है और युद्ध के इतिहास को समझने से आधुनिक अर्थव्यवस्था को समझने में मदद मिल सकती है। इसमें बताया गया है कि अर्थव्यवस्था का पीछा करना संघर्ष की जड़ों को समझने का सबसे अच्छा तरीका है।

माह-ए-रमजान 11

जब कहा जाता है जमीन में फसाद न करो, तो कहते हैं हम सुलाह करने वाले हैं, हकीकत में यही फसाद करनेवाले हैं. एहसास तक नहीं. (2:11-12)

इस्लाम और शांति का पैगाम

डॉ शाहिद अख्तर

आज मध्य एशिया के खूनी संघर्ष से दुनिया युद्ध की विभीषिका से कांप उठी है. बेगुनाह नागरिकों का खून बहेगा वही मानवता फिर कराह उठेगी. दुनिया के सभी बड़े धर्म इस्लाम, स्नातन, ईसाइयत, जैन और बौद्ध धर्म ने शांति को मानवता की सबसे बुनियादी जरूरत बताया है. इस्लाम शब्द की उत्पत्ति ही सलाम अर्थात 'शांति' से हुई है. इस्लाम का मूल संदेश यह है कि एक भी बेगुनाह इंसान को हानि नहीं पहुंचे. कुरआन के सूरह अल-माइदा में स्पष्ट निर्देश है- 'जिसने एक निर्दोष मनुष्य को मारा, उसने मानो सारी मानवता को मार डाला.' (5:32) यह आयत स्पष्ट करती है कि इस्लाम में एक भी निर्दोष का खून बहाना समस्त मानवता की हत्या के समान पाप है. चेतावनी दी गयी-जमीन में फसाद बरपा करनेवाले लोग नुकसान उठाने वाले हैं. (2:27). युद्ध के स्थान पर शांति और समझौते को पसंद किया गया. बकौल कुरआन और यदि वे शांति की ओर झुकें, तो तुम भी उसकी ओर झुको. (8: 61) यह आयत बताती है कि यदि विरोधी पक्ष शांति चाहे, तो अनिवार्य रूप से शांति स्वीकार करें. पैगंबर मुहम्मद (स) ने फरमायाः 'मोमिन वह है जिससे लोगों की जानें और माल सुरक्षित रहें.' (तिर्मिजी) एक अन्य हदीस में युद्ध को 'अत्यंत अंतिम विकल्प' बताते हुए फरमाया गया-दुश्मन से मिलने की तमन्ना मत करो. (बुखारी) मीसाक-ए-मदीना में सभी धर्मों और आस्था के अस्तित्व को स्वीकारा गया. इस्लाम का वास्तविक संदेश न्याय, करुणा और वैश्विक शांति है.

(लेखक नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटी एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं)

इस्लाम का संतुलित समाज मॉडल

डॉ नैयर मुमताज

इस्लाम एक ऐसे समाज की परिकल्पना प्रस्तुत करता है, जो संतुलन, न्याय और करुणा पर आधारित हो. इसका लक्ष्य केवल व्यक्तिगत इबादत या आध्यात्मिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन में भी संतुलन स्थापित करना है. कुरआन में अनेक स्थानों पर न्याय, भलाई और पारस्परिक सहयोग का आदेश दिया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि इस्लाम सामूहिक कल्याण को अत्यधिक महत्व देता है.इस्लाम के अनुसार सभी मनुष्य मूल रूप से समान हैं. किसी व्यक्ति की श्रेष्ठता उसके धन, वंश या पद से नहीं, बल्कि उसके सदाचार और तक़वा से निर्धारित होती है. यह सिद्धांत समाज में समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है. सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए इस्लाम ने आर्थिक व्यवस्था में भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं. जकात की व्यवस्था के माध्यम से धनवानों को अपने माल का एक निश्चित हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए देना अनिवार्य किया गया है. इस्लाम ने सूद, धोखाधड़ी, नाप-तौल में कमी और अन्यायपूर्ण लेन-देन को प्रतिबंधित किया है, क्योंकि ये तत्व समाज में शोषण और असंतुलन को जन्म देते हैं. ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को आर्थिक और सामाजिक व्यवहार का आधार बनाया गया है. मुहम्मद (स) के जीवन में संतुलित समाज का व्यावहारिक उदाहरण मिलता है. उन्होंने मदीना में विभिन्न समुदायों के बीच न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की व्यवस्था स्थापित की, जिसमें सभी को समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान की गयी. इस प्रकार, इस्लाम संतुलित समाज को केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन की आवश्यकता मानता है. नैतिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, आर्थिक संतुलन और मानवीय सम्मान के आधार पर निर्मित यह व्यवस्था मानवता के समग्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है.

(लेखक सीआइटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

चालीसा का पुण्यकाल : 12

रूपांतरण, बदलने की पुकार

फादर प्रफुल बड़ा,
संत अलबर्ट्स कॉलेज

रूपांतरण का अर्थ है भीतर से बदल जाना. पर्वत पर प्रभु यीशु के रूपांतरण का प्रसंग हमें याद दिलाता है कि ईश्वर मनुष्य को उसी अवस्था में छोड़ना नहीं चाहता, बल्कि उसे महिमा की ओर ले जाना चाहता है. रूपांतरण केवल बाहरी चमक नहीं, बल्कि हृदय का परिवर्तन है. ईश्वर की योजना है कि हम बदलें अपने विचारों में, अपने व्यवहार में, अपने दृष्टिकोण में. जब हमारे भीतर स्वार्थ, क्रोध, ईर्ष्या और उदासीनता रहती है, तब समाज भी वैसा ही बनता है. लेकिन जब हृदय में प्रेम, करुणा, क्षमा और सेवा की भावना जागती है, तब समाज भी रूपांतरित होने लगता है. हम अक्सर समाज को बदलने की बात करते हैं, परंतु सच्चा परिवर्तन स्वयं से शुरू होता है. यदि मैं बदलूंगा, तो मेरा परिवार बदलेगा, परिवार बदलेगा तो समुदाय बदलेगा, और समुदाय बदलेगा तो समाज बदलेगा. यही रूपांतरण की प्रक्रिया है. ईश्वर हमें प्रतिदिन अपने प्रकाश में बुलाता है. प्रार्थना, वचन-चिंतन और सेवा के द्वारा वह हमें नया बनाना चाहता है. जैसे पर्वत पर शिष्यों ने प्रभु की महिमा देखी, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में ईश्वर की महिमा प्रकट करनी है. आइए, हम पहले स्वयं को बदलें- अपनी सोच को, अपने व्यवहार को. तब हम दूसरों के लिए भी परिवर्तन का साधन बनेंगे. ईश्वर हमें रूपांतरित करना चाहता है, हमें केवल अपने हृदय को उसके लिए खोलना है. यही सच्चा रूपांतरण है, यही हमारी बुलाहट है.

अबीर-गुलाल के रंग में रंगी राजधानी होली मिलन समारोह में दिखा उत्साह

रंगों के उल्लास और आपसी भाईचारे का संदेश लेकर राजधानी रांची में रविवार को होली मिलन समारोह की धूम रही. शहर के विभिन्न इलाकों में सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और क्लबों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित कर होली की खुशियां साझा कीं. इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई दी और सौहार्द, प्रेम और एकता का संदेश दिया. पारंपरिक गीत-संगीत और रंगों की मस्ती ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया.

चुटिया में होलिका दहन आज

रांची. फग डोल जतरा मेला समिति की ओर से रविवार को होलिक दहन किया जायेगा. होलिका रात्रि 10:25 बजे होगा. इसके पूर्व राम पाहन दवारा फगुआ काटा जायेगा. महंत गोकुल दास व नगर पुरोहित शशिभूषण पांडेय द्वारा आरती की जायेगी. कार्यक्रम की तैयारी में समिति के अध्यक्ष विजय तिर्की, मुख्य संरक्षक विजय कुमार साहू, कृपा शंकर महतो, बैजनाथ केसरी, राणा नायक, आशीष कुमार,आयुष साहू, अनीश साहू, राहुल साहू, गोलू साहू जुटे हैं.

मंदिर में होली मिलन आज

रांची. श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार की दोपहर दो बजे से फाल्गुन सतरंगी होली मिलन समारोह किया जायेगा. वृंदावन की तर्ज पर आयोजित होली मिलन समारोह में कोलकाता से पधारे कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका व फूलों की होली मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा. प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा संगीतमय भजन संध्या, श्री राधारानी का वृंदावन से मंगाये गये पोशाक व आकर्षक जड़ित आभूषणों से श्रृंगार व महाभोग प्रसाद का आयोजन किया गया.

आइसीएआइ की रांची शाखा में होली मिलन

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की रांची शाखा के सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर दी होली की बधाई.

रांची. द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की रांची शाखा ने होली मिलन समारोह सह हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया. उद्घाटन मुख्य अतिथि डायरेक्टर जनरल (हेडक्वार्टर) प्रशांत कुमार ने किया. हास्य कवि हिमांशु बवंडर (उज्जैन), मुन्ना बैटरी (मंदसौर), शशि श्रेया (लखनऊ) एवं चेतन चर्चित (दिल्ली) ने समा बांध दिया. इस अवसर पर सीए अनीश जैन, सीए विवेक खोवाल, सीए हरेंद्र भारती, सीए भुवनेश ठाकुर, सीए अभिषेक केडिया, सीए शुभम मोदी और सीए दिलीप कुमार आदि उपस्थित थे.

अधिवक्ता लिपिक संघ का होली मिलन समारोह

रांची. अधिवक्ता लिपिक संघ झारखंड हाइकोर्ट की ओर से हाइकोर्ट परिसर में होली मिलन समारोह मनाया गया. हाइकोर्ट के न्यायाधीश शामिल हुए. एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया. अधिवक्ता लिपिकों ने न्यायाधीशों से आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर चीफ जस्टिस एमएस सोनक, जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस आनंद सेन, जस्टिस राजेश शंकर, जस्टिस अनिल कुमार चौधरी, जस्टिस अनुभा रावत चौधरी, जस्टिस दीपक रोशन, जस्टिस प्रदीप श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार जनरल सत्य प्रकाश सिन्हा, पूर्व महाधिवक्ता आरएस मजूमदार, वरीय अधिवक्ता एके कश्यप, अधिवक्ता हेमंत सिकरवार, आरएन द्विवेदी, जयशंकर, शिव शंकर प्रसाद, मथुरा प्रसाद, विनय कुमार, बिपिन कुमार, बबलू, दिनेश आदि उपस्थित थे.

होली मिलन समारोह में उड़े अबीर-गुलाल

रांची. श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब परिसर में होली मिलन समारोह राजीव रंजन मिश्रा की अध्यक्षता में हुआ. सभी ने इस वर्ष भी धूमधाम से रामनवमी महोत्सव मनाने का निर्णय लिया. मौके पर सागर वर्मा, राज किशोर, सुभाष साहू, कैलाश केसरी, राजा सेन गुप्ता, रविंद्र वर्मा, राकेश सिंह, राहुल सिन्हा चंकी, बिंदुल वर्मा, गोपाल पारीक, लंकेश सिंह, संजय सहाय, उपेंद्र रजक आदि उपस्थित थे.

आइएचएम में नारी शक्ति उत्सव व होली मिलन

रांची. होटल प्रबंधन संस्थान (आइएचएम रांची) में महिलाओं की शक्ति, संघर्ष, नेतृत्व क्षमता और समाज में उनकी बहुआयामी भूमिकाओं को विशेष रूप से रेखांकित करने के उद्देश्य से नारी शक्ति उत्सव व होली मिलन समारोह किया गया. पद्मश्री चामी मुर्मू विशेष रूप से उपस्थित थीं. कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम वर्ष की छात्रा सौम्या द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण दुर्गा वंदना नृत्य से हुई. प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार ने कहा कि सशक्त महिला ही प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला है. कार्यक्रम में कई महिला हस्तियों को सम्मानित किया गया.

युवा संसद 2026 का केंद्र बना आरकेडीएफ विवि

रांची. आरकेडीएफ विवि, रांची ने डिपार्टमेंट ऑफ यूथ अफेयर्स, मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार के साथ करार किया. इस समझौते के तहत विवि को रांची जिले में विकसित भारत युवा संसद 2026 के आयोजन केंद्र के रूप में मान्यता मिल गयी. कार्यक्रम 10 मार्च को होगा, जिसमें जिले के सभी सरकारी व निजी शिक्षण संस्थान भाग लेंगे. कुलपति प्रो एस चटर्जी ने इसे परिवर्तनकारी कदम बताया. कुलसचिव डॉ अमित कुमार पांडे ने इसे नेतृत्व व नागरिक सहभागिता का मंच कहा. इच्छुक प्रतिभागी 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं.

निर्मला कॉन्वेंट के विद्यार्थियों का बेहतर प्रदर्शन

रांची. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शनिवार को साइंस सेंटर, मोरहाबादी में विविध प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में निर्मला कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. मुख्य अतिथि डॉ राज शेखर प्रसाद ने कार्यक्रम का उदघाटन किया. सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता में छात्रा अवंतिका कुमारी ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया. क्विज प्रतियोगिता में स्वीटी कुमारी, आकृति वर्मा, अदिति कुमारी, विशाखा कुमारी, सुहानी सरवैया, पंकज कुमार, साक्षी पांडेय, आर्यन कुमार, सुजल कुमार व आयुष कुमार राणा तार्किक क्षमता का प्रदर्शन किया. प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की.

बेथेसदा बीएड कॉलेज में एडू फेस्ट, विजेता पुरस्कृत

रांची. बेथेसदा बीएड कॉलेज में दो दिवसीय एडू फेस्ट शनिवार को संपन्न हो गया. कार्यक्रम में रांची विवि के डीएसडब्ल्यू डॉ एसके साहू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. डॉ साहू ने शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम व विद्यार्थियों की सर्वांगीण विकास की महत्ता पर प्रकाश डाला. अंतिम दिन रैंप वॉक, साइंस एक्सपेरीमेंट चैलेंज के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ. मौके पर प्रोफेसर इंचार्ज डॉ दीपशिखा बाखला व बीएड-एमएड की छात्राएं मौजूद थीं.

आइटीसी सनराइज मसाला ने पर्व की दी शुभकामनाएं

रांची. रामगढ़ जिले के आइटीसी सनराइज मसाला ने प्यार और एकता के उत्सव पर अपने चाहने वालों को शुभकामनाएं प्रेषित किया है. अपने खाओ खिलाओ हिट हो जाओ स्लोगन के साथ आइटीसी सनराइज मसाला के साथ आने वाले त्योहारों को सेलिब्रेट करने की अपील की. मार्केटिंग हेड शशि रंजन सिंह ने राज्य के लोगों को त्योहार शांति व सद्भाव से मनाने की अपील की. सनराइज की ओर से कहा गया कि रंगों का यह त्योहार आपके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आये.

होराइजन होंडा में नयी बाइक साइन 125 लांच

रांची. होराइजन होंडा में नयी मोटरसाइकिल साइन 125 लिमिटेड एडिशन को लांच किया गया. नयी मोटरसाइकिल अब होराइजन होंडा के सभी ब्रांच मेन रोड, कोकर और तुपुदाना में बिक्री के लिए उपलब्ध है. मैनेजर दीपक कुमार ने बताया कि यह नया मॉडल युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. मोटरसाइकिल में न्यू स्टाइलिश शाइन ग्राफिक्स, एलॉय व्हील्स इसके साथ एयरो टाइप फ्यूल कैप, स्टाइलिश फ्रंट क्रोम वाइजर और आकर्षक क्रोम कवर बाइक की खूबसूरती को और ज्यादा आकर्षक हैं.

प्रेस क्लब के वसंत मेले में लगा रक्तदान शिविर

रांची. रांची प्रेस क्लब की महिला पत्रकारों की संस्था 'वीमेंस वेलफेयर कमेटी' की ओर से आयोजित दो दिवसीय वसंत मेले का समापन शनिवार को हो गया. अंतिम दिन लोगों ने जमकर खरीदारी की. इस अवसर पर ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकार परिवारों के सदस्यों ने रक्तदान किया. मेले में डिजाइनर कपड़े, कॉस्मेटिक्स, गहने, होम डेकोर और विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाये गये थे. लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ व्यंजनों का भी आनंद लिया. शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया.

नागपुरी व हिंदी गानों पर झूमे लोग

प्रभात खबर और सनराइज मसाले की ओर से आयोजित सनराइज सुपरहिट शाम आप सब के नाम इवेंट में शामिल प्रतिभागी बच्चे और महिलाएं.

रांची. प्रभात खबर और सनराइज मसाले की ओर से आयोजित सनराइज सुपरहिट शाम आप सब के नाम इवेंट का आयोजन शनिवार को मिलन चौक, हेसल में किया गया. कार्यक्रम में परिवार के हर सदस्य के लिए मनोरंजन और मस्ती का पूरा इंतजाम किया गया था. पूरे परिवार ने एक साथ कार्यक्रम का आनंद लिया. बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता की गयी, जिसका विषय सनराइज लोगो था. वहीं, पासिंग द बॉल, बैलून फोड़ो जैसे मजेदार खेलों का भी आयोजन किया गया था. बच्चों ने खूब आनंद उठाया. वहीं, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सनराइज स्पेशल गेम्स रहा. इसमें सबने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम में महिलाओं ने खूब मस्ती की. कार्यक्रम में इमरान की गीतों ने चार चांद लगा दिया. कार्यक्रम के अंत में विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार दिये गये. इस कार्यक्रम का मुख्य प्रायोजक सनराइज मसाला है.

सनराइज सुपरहिट शाम आप सब के नाम इवेंट के विजेता

डांस एंड फ्रीज : इशानी महतो
पासिंग द बॉल : पूष्पा कुमारी, शीला कुमारी, अनिता कुमारी
क्वाइन बैलेंसिंग : दीपिका कुमारी
ब्लून फोड़ो : शीला कुमारी
सनराइज बैट बॉल बैलेंसिंग : अनुप्रिया
सनराइज ड्राइंग कंपीटिशन : खुशबू
डांस कंपीटिशन : प्रफुल्ल महतो, महक कुमारी
म्यूजिकल चेयर : सीता कुमारी
पीक द मसाला : प्रतिभा मेहता

श्री साईं दरबार स्टोर में लगन व फेस्टिव कलेक्शन

रांची. श्री साईं दरबार थोक वस्त्र प्रतिष्ठान में लगन और फेस्टिव के लेटेस्ट कलेक्शन को पेश किया गया. कचहरी रोड स्थित पंचवटी प्लाजा के सेकेंड फ्लोर पर वेडिंग्स कलेक्सन्स जिसमें लहंगा, शेरवानी, रेडीमेड शूट्स, साड़ियों की लेटेस्ट रेंज जिसमें हैंडवर्क, डिजाइनर, पार्टी वियर सहित हर तरह के कपड़ों को डिस्प्ले किया गया है. स्टोर में होली, रमजान और लगन की होलसेल प्राईस पर लेटेस्ट फैशन किफायती दामों पर उपलब्ध है.

जीतो महिला विंग की कार रैली आठ मार्च को

रांची. जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन रांची चैप्टर द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला दिवस कार रैली का आयोजन होगा. जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन सरोज जैन व चीफ सेक्रेटरी एकता बरजात्या ने बताया कि आठ मार्च को देशभर में एक साथ कार रैली का आयोजन किया जायेगा. मुख्य उद्देश्य समाज में थैलेसीमिया व कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना व महिला सशक्तीकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है. रांची में रैली का मार्ग मोरहाबादी ग्राउंड से प्रेमसंस मोटर तक निर्धारित किया गया है.

आपके नेतृत्व में सेवा का भाव होना चाहिए : आर्चबिशप

रांची. रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के अंतर्गत बनहोरा स्थित संत फ्रांसिस कैथोलिक चर्च में शनिवार को पल्ली पुरोहित फादर जॉन होरो ने पद संभाला. नये पल्ली पुरोहित के पद ग्रहण की धर्मविधि आर्चबिशप विसेंट आईंद ने संपन्न करायी. संत फ्रांसिस कैथोलिक गिरजा बनहोरा पल्ली को टीओआर धर्मसंघ संचालित करता है. धर्मविधि के आरंभ में सभी विश्वासी गिरजाघर के मुख्य द्वार पर जमा हुए. आर्चबिशप ने नव नियुक्त पल्ली पुरोहित फादर जॉन होरो को प्रतीकात्मक रूप से गिरजाघर की कुंजी देकर पल्ली का कार्यभार सौंपा. आर्चबिशप ने कहा कि 'हमें अपने कर्तव्य का पालन बिना कुछ पाने की आशा से करना चाहिए. हम सभी में खासकर एक पल्ली पुरोहित में सेवा का भाव जरूरी है.

युगों-युगों तक तू ही राजा जैसे गीतों पर झूमे लोग

रांची. गुड न्यूज सेंटर, कोकर में शनिवार को वर्शिप रूम सीजन-2 का आयोजन हुआ. मुख्य अतिथि मुंबई से आये मसीही आराधक जोसेफ राज आलम थे. कई विषयों पर व्याख्यान दिया. इंपैक्ट बैंड द्वारा संगीत प्रस्तुति दी गयी. लोग युगों से युगों तक तू ही राजा...जैसे मसीही गीतों पर झूमते रहे. कार्यक्रम में गुड न्यूज सेंटर के निदेशक डॉ राकेश पॉल, लेनी पॉल, पास्टर पवन चौधरी, रौनक दास, पास्टर युसुफ दास, पास्टर राकेश कंडुलना आदि मौजूद थे.

पांच साल का फरहान रख रहा रोजा

रांची. पांच साल का फरहान रोजा रख रहा है. पिता शाहबुद्दीन ने बताया कि बड़ों की तरह वह भी बड़े चाव से इसे रख रहा है. रोजा रखकर वह काफी खुश है.

ST. NORBERT ENG. MED. SCHOOL, HANSA
Murhu, Khunti (JH) - 835216 (CBSE Pattern)
RECRUITMENT OF TEACHING STAFF
1. **Biology : Qualification Required**: B.Sc / M.Sc and B.Ed in given subject
2. **Pre Primary : Qualification Required** : Montessori Training/ PPTT
3. **Primary Teacher : Qualification Required** : T.T.C or D.El.Ed
4. **Sanskrit : Qualification Required** : B.A/M.A and B. Ed in given subject
(SPOKEN ENGLISH IS COMPULSORY)
ST. NORBERT HIGH SCHOOL
1. **Primary Teacher : Qualification Required** : T.T.C or D.El.Ed (Should be well versed in communication)
Contact No.: 9939566476, 9334891292
Last Date for Submitting Resume : 09.03.2026 Sd/- Principal

क्विक बाइट्स

सीएम से मिले युवा शतरंज खिलाड़ी अधिराज

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप-2025 में (अंडर-14) स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अधिराज मित्रा ने मुलाकात की. जमशेदपुर के अधिराज मित्रा ने सात से 16 नवंबर 2025 तक मलेशिया में हुए राष्ट्रमंडल शतरंज प्रतिस्पर्धा के अनुभव साझा किये. मुख्यमंत्री ने अधिराज को बधाई देते हुए कहा कि हमारे राज्य के खिलाड़ियों में खेल के प्रति जज्बा और प्रतिभा सराहनीय रहा है. मौके पर अधिराज की मां, पिता व कोच भी मौजूद थे.

जनार्दन के पुत्र के विवाह समारोह में पहुंचे सीएम

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को विधायक जनार्दन पासवान के सुपुत्र कुमार विवेक रंजन के विवाह समारोह में शामिल होने चतरा पहुंचे. उन्होंने नव दंपती को सुखद एवं खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर जनार्दन पासवान व उनके पारिवारिक सदस्य एवं सगे-संबंधी मौजूद थे.

एयरपोर्ट पर चिराग पासवान का स्वागत, चतरा गये

रांची. लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान शनिवार को रांची पहुंचे. एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा चुनाव में एनडीए बिहार से पांचों सीट जीतेगा. स्वागत करनेवालों में प्रदेश अध्यक्ष बिरेंद्र प्रधान समेत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे. इसके बाद चिराग निजी कार्यक्रम में शामिल होने चतरा चले गये.

एससी-एसटी काउंसिल की बैठक, कई मुद्दों पर चर्चा

रांची. कोल इंडिया मुख्यालय में ऑल इंडिया एससी/एसटी काउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई. इसमें कर्मचारियों के कल्याण, सेवा शर्तों, पदोन्नति, आरक्षण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यस्थल पर समान अवसर सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक के दौरान काउंसिल के प्रतिनिधियों ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों और सुझावों को विस्तार से रखा. प्रबंधन ने पुनः स्पष्ट किया कि कोल इंडिया सामाजिक न्याय, समान अवसर और समावेशी कार्य वातावरण को लेकर प्रतिबद्ध है.

सुदेश पहुंचे जिलिंगगोड़ा, वीर सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची. आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पैतृक ग्राम जिलिंगगोड़ा (पूर्वी सिंहभूम) पहुंचे. उन्होंने चंपाई सोरेन के पोते वीर सोरेन के निधन पर शोक जताया और श्रद्धांजलि दी. मौके पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, आजसू के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह आदि थे.

शिक्षकों के शिशु पंजी सर्वे का अधिकारी करेंगे सत्यापन

रांची. राज्य के स्कूली बच्चों के शिशु पंजी सर्वे का 95 फीसदी कार्य पूरा हो गया है. शिक्षकों ने विद्यालय के पोषक क्षेत्र में घर-घर जाकर बच्चों के सर्वे का काम किया है. शिक्षकों द्वारा किये गये सर्वे कार्य की जांच की जायेगी. इस संबंध में झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा जिलों को पत्र भेजा गया है. पत्र में कहा गया कि जिला स्तर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक प्रखंड स्तर पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीआरपी व सीआरपी शिशु पंजी सर्वे कार्य का सत्यापन करेंगे. सत्यापन की प्रक्रिया 20 मार्च तक करने को कहा गया है. जिला व प्रखंड स्तर पर सत्यापन में आंकड़ा गलत पाये जाने पर संबंधित विद्यालय के शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी. वैसे शिक्षक जिनका डाटा सत्यापन के दौरान गलत पाया जायेगा, उन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने व डाटा सही नहीं होने की स्थिति में विद्यालय के प्रधानाध्यापक व शिक्षक के फरवरी का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया है.

तिकड़म के बाद भी सत्ताधारी गठबंधन की हुई हार

रांची. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह सांसद आदित्य साहू ने कहा कि राज्य सरकार के तिकड़म, षड्यंत्र व सत्ता के दुरुपयोग के बाद भी निकाय चुनाव में सत्ताधारी

गठबंधन की हार हुई है. बड़ी संख्या में वार्ड से लेकर नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत हुई है. प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री साहू ने कहा कि भाजपा ने चुनाव की घोषणा के साथ ही कहा था कि पार्टी चाहती है कि राष्ट्रवादी सोच और सेवाभावी कार्यकर्ता निकाय चुनाव में जीत कर आयें. चुनाव परिणामों से स्पष्ट हुआ है कि जनता का झुकाव भाजपा की सोच और विचारों के अनुकूल है. उन्होंने कहा कि इवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय खुल्लम-खुल्ला मतदान को प्रभावित करने की कोशिश थी, जो पूरी तरह सच साबित हुआ. चक्रधरपुर ,चाईबासा, चास व देवघर में भाजपा समर्थित जीते हुए उम्मीदवारों को प्रशासन के सहयोग से हराया गया है.

भाजपा को न जीत में संतोष है और न ही हार में

रांची. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मर्यादा के विरुद्ध बताया.

तंज करते हुए श्री दुबे ने कहा कि भाजपा के लिए वे नागरिक जो उन्हें वोट देते हैं, राष्ट्रीय सोच वाले हैं और जो समर्थन नहीं देते, उन्हें राष्ट्रद्रोही की नजर से देखा जाता है. भाजपा को न जीत में संतोष है और न ही हार में. हारने पर वे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आरोप मढ़ने लगते हैं. किसी भी दल को यह अधिकार नहीं है कि वह अपने राजनीतिक लाभ के लिए जनता को देशभक्ति और राष्ट्रद्रोह के तराजू पर तौले. जनादेश को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करना ही सच्चे लोकतांत्रिक संस्कार की पहचान है. इधर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा एयर एंबुलेंस सेवा पर दिये गये बयानों को तथ्यहीन और भ्रामक करार दिया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जिस योजना के जरिये दिल्ली और मुंबई के बड़े अस्पतालों तक गरीबों की पहुंच बनायी है, उसे घोटाला कहना भाजपा की जनविरोधी मानसिकता को दर्शाता है.

माकपा ने ईरान पर हमले की निंदा की

रांची. माकपा के पोलित ब्यूरो ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा किये गये हमलों की निंदा की है. ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन किया गया. राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि ईरान पर यह हमला भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद हुआ है. भारत सरकार को अपने मित्र देश ईरान पर हुए इन हमलों की स्पष्ट और बिना किसी शर्त के निंदा करनी चाहिए. अमेरिका और इजराइल ने ये हमले ईरान के साथ जारी वार्ताओं की अनदेखी करते हुए किये हैं.

छात्रवृत्ति राशि के उपयोग में लापरवाही : चंद्रप्रकाश

रांची. गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए आवंटित केंद्रीय छात्रवृत्ति की राशि के उपयोग में लापरवाही व अनियमितता की जा रही है. राज्य सरकार इसके लिए जिम्मेवार है. श्री चौधरी ने कहा कि यह आरोप केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम के उस आधिकारिक उत्तर पर आधारित है, जो सांसद द्वारा नियम 377 के तहत उठाये गये प्रश्न के जवाब में दिया गया है. इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार ने झारखंड के एससी/एसटी छात्रों के लिए राशि जारी की है. सांसद ने जारी राशि व खर्च नहीं होने का ब्योरा दिया है. साथ ही कहा है कि प्री मैट्रिक/पोस्ट मैट्रिक एसटी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के 83 करोड़ रुपये बेकार पड़े हैं. यह प्रशासनिक और वित्तीय चूक है. सांसद ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है.

प्रभात खबर की ऑनलाइन लीगल काउंसेलिंग | **अधिवक्ता राजीव शर्मा ने दी कानूनी सलाह**

वंशावली बनाने का अधिकार सीओ को नहीं, सिविल कोर्ट को है

रांची. भूमि के मामले में आये दिन अंचलाधिकारी (सीओ) वंशावली निर्गत कर देते हैं. यह कानून की नजर में गलत है. वंशावली बनाने का अधिकार अंचलाधिकारी को नहीं है. इसके लिए सक्षम फोरम सिविल कोर्ट है. अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत वंशावली दिखा कर टाइटल बताया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत है. इसका उपयोग धड़ल्ले से भूमि अधिग्रहण का मुआवजा लेने में किया जा रहा है, जो सही नहीं है. डीएलओ कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी विधि सम्मत काम करें, तो रैयतों के समक्ष कम समस्या आयेगी. उक्त बातें झारखंड हाइकोर्ट के वरीय अधिवक्ता राजीव शर्मा ने कही. वह शनिवार को प्रभात खबर की ऑनलाइन लीगल काउंसेलिंग में लोगों के सवालों पर कानूनी सलाह दे रहे थे.

बसिया के दिवाकर यादव का सवाल : संत जोसेफ हाइस्कूल कोनवीर नवाटोली में वर्ष 2011 में मेरी नियुक्ति संस्कृत शिक्षक के पद पर हुई थी. जनवरी 2026 में माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने मेरा वेतन यह कहते हुए रोक दिया कि आप स्नातकोत्तर डिग्रीधारी नहीं हैं. जब मेरी नियुक्ति हुई थी, तो स्नातक की डिग्री मांगी गयी थी.

अधिवक्ता की सलाह : आप अपनी संस्था द्वारा तथा अपने स्तर से भी सारी बातों का जिक्र करते हुए वेतन भुगतान पर लगायी गयी रोक को हटाने का आग्रह करें. समाधान नहीं होने पर शिक्षा सचिव को आवेदन दें. फिर भी वेतन निर्गत नहीं होता है, तो हाइकोर्ट में रिट याचिका दायर कर सकते हैं.

रामगढ़ के नेपाल चंद्र डे का सवाल : मेरे वाहन का उपयोग सरायकेला एरिया में प्रशासन ने लोकसभा व विधानसभा चुनाव के दौरान किया था. लोकसभा चुनाव का पैसा मिल गया है, लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में वाहन का उपयोग करने का पैसा अब तक नहीं मिल पाया है.

अधिवक्ता की सलाह : आप संबंधित प्रशासन को पुनः लिखित आवेदन दें, जिसमें पूर्व के पत्राचार का भी जिक्र करें. उसके बाद भारत निर्वाचन आयोग को भी लिखें. भुगतान नहीं होता है, तो आप हाइकोर्ट में रिट याचिका दायर कर न्याय मांग सकते हैं.

पंडरा के आरपी सिंह का सवाल : 16 दिसंबर 2025 को उनके बैंक खाते को होल्ड कर दिया गया है. बताया गया कि साइबर क्राइम के मामले में ऐसा हुआ है. बैंक ने कोई लिखित सूचना नहीं दी है. एक मैसेज आया है. बैंक से संपर्क किया, तो उसका मौखिक कहना है कि आप साइबर सेल में जायें.

अधिवक्ता की सलाह : आप बैंक को लिखित में आवेदन दें. आरबीआइ को भी लिखें तथा भारत सरकार द्वारा हाल ही में साइबर ठगी के शिकार लोगों की राहत के लिए जारी एसओपी के प्रावधान के मुताबिक कार्रवाई करें.

चौपारण के सरदार चरणजीत सिंह का सवाल : 1995 में 12 डिसमिल जमीन खरीदी. वहां घर बना कर रह रहे हैं. वर्ष 2004 में दूसरे व्यक्ति ने हुकूमनामा से फर्जी तरीके से पूरी जमीन खरीद ली है.

अधिवक्ता की सलाह : अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) के पास आवेदन दें. समाधान नहीं होने की स्थिति में हाइकोर्ट भी जा सकते हैं.

रांची के ज्ञान दत्त साहू का सवाल : मनातू में उनकी जमीन है. कुछ फर्जी लोग गलत तरीके से वंशावली बना उनकी जमीन का मुआवजा लेना चाहते हैं. डीएलओ ने मामले को सिविल कोर्ट में भेजा है.

अधिवक्ता की सलाह : जब मामला सिविल कोर्ट के पास चला गया है, तो आप वहीं पर अपनी सारी बातें दस्तावेज के साथ रखें. फर्जी वंशावली की शिकायत एलआरडीसी, उपायुक्त से कर सकते हैं. समाधान नहीं हो, तो हाइकोर्ट में रिट याचिका दायर कर सकते हैं.

इन्होंने भी पूछे सवाल

प्रभात खबर की ऑनलाइन काउंसेलिंग में रामगढ़ के रामजी महतो, छठी लाल राय, मांडू के इस्माइल कुरैशी, कोडरमा के चंदन कुमार, राहे के सनातन मांझी, रांची के रोहित कुमार रुद्रेश्वरी प्रसाद सिंह आदि ने भी सवाल पूछे.

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

राज्य में 10 हजार स्वास्थ्यकर्मियों की जल्द होगी नियुक्ति : डॉ इरफान

वरीय संवाददाता, रांची

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शनिवार को सदर अस्पताल, रांची से सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राज्य स्तरीय एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ किया. इस मौके पर सलोनी नाम की किशोरी को मुफ्त टीका लगाकर इसकी विधिवत शुरुआत की गयी. डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड में अरुणाचल प्रदेश के बाद पूर्वी भारत में सर्वाधिक कैंसर के मरीज हैं, जिसमें से एक बड़ी तादाद को टीकाकरण से रोका जा सकता है. उन्होंने कहा कि राज्य के अंदर स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्तापरक सुधार जारी है. सेवाओं को बेहतर करने के लिए जल्द ही हम डॉक्टरों के साथ ही 10 हजार स्वास्थ्य कर्मचारियों की तैनाती करने जा रहे हैं.

आपको बता दें कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से 14 वर्ष तक की बालिकाओं के लिए राष्ट्रीय एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत की. इस राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य हर साल लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से सुरक्षित करना है. कार्यक्रम में विभाग के अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से लक्ष्मी नारायण किशोर, डॉ अजीत खलखो, डॉ विजय किशोर रजक, सीएस रांची डॉ प्रभात कुमार, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश सिंह, डॉ मुकेश मिश्रा, डीपीएम प्रवीण कुमार सिंह सहित डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि शामिल हुए.

सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क लगेगा टीका : अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने कहा कि निजी अस्पतालों में एचपीवी टीके की एक खुराक की कीमत लगभग 4000 है, जिसे वहन करना कई परिवारों के लिए संभव नहीं है. इस लिहाज से सरकार की पहल पर अब यह टीका सभी बड़े सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क दिया जायेगा.

सर्वाइकल कैंसर से बचायेगा गार्डसिल-4 का सिंगल शॉट : गार्डसिल-4 का सिंगल शॉट दिया जायेगा, जो एक क्वाड्रिवेलेंट एचपीवी वैक्सीन है. यह कम उम्र की किशोरियों को कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है. यह सर्वाइकल कैंसर के साथ ही टाइप 6 और 11 से भी सुरक्षा देगा.

किशोरियों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त में एचपीवी वैक्सीन दी जायेगी

सदर अस्पताल से अभियान की शुरुआत करते स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी.

टीका पूरी तरह से सुरक्षित

एनसीआरपी-आइसीएमआर के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लगभग 79,103 नये मामले आये हैं. वहीं, 34,805 मृत्यु दर्ज की गयी है. इसे देखते हुए वैश्विक स्तर पर एचपीवी टीके की 50 करोड़ से अधिक खुराकें सुरक्षित रूप से प्रदान की जा चुकी हैं.

जीवनशैली और खानपान में बदलाव लायें : संजय सेठ

सदर अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कैंसर को जानलेवा बीमारी बताते हुए लोगों से जीवनशैली और खानपान में बदलाव लाने को कहा है. इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत सरकार के हितों में स्वास्थ्य सर्वोपरि है. उन्हांने कहा कि कोविन ऐप पर रजिस्ट्रेशन कराकर इस टीका को आसानी से लिया जा सकता है.

बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करें : कृषि मंत्री

सिद्धकोफेड ने निसा, झासको लैंप व वाइल्ड हार्वेस्ट वेंचर के साथ एमओयू किया.

वरीय संवाददाता, रांची

- लघु वनोत्पादों के संग्रहण एवं मूल्य संवर्धन को लेकर सिद्धकोफेड की कार्यशाला

सिद्धकोफेड द्वारा लघु वनोत्पादों के संग्रहण एवं मूल्य संवर्धन को लेकर राजधानी के पलाश सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया. उदघाटन कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया. कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य के किसानों को बाजार की मांग के अनुरूप अपना उत्पाद तैयार करने की जरूरत है. सरकार इसके लिए किसानों को पूरा सहयोग करेगी. वनोपज को बढ़ावा देने और उसका सही मूल्य किसानों को दिलाने की सोच के साथ सरकार आगे बढ़ रही है.

मंत्री ने कहा कि राज्य में वनोपज पर बड़ी आबादी आश्रित है. सरकार इसे बेहतर तरीके आगे बढ़ाने की कार्य योजना बनाने में जुटी है. लोगों की सोच है कि सिर्फ उद्योग से ही विकास या रोजगार संभव है, लेकिन ये सच नहीं है. आज कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता जैसे विभाग से जुड़कर लोग बड़ा मुनाफा कमा रहे हैं. मत्स्य पालन में झारखंड ने ऊंची छलांग लगायी है. राज्य में चार लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हो रहा है. दुग्ध उत्पादन का आंकड़ा भी प्रतिदिन तीन लाख लीटर तक पहुंच गया है.

तीन एमओयू किया गया : इस मौके पर वनोपज को बढ़ावा देने, उसके मूल्य निर्धारण और बेहतर बाजार के साथ किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तीन महत्वपूर्ण एमओयू किया गया. सिद्धकोफेड ने निसा, झासको लैंप व वाइल्ड हार्वेस्ट वेंचर के साथ एमओयू किया.

कार्यशाला में मुख्य रूप से पीसीसीएफ संजीव कुमार सिंह, निसा के निदेशक डॉ अभिजीत कर, सिद्धकोफेड के सीइओ शशि रंजन, डीएफओ गिरिडीह मनीष तिवारी, आइएसबी की कामिनी सिंह, राकेश कुमार, प्रकाश कुमार, अभिनव मिश्रा, नाबार्ड के डीजीएम आदि मौजूद थे.

झारखंड के सभी जिलों में बनेंगे कृषि हॉस्टल और प्रशिक्षण केंद्र

वरीय संवाददाता, रांची

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है. केंद्र प्रायोजित योजना आरकेवीवाइ-डीपीआर के तहत राज्य के सभी जिलों में "डिस्ट्रिक्ट लेवल एग्रीकल्चर हॉस्टल कम ट्रेनिंग सेंटर" स्थापित करने का प्रस्ताव है. प्रथम चरण में 18 जिलों में 150 बेड के हॉस्टल और 300 क्षमता वाले प्रशिक्षण केंद्र बनाये जायेंगे. इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को स्थानीय फसलों के अनुरूप उन्नत कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिसमें 50 प्रतिशत सीटें महिला किसानों के लिए आरक्षित रहेंगी. जिलों का चयन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जायेगा.

केंद्र के लिए दो एकड़ भूमि की आवश्यकता

कृषि निदेशक भोर सिंह यादव ने सभी जिलों को पत्र लिखा है. उन्होंने लिखा है कि इन केंद्रों के निर्माण के लिए जिला मुख्यालय के निकट दो एकड़ सरकारी भूमि की आवश्यकता है. निदेशक ने राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र लिखकर एक सप्ताह के भीतर उपयुक्त भूमि चिह्नित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है. पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यातायात की सुगमता को ध्यान में रखते हुए ही भूमि का चयन किया जाये. विशेष बात यह है कि आरकेवीवाइ-डीपीआर मार्गदर्शिका के तहत घेराबंदी (बाउंड्रीवॉल) का कार्य नहीं किया जा सकता है. इसके लिए कृषि निदेशक ने जिला स्तर पर डीएमएफटी या किसी अन्य मद की राशि से घेराबंदी का प्रस्ताव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.

केंद्र ने झारखंड को दिये 412 .68 करोड़ रुपये

रांची. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप झारखंड के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए लगभग 412.68 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है. यह राशि वर्ष 2024-25 की पहली किस्त के रूप में जारी की गयी है. यह राशि राज्य के 253 प्रखंडों की 4342 पंचायतों में खर्च होगी. स्थानीय निकायों को यह राशि "टाइड ग्रांट" के रूप में दी गयी है, जिसे केवल विशिष्ट बुनियादी सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. ग्रामीण निकाय उक्त राशि को खुले में शौच मुक्त स्थिति को बनाये रखने, घरेलू कचरे का प्रबंधन और मानव मल की सफाई में खर्च कर सकते हैं. पीने के पानी की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन व पानी के रिसाइकलिंग पर भी इसे खर्च कर सकते हैं. दो दिन पहले ही भारत सरकार ने ग्रामीण निकायों के लिए करीब 275 करोड़ रुपये दिये थे.

कांग्रेस की रणनीति जमीन पर हुई फेल नौ नगर निगमों में से सिर्फ एक पर जीत

- मानगो नगर निगम से पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता जीती

प्रमुख संवाददाता, रांची

झारखंड नगर निकाय चुनाव के नतीजों ने सत्ताधारी दल कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी बजा दी है. राज्य के नौ नगर निगमों में से पार्टी समर्थित सिर्फ एक उम्मीदवार ही जीता. चुनाव पूर्व बनायी गयी मंत्रियों और विधायकों की फौज और माइक्रो-मैनेजमेंट की रणनीति जमीन पर फेल साबित हुई. मानगो नगर निगम में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता ने मेयर पद पर जीत हासिल कर किसी तरह पार्टी की लाज बचायी.

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी की बेटी भी मेदिनीनगर में पिछड़ गयीं. रांची में मेयर सीट पर कब्जा करने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंकी थी. पूर्व मेयर रमा खलखो को मैदान में उतारकर विशेष रणनीति बनायी गयी थी, लेकिन वे भाजपा समर्थित रोशनी खलखो से हार गयीं. लोहरदगा व गुमला में नगर परिषद अध्यक्ष व खूंटी नगर पंचायत अध्यक्ष पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने बाजी मारी.

बागी व बिखराव बना हार का बड़ा कारण : प्रत्याशी चयन को लेकर प्रदेश नेतृत्व और जिला पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के फैसलों ने पार्टी के भीतर ही विद्रोह की स्थिति पैदा कर दी थी. कई सीटों पर पार्टी के ही कद्दावर नेता बागी बनकर मैदान में उतरे. पार्टी ने बागियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई भी की, लेकिन जमीन पर वोटों के बिखराव को रोकने में संगठन पूरी तरह विफल रहा.

डोर-टू-डोर कैंपेन में रही कमी : केशव महतो कमलेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना तो की, लेकिन हार के कारणों को भी स्वीकारा. उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में हमारे कार्यकर्ताओं ने जी-जान से काम किया. लेकिन, यह सच है कि हम घर-घर जाकर मतदाताओं को प्रत्याशी के चुनाव चिह्न के प्रति जागरूक करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाये. इसी संवादहीनता और तकनीकी चूक के कारण हमें आशानुरूप सीटें नहीं मिल सकीं.

झालसा की दो दिवसीय छठी राज्य स्तरीय बैठक शुरू, बोले जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद

मानव तस्करी गंभीर मामला, इस पर नियंत्रण जरूरी

वरीय संवाददाता, रांची

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) की दो दिवसीय छठी राज्य स्तरीय बैठक शनिवार को डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में शुरू हुई. इस मौके पर झारखंड हाइकोर्ट के सीनियर जस्टिस व झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मानव तस्करी गंभीर मामला है. इस पर नियंत्रण जरूरी है. इसका प्रमुख समाधान मानव तस्करी के पीड़ित के पुनर्वास की प्रक्रिया है. इतिहास से सीख लेकर न्याय को अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना ही विधिक सेवा संस्थाओं का मूल उद्देश्य है. पीएलवी प्रणाली न्याय व्यवस्था की मुख्य ऊर्जा स्रोत व हमारी बटालियन है, क्योंकि वही सुदूर क्षेत्रों में रह कर जमीनी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाते हैं और योजनाओं से जरूरतमंदों को जोड़ने का काम करते हैं. अगर अंतिम व्यक्ति तक लाभ नहीं पहुंचा, तो पूरी व्यवस्था निष्प्रभावी हो जायेगी.

पॉक्सो मामलों में जांच अंतरात्मा की पुकार के अनुरूप की जानी चाहिये. पीएलवी जिला प्रशासन के साथ समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं, ताकि सरकार की योजनाएं राज्य में निवास करनेवाले समाज के जमीनी स्तर के लोगों तक पहुंच सकें. जस्टिस आनंद सेन ने कहा कि हमें समझना चाहिये कि अन्याय क्या है. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक छोटे गांव में पुत्र को सर्वोत्तम भोजन मिलता है और पुत्री को कम पौष्टिक भोजन मिलता है. लड़की सोचती है कि यह सामान्य है, परंतु यह सामान्य नहीं अन्याय है. विधिक सेवा प्राधिकरण अब स्वयं को देश का सबसे बड़ा सामाजिक सुधारक बनाने की दिशा में परिवर्तित कर रहा है. जस्टिस एके चौधरी ने कहा कि झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के सक्षम मार्गदर्शन में झालसा ने जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान कर तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विधिक सहायता उपलब्ध कराया है. झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने स्वागत भाषण किया. मौके पर प्रोजेक्ट बाल सुरक्षा का शुभारंभ तथा नालसा व झालसा की योजनाओं व परियोजनाओं के संकलन का विमोचन किया गया. झालसा कर्मियों एवं पीएलवी को उनके असाधारण कार्य के लिए सम्मानित किया गया. मुआवजा से संबंधित चेक भी पीड़ितों को दिया गया. सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों के लिए 24 न्याय रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया. उप सचिव अभिषेक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया. मौके पर हाइकोर्ट के न्यायाधीश व हाइकोर्ट लीगल सर्विस कमेटी के अध्यक्ष जस्टिस आनंद सेन, जस्टिस एके चौधरी, रिटायर जस्टिस अंबुज नाथ, राज्य के सभी डीएलएसए के अध्यक्ष व सचिव, पुलिस अधीक्षक अथवा उनके प्रतिनिधि, जेल अधीक्षक, पीएलवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम में नालसा व झालसा की योजनाओं के संकलन का विमोचन किया गया.

तंत्र ही स्व और पर का निर्धारिक

स्पंदन

गुलाब कोठारी

लेखक पत्रिका समूह के प्रधान संपादक हैं

@patrika.com

स्वतंत्रता और परतंत्रता की व्यवहार शैली में भेद है, किन्तु परिणाम दृष्टि से दोनों समान हैं। परतंत्रता में पुरुष द्वारा 'पशुभाव' में परिणत हो रही है, वही स्वेच्छा से भी मनमानी करके पशुभाव में जी रही है। मन की कामना पर किसी अन्य का अंकुश नहीं चाहिए। इसमें सुधार लाना सहज नहीं है।

जिससे स्वरूप रक्षा हो वही 'स्व' तथा जिससे स्वरूप की हानि हो, वह 'पर' कहलाता है। आत्मा को भी 'स्व' तभी कह सकते हैं, जब तक वह किसी तंत्र-मर्यादा में रहता है। तंत्र ही 'स्व' और 'पर' का निर्धारक है। इसमें अन्तर इतना ही है कि आत्मभाव प्रबल है अथवा मन का कामना भाव।

आत्मा न स्वतंत्र है, न परतंत्र। दोनों शब्द तंत्रों के वाचक है। आत्मतंत्र स्वतंत्र है, आत्मविरोधी तंत्र परतंत्र है। स्व-तंत्र में रहने वाला आत्मा ही अपना स्व-भाव सुरक्षित रख सकता है। परतंत्र में रहने वाला आत्मा अपना 'स्व' खो बैठता है। दोनों ही अवस्थाओं में वह शब्दोत्पत्ति का प्रवर्तक माना जाएगा। स्वनति-'स्व' कहलाएगा। किन्तु स्वतंत्र में प्रतिष्ठित आत्मा की कामना मन का संचालन करेगी। पर-तंत्र में प्रतिष्ठित आत्मा की कामना पर मानस-कामना का अधिकार होगा। मन की कामना पर अपनी मर्जी-स्वतंत्रता है। अपनी कामना को मन के अनुसार शब्दप्रवर्तक बनता हुआ पर-तंत्र कहलाएगा।

परिस्थिति के तारतम्य से सभी स्वतंत्र हैं, सभी परतंत्र हैं। पुरुष, प्रकृति या विकृति-स्वस्वरूप से न स्वतंत्र हैं, न परतंत्र हैं। पुरुष प्रकृति के सहयोग से यदि स्वतंत्र है, तो विकृति के सहयोग से वही परतंत्र भी बन सकता है। प्रकृति पुरुष की अनुगामिनी बनती हुई यदि स्वतंत्र है, तो विकृति पथ का अनुसरण करती हुई परतंत्र भी बन सकती है। विकृति प्रकृति/पुरुष की अनुगामिनी बनती हुई यदि स्वतंत्र हो सकती है, तो विकार प्रपंच में आसक्त होकर परतंत्र भी हो सकती है। यही आधार है आध्यात्मिक जगत की स्वतंत्रता-परतंत्रता का।

पुरुष तंत्र अग्नि, स्त्री तंत्र सोम है। अपने-अपने

तंत्र में प्रतिष्ठित दोनों स्वतंत्र हैं। दोनों ही परतंत्र नहीं हैं। मध्य भाग आत्मा है। यही जीवन की प्रतिष्ठा है। पुरुष का मध्य भाग सोम द्वयी है-स्त्री है- यही आग्नेय पुरुष की प्रतिष्ठा है। अग्नि पुरुष की अपेक्षा यह सोमतंत्र इसका न होकर परतंत्र है। पुरुष का अग्नितंत्र इस पर-लक्षण सोम तंत्र के आधार पर ही प्रतिष्ठित है। उपक्रम-उपसंहार स्थानीय (आग्नेय-सौम्य-सौम्य-आग्नेय) अग्नि के कारण पुरुष स्वतंत्र है, वहीं मध्य स्थानीय सोमतंत्र के कारण तो पुरुष को परतंत्र ही कहा जाएगा। सौम्या स्त्री का मध्य भाग अग्निद्वय है। यही स्त्री की प्रतिष्ठा है। उपक्रम-उपसंहार (सौम्य-आग्नेय-आग्नेय-सौम्य) की दृष्टि से जहां स्वतंत्र है, वहीं मध्य अग्नितंत्र के कारण वह परतंत्र है। दोनों अपने-अपने तंत्र में स्वतंत्र है।

स्वतंत्रता और परतंत्रता की व्यवहार शैली में भेद है, किन्तु परिणाम दृष्टि से दोनों समान हैं। परतन्त्रता में पुरुष द्वारा 'पशुभाव' में परिणत हो रही है, वही स्वेच्छा से भी मनमानी करके पशुभाव में जी रही है। मन की कामना पर किसी अन्य का अंकुश नहीं चाहिए। इसमें सुधार लाना सहज नहीं है। सौम्य अन्तर्जगत वाले पुरुष को कटुशासन में रखा जा सकता है, किन्तु आग्नेय अन्तर्जगत वाली सौम्या (उग्र) को कटु तो क्या मधुरशासन से भी वैसा नहीं रखा जा सकता। केवल दिव्य भावों के माध्यम से ही इस मातृशक्ति के अन्तर्जगत को सुरक्षित रखा जा सकता है। इसकी रक्षा तो इसकी स्वयं की - कर्तव्यानुगता, आत्म-नियंत्रण वृत्ति से ही हो सकता है। अपनी स्वतंत्रता को वे तभी सुरक्षित रख सकती हैं, जबकि किसी रक्षक को वे अपनी प्रतिष्ठा बना लेती हैं।

आज स्वतंत्रता के अर्थ ही बदल गए। हर व्यक्ति अपने आप में और अपने लिए ही जीना चाहता है। उसकी स्वयं की मर्जी ही स्वतन्त्रता है। यदि भगवान भी यह सोच ले कि भक्त कितना भी क्रन्दन करे, मेरी मर्जी होगी तो जाऊंगा। भक्त हिन्दू है तो जाऊंगा या मुसलमान है तो जाऊंगा। तब क्या प्रकृति का ढांचा टिक सकता है? यह ढांचा ही तंत्र है। जब तक तंत्र व्यवस्थित है, सब कुछ सुचारू रूप से चलता रहता है। शरीर का तंत्र गड़बड़ होते ही डॉक्टर के यहां भागते हैं। बुढ़ापा किसी को अच्छा नहीं लगता क्योंकि तब शरीर-तंत्र कमजोर पड़ जाता है। जब तक हम गुलाम थे, दुःखी थे। पराए तंत्र के नियन्त्रण में थे। पराधीन सपनेहु सुख नाहि। आज जब सत्तर सालों से आजाद हैं, तब और ज्यादा दुःखी हो गए। हमारा स्वतन्त्रता का ढांचा चरमरा गया। हमारे लोकतन्त्र के तीनों पाए समष्टि भाव को छोड़कर व्यष्टि भाव में आ गए। शिक्षा भी समाजपरक और देशपरक न होकर व्यक्तिपरक हो गई। हर शिक्षित व्यक्ति केवल अपने लिए ही जीने लगा है। यह स्वतंत्रता नहीं है। एक ओर तो यह स्वच्छंदता है, वहीं दूसरी ओर स्वार्थपरता है। देश हित के तो दोनों ही भाव विपरीत हैं। किन्तु व्यक्ति अपनी जीवनशैली में परिवर्तन नहीं करना चाहता। अब तक पुरुष की अर्द्धांगिनी भी पुरुष को पूर्णता देने तथा स्वयं के अभाव को पूर्ण करने पुरुष के साथ आती थी। पूरी उम्र उसके साथ जीवन व्यतीत करती थी। पुरुष के स्वजन, परिजन, सामाजिक हैसियत आदि की मर्यादा में जीना ही उसकी निजी स्वतन्त्रता थी। घर, सम्पत्ति, संतान आदि की भी वह पुरुष के समान ही स्वामिनी थी। यह भारत के गृहस्थाश्रम का तंत्र था। इसी में सुरक्षा और सम्मान भी व्यवस्थित थे। ये सारा तन्त्र प्रकृति के तंत्र पर ही आधारित था। धर्म या जाति के कारण कोई भेद नहीं आया। सूर्य के बिना चन्द्रमा की चांदनी कहां से प्राप्त होगी? बिना चांदनी के चन्द्रमा का पिण्ड तो रहेगा, किन्तु प्रकाश के अभाव में क्या भूतों का डेरा नहीं हो जाएगा? सूर्य-चन्द्रमा के युगल से ही सम्वत्सर बनता है। सर्दी-गर्मी-बरसात होते हैं। क्या वर्षा के बिना खेती सम्भव है, वनस्पति-ओषधि पैदा हो सकेंगे? तब पृथ्वी-लोक की सृष्टि रहेगी या नहीं? इसका एक ही उत्तर है-सबको अपने-अपने तन्त्र में बंधे रहना होगा। अन्न नहीं होगा तो शुक्र पैदा नहीं होगा। शरीर की यह सप्तम धातु अन्न से ही पैदा होती है। इसमें ही चन्द्रमा से आकर बीज (वृषा) सुरक्षित रहता है। सृष्टि का एक भी तत्त्व दूसरे तत्त्व से बाहर नहीं हो सकता। यही मृत्यु है। जीवन में अपूर्णता भी मृत्यु है। सुखपूर्वक जीने के लिए पहली आवश्यकता ही तंत्र है। अकेलापन नहीं है।

gulabkothari@epatrika.com

क्यूआर कोड को स्कैन कर आप लेख सुन भी सकते हैं।

सामाजिक संस्कारों से जुड़ा यह स्तंभ नई पीढ़ी को भी पढ़ाएं।

लघुकथाएं

SHORT STORIES

सहेलियों संग होली

शोभा कटारे

@patrika.com

वह होली मेरे लिए सच में यादगार बन गई। आज भी होली के दिन जब मैं नहाकर आती हूं, तो होली के दिन बेवकूफ बनना मुझे याद आ जाता है और आंखों के सामने रंग बिखर जाते हैं।

बात लगभग 34 साल पुरानी है, तब मैं 12वीं की छात्रा थी। हर साल हम सहेलियां एक-दूसरे के घर रंग लगाने जाया करते थे, लेकिन बोर्ड परीक्षा के कारण हमने तय किया था कि इस बार होली नहीं खेलेंगे। एक दूसरे को रंग नहीं लगाएंगे। इसलिए मैं एक बजे नहाकर निकली ही थी, तभी दरवाजे की घंटी बजी और मैंने बिना देखे ही दरवाजा खोल दिया। ये क्या मेरी सहेलियों की टोली ने मुझे दरवाजा खोलते ही रंगों से भर दिया। हरा, पीला, लाल रंग मेरे गालों की शोभा बढ़ा रहा थे। लेकिन मेरे पास रंग नहीं था कि मैं भी उन्हें रंग पाऊं और बदला ले सकूं। वे सब कहते हुए चली गई, 'बुरा ना मानो होली है।' मेरा नहाना-धोना बेकार हो चुका था। फिर से नहाना, रंग रगड़-रगड़कर छुड़ाना मुझे आज भी याद है, क्योंकि अगले दिन मेरा हिंदी का पेपर था।

वह होली मेरे लिए सच में यादगार बन गई। आज भी होली के दिन जब मैं नहाकर आती हूं तो होली के दिन बेवकूफ बनना मुझे याद आ जाता है और आंखों के सामने रंग बिखर जाते हैं।

बदरंग!

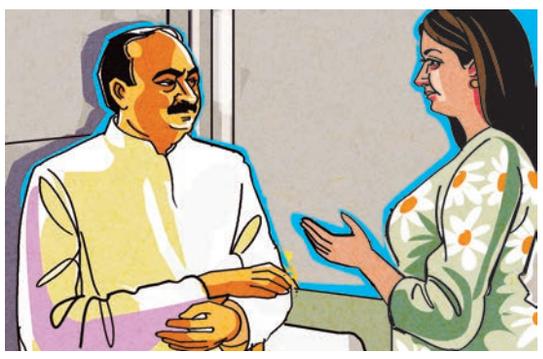

आशीष सकलेचा

@patrika.com

रमा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'जिसका पहले से ही रंग बदला हो, उसे भला कोई क्यों रंग लगाएगा। आप तो वैसे ही रंगे हुए हैं, और जब चाहे तब रंग बदलते रहते हैं। पहले उस दल में थे, अब इस दल में हैं।'

आप आज मुंह फुलाकर क्यों बैठे हैं? रमा ने अपने नेता पति से पूछा। 'अरे रमा, नाराज नहीं होऊं तो क्या करूं?'

रमा ने कहा, 'पर आखिर ऐसा हुआ क्या, बताओ तो सही।' नेताजी ने कहा, 'रमा, पूरी कॉलोनी वाले होली खेल रहे हैं, सभी एक-दूसरे को रंग लगा रहे हैं। आज तो सभी के चेहरे और कपड़ों का रंग बदला हुआ है। अभी मैं बाहर ही था, पर न किसी ने मुझे रंग लगाया न बुलाया।' अपने नेता पति की यह बात सुनकर- रमा हंसने लगी तो, नेताजी ने, आक्रोशित होते हुए कहा- यहां मैं अपमानित महसूस कर रहा हूं और तुम हो कि मुझ पर हंस रही हो। रमा ने कहा, 'अरे आप इतनी सी बात नहीं समझे कि उन लोगों ने आपको रंग क्यों नहीं लगाया?'

नेताजी ने हैरानी से कहा, 'नहीं, मुझे कुछ समझ में नहीं आया। तुम्हीं बताओ कि उन्होंने ऐसा क्यों किया?'

रमा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'जिसका पहले से ही रंग बदला हो, उसे भला कोई क्यों रंग लगाएगा। आप तो वैसे ही रंगे हुए हैं और जब चाहे तब रंग बदलते रहते हैं। पहले उस दल में थे, अब इस दल में है, कल और किस दल में होंगे।'

यह सुनते ही नेताजी के चेहरे का रंग उड़ गया और बड़बड़ाते हुए वे नहाने चल दिए।

कहानी

STORY

होली इसलिए नहीं कि रंग उड़े, ठंडाई छने, ढोल बजे। इसलिए कि साल में एक दिन आदमी अपना दरवाजा खोले और पड़ोसी के आंगन में चला जाए। बस इतना। इसी में सब कुछ है।

रंग और रोटी

देवेन्द्रराज सुथार

कथाकार

@patrika.com

उस साल फागुन में गेहूं सूख रहा था। खेत में खड़े थे पौधे, पर उनमें जान नहीं थी। पानी नहीं आया था, नहर में और आसमान ने भी मुंह फेर लिया था। किसान खेत की मेड़ पर बैठकर आसमान देखते थे, जैसे वहां कोई जवाब लिखा हो।

शिवनाथ भी देखता था। पर जवाब नहीं आता था। शिवनाथ के घर में तीन बच्चे थे। बड़ा दस साल का, मंझला सात का, छोटी चार की। तीनों को भूख लगती थी जैसे सबको लगती है। तीनों को नहीं पता था कि उनका पिता रात को सोता नहीं था।

पत्नी कमला जानती थी। वह जानती थी, पर कुछ नहीं कहती थी। जो कहने से ठीक नहीं होता, उसे कहकर और बिगाड़ने की क्या जरूरत। वह बस सुबह उठती थी, चूल्हा जलाती थी, जितना था उतने में रोटी बनाती थी और शिवनाथ की थाली में थोड़ा ज्यादा रखती थी। शिवनाथ देखता था और चुप रहता था। यह उनके बीच का एक पुराना हिसाब था, जो कभी बराबर नहीं हुआ।

होली आने वाली थी। मोहल्ले में लोग बात कर रहे थे। किसने कितना रंग खरीदा, किसने कितनी गुझिया बनाई। बच्चे पिचकारियां लिए घूम रहे थे। शिवनाथ के बच्चे भी देखते थे उन्हें। बड़े ने एक दिन पूछा था, हमें पिचकारी मिलेगी? शिवनाथ ने कहा, देखते हैं। बड़े को पता था कि देखते हैं, का मतलब क्या होता है। उसने फिर नहीं पूछा। होली की रात शिवनाथ बाहर बैठा था। अंधेरा था। दूर कहीं होलिका जल रही थी, उसकी आंच यहां तक नहीं आती, पर रोशनी दिखती थी। शिवनाथ उसे देखता रहा। तभी बगल वाले रामसेवक आए। रामसेवक की भी खेती थी। उसकी भी वही हालत थी। पर रामसेवक में एक चीज थी, जो शिवनाथ में नहीं थी। रामसेवक हार नहीं मानता था। हारता था, पर मानता नहीं था। रामसेवक बैठ गया शिवनाथ के पास। दोनों चुप रहे। रामसेवक बोला, 'कल होली है।'

शिवनाथ बोला, 'पता है।'

'बच्चों को रंग चाहिए होगा।'

शिवनाथ ने कुछ नहीं कहा।

रामसेवक ने अपनी धोती की गांठ खोली। उसमें से कुछ पैसे निकाले। गिने नहीं, बस शिवनाथ के हाथ पर रख दिए। शिवनाथ ने हाथ खींच लिया। रामसेवक ने कहा, 'रख।' 'नहीं।' 'क्यों?'

'क्योंकि मैं भिखारी नहीं हूं।'

रामसेवक ने उसे देखा। फिर धीरे से बोला, 'और मैं साहूकार नहीं हूं। पड़ोसी हूं। इन दोनों में फर्क है।'

शिवनाथ चुप रहा।

रामसेवक ने कहा, 'तेरे बच्चे और मेरे बच्चे कल साथ खेलेंगे। तेरे बच्चे के हाथ में रंग नहीं होगा, तो मेरे बच्चे को भी अच्छा नहीं लगेगा। यह तेरे लिए नहीं दे रहा, अपने बच्चे के लिए दे रहा हूं।'

यह झूठ था। पर इस झूठ में इतनी इज्जत थी कि शिवनाथ की आंखें भर आईं। उसने पैसे रख लिए। सुबह जब शिवनाथ बाजार से रंग लेकर आया तो बच्चे दरवाजे पर खड़े थे। छोटी ने देखा और चिल्लाई। बड़े ने दौड़कर थैला लिया और भीतर भाग गया। मंझला शिवनाथ के पास खड़ा रहा। शिवनाथ ने उसे देखा। मंझले ने कहा, 'बाबा, आप भी खेलोगे?'

शिवनाथ को याद आया कि वह आखिरी बार कब खेला था। याद नहीं आया। बहुत पहले की बात थी। जब खेत नहीं सूखते थे, जब रात को नींद आती थी, जब जिंदगी इतनी भारी नहीं लगती थी।

उसने मंझले के सिर पर हाथ रखा। 'खेलेंगे,' उसने कहा।

और वह पहली बार था, जब उसने 'देखते हैं' नहीं कहा।

उस दिन शिवनाथ के आंगन में रंग उड़ा। कमला हंसी, बहुत दिनों बाद। बच्चे चिल्लाए। रामसेवक भी आया अपने बच्चों के साथ। दोनों घरों के बच्चे एक हो गए और फिर किसी को याद नहीं रहा कि किसका बच्चा किसका है। दोपहर को जब सब थक गए तो शिवनाथ और रामसेवक एक साथ बैठे थे। रामसेवक ने कहा, 'अगले महीने नहर का पानी आएगा। मैंने सुना है।' शिवनाथ बोला, 'आएगा तो ठीक है। नहीं आएगा तो कुछ और करेंगे।'

रामसेवक ने उसे देखा। यह शिवनाथ नहीं था, जो कल रात बैठा था। यह कोई और था। शाम को जब बच्चे सो गए, कमला ने शिवनाथ से पूछा, 'रंग के पैसे कहां से आए?'

शिवनाथ ने कहा- 'रामसेवक ने दिए।' कमला चुप रही। फिर बोली- 'अच्छे हैं वो।' शिवनाथ बोला- 'हां।'

कमला ने कहा- 'जब फसल आए तो लौटा देना।' शिवनाथ ने कहा, 'वो नहीं लेगा।'

'तो भी देना।'

शिवनाथ समझ गया। यह पैसों की बात नहीं थी। यह उस धागे की बात थी, जो दो घरों के बीच होता है और जिसे बनाए रखना पड़ता है, दोनों तरफ से। रात को शिवनाथ लेटा। नींद आई। पहली बार बहुत दिनों में। खेत अभी भी सूखे थे। नहर में पानी अभी भी नहीं था। जेब अभी भी हल्की थी। पर भीतर कुछ था जो पहले नहीं था। यह होली ने दिया था।

नहीं, होली ने नहीं। रामसेवक ने दिया था और रामसेवक ने जो दिया वह रंग नहीं था, वह यह था कि तू अकेला नहीं है। दुनिया में सबसे बड़ा दुख यह नहीं होता कि तकलीफ है। सबसे बड़ा दुख यह होता है कि तकलीफ में कोई नहीं है।

होली इसीलिए है। इसलिए नहीं कि रंग उड़े, ठंडाई छने, ढोल बजे। इसलिए कि साल में एक दिन आदमी अपना दरवाजा खोले और पड़ोसी के आंगन में चला जाए। बस इतना। इसी में सब कुछ है।

काव्यांजलि

POEM

फागुन में प्रेम की होरी

गोपाल कृष्ण व्यास

मधुमास की मृदुल बेला में,
मंद-मंद मुस्काए फागुन।
चंपा-चमेली की सुरभि संग,
प्रेमिल पवन सुनाए गुनगुन॥

कुंज-कुंज में कोकिल बोले,
मधुप करे रस-गान।
नयनों में नव स्वप्न सजाए,
धड़के चंचल प्राण॥

सखियों संग सजी-संवरी,
लाज झुकी श्यामल काया।
रंग-भरी पिचकारी लेकर,
श्याम ने चितवन बरसाया॥

कृष्ण की चपल अदा पर,
मुस्काई व्रज की रानी राधा।
गुलाल-रंजित अधरों पर जैसे,
खिल उठी अरुणिम आभा॥

वृन्दावन के निकुंजों में फिर,
रचती मधुरिमा की लीला।
कदंब तले लजवंती बनकर
श्यामल रंग में भीगी राधा॥

अधरों की लालिम आभा,
पीताम्बर-सी स्वर्णिम छटा।
हरित चुनर इंद्रधनुष उतरे,
सज उठती अनुराग-घटा॥

गोकुल बरसाना की गलियां,
हुई स्नेह-प्रेम से सिंचित।
अबीर उड़ाए प्रेम का रसिया
रंगों में हर तन-मन रंजित॥

स्पर्श हुआ रंग-भरे कर का,
सिहर उठे कोमल अंग।
नयनों की भाषा कह गई,
मन में छिपा मधुर अनंग॥

ढोल-मृदंग की मादक थापें,
हृदय-वीणा को झंकृत करतीं।
रति-रस की लहरियां रेशमी
आत्मा की सुधि को भरतीं॥

होली केवल रंग न होती,
यह मिलन-राग की बेला है।
जहां प्रीत पिघलकर बहती,
वो प्रेम की स्वयं मधु-मेला है॥

पुस्तक चर्चा

BOOK REVIEW

चाटुकारिता और पाखंड का तीखा प्रतिवाद

पुस्तक का नाम
चरण-पुराण
(व्यंग्य संग्रह)

लेखक
ज्ञान चंद पाटनी
प्रकाशक
बोधि प्रकाशन

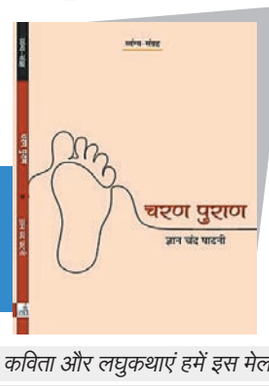

वरिष्ठ पत्रकार और व्यंग्यकार ज्ञान चंद पाटनी ने अपने ताजा व्यंग्य संग्रह 'चरण-पुराण' में समकालीन भारतीय जीवन की विसंगतियों, राजनीतिक पाखंड और सामाजिक पतन का एक तीखा और बेबाक चित्र पेश किया है। इस संग्रह का केंद्र बिंदु वह चाटुकारिता संस्कृति है, जिसे लेखक ने 'चरण-पुराण' की संज्ञा देकर आधुनिक युग में सफलता के अनिवार्य शास्त्र के रूप में रेखांकित किया है। यह कृति उस दौर की उपज है, जहां राजनीति समेत कई क्षेत्रों में योग्यता और कर्मठता के स्थान पर 'चरण वंदना' ने अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया है। लेखक ने बहुत गहराई से इस सच को पकड़ा है कि सत्ता के गलियारों में बने रहने के लिए अब मेधा से अधिक महत्त्वपूर्ण समर्पित चापलूसी जैसा कौशल हो गया है। संग्रह का राजनीतिक फलक विस्तृत और तीखा है। 'आपदा को अवसर' बनाने की कला हो या 'राष्ट्रवादी महंगाई' का तर्क, पाटनी ने यह स्पष्ट किया है कि कैसे जटिल शब्दावलियों के पीछे आम आदमी के शोषण को वैध बनाया जाता है। 'नरभक्षी राजनीति' व्यंग्य उस क्रूरता को दर्शाता है, जहां सत्ता प्राप्ति की लालसा मानवीय मूल्यों को निगल जाती है और लोगों की लाशों पर राजनीति की रोटियां सेकी जाती हैं। 'ढपोर शंख' जैसे प्रतीकों के माध्यम से लेखक ने नेताओं के उन खोखले वादों पर कड़ा प्रहार किया है जो चुनाव-दर-चुनाव जनता को परोसे जाते हैं। सामाजिक विसंगतियों और मध्यवर्गीय ढोंग पर इस संग्रह ने गहरी चोट की है। यह संग्रह चाटुकारिता के दौर में रीढ़ बचाए रखने की एक ईमानदार कोशिश है।

- **राजेंद्र मोहन शर्मा**

अपनी रचना भेजिए: *अपनी मौलिक और अप्रकाशित कहानी, कविता और लघुकथाएं हमें इस मेल एड्रेस पर भेजिए-sunday@in.patrika.com ध्यान रखें कहानी-1000 और लघुकथा-250 शब्दों से अधिक नहीं हो।*

सेविंग टिप्स | आज का छोटा कदम कल बड़ा फाइनेंशियल फ्रीडम

समय सबसे बड़ा दोस्त, जल्दी शुरुआत में ही फायदा

वरुण गुप्ता
सीए
Patrika.com

पर्सनल फाइनेंस की दुनिया में एक बात सबसे ज्यादा मायने रखती है समय आपका सबसे बड़ा दोस्त है। उम्र चाहे 20 साल हो या 40 साल, इन्वेस्टमेंट की शुरुआत जितनी जल्दी होगी, भविष्य उतना ही सिक्योर बनेगा। जल्दी शुरुआत करने का मतलब है कि आपके पैसे को बढ़ने के लिए ज्यादा समय मिलेगा और यही समय आगे चलकर आपकी सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।

जल्दी शुरू करने के फायदे

1. कंपाउंडिंग का फायदा: आपके पैसे से जो रिटर्न मिलता है, वह भी आगे रिटर्न कमाने लगता है। यानी सिर्फ आपका ओरिजिनल अमाउंट ही नहीं बढ़ता, बल्कि उस पर मिला प्रॉफिट भी बढ़ता जाता है।

2. छोटे निवेश से बड़ा लक्ष्य: जल्दी शुरुआत का सबसे बड़ा बेनिफिट यह है कि आपको हर महीने बहुत बड़ी रकम इंवेस्ट करने की जरूरत नहीं पड़ती। छोटी-छोटी रेगुलर सेविंग्स भी लंबे समय में बड़ा कार्पस बना सकती हैं।

3. मार्केट के उतार-चढ़ाव का कम असर: शेयर मार्केट में गिरावट आना सामान्य बात है। लेकिन अगर आपके पास लंबा समय है, तो गिरावट के बाद रिकवरी का भी समय मिलता है। लॉन्ग टर्म इंवेस्टर के लिए शार्ट टर्म वोलेटिलिटी उतनी डरावनी नहीं होती। बाजार में लंबे समय तक बने रहना ज्यादा जरूरी है।

4. फाइनेंशियल अंडरस्टैंडिंग: जल्दी इंवेस्टिंग शुरू करने से फाइनेंशियल डिसिप्लिन बनता है। आप इनकम, एक्सपेंसेस और सेविंग्स के बीच बैलेंस बनाना सीखते हैं। यह स्ट्रांग फाइनेंशियल प्लानिंग है।

5. मेंटल पीस और सिक्योरिटी: अर्ली इंवेस्टमेंट सिर्फ पैसा नहीं बनाता, बल्कि कॉन्फिडेंस भी देता है। यह संतोष रहता है कि आप अपने फ्यूचर के लिए तैयारी कर रहे हैं। अचानक के खर्च में मानसिक शांति रहती है।

ध्यान रखने योग्य बातें

- **स्पष्ट लक्ष्य तय करें:** निवेश का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या आर्थिक स्वतंत्रता।
- **नियमित निवेश करें:** सिस्टेमेटिक निवेश योजना (SIP) जैसे विकल्प बाजार के उतार-चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होते हैं। हर महीने निश्चित राशि निवेश करने से अनुशासन बनता है।
- **जोखिम क्षमता पहचानें:** बाजार गिरने पर निवेश बंद करना या बेच देना लंबी अवधि में नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए 1-3 साल का लक्ष्य है तो कम जोखिम वाले विकल्प चुनें। 10-20 साल का लक्ष्य है तो लंबे समय के निवेश विकल्प बेहतर होंगे।
- **डायवर्सिफिकेशन करें:** निवेश को अलग-अलग विकल्पों में बांटें। जैसे कुछ हिस्सा इक्विटी, कुछ सुरक्षित विकल्पों में।
- **धैर्य रखें:** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है। डर या लालच में आकर फैसले लेना नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए धैर्य रखें।

निवेश ज्ञान | बेहतर कल के लिए निवेश डाइवर्सिफाई अपनाएं

होली के रंगों से सीखें निवेश की रणनीति

होली के रंगों की तरह निवेश को डाइवर्सिफाई करना एक स्मार्ट व सुरक्षित रणनीति है। इससे जोखिम कई जगहों पर फैल जाता है और बाजार की गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो एक साथ प्रभावित नहीं होता। एक ही जगह सब कुछ लगाने से बड़ा नुकसान हो सकता है, लेकिन रंगों वाली डाइवर्सिफिकेशन से संतुलन बना रहता है व लंबे समय में स्थिर रिटर्न मिलता है।

नितेश नोसादर
सीए
Patrika.com

पीला रंग: सुरक्षित, स्थिर एसेट

अपने पोर्टफोलियो का 10-20% सुरक्षित निवेश में रखें। होली पर गोल्ड खरीदने की पुरानी परंपरा है, लेकिन फिजिकल गोल्ड में मेकिंग चार्ज 10-20% तक लग जाता है। इसलिए डिजिटल गोल्ड, गोल्ड ETF या Sovereign Gold Bonds चुनें। इनमें स्टोरेज की चिंता नहीं होती और Sovereign Gold Bonds में 2.50% सालाना ब्याज मिलता है। मैच्योरिटी पर कैपिटल गेन टैक्स-फ्री होता है। गोल्ड इक्विटी से उल्टा चलता है–जब शेयर बाजार गिरता है, तब गोल्ड अक्सर चमकता है। इससे पोर्टफोलियो हेज व अस्थिरता कम होती है।

लाल रंग: उच्च रिटर्न व जोखिम

20-30% हिस्सा इक्विटी में लगाएं। यहां मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स अच्छे विकल्प हैं, क्योंकि ये हाई ग्रोथ देते हैं। पिछले कुछ सालों में ऐसे फंड्स ने औसतन 22-28% रिटर्न दिए हैं। लेकिन ये वोलेटाइल होते हैं, इसलिए SIP के जरिए निवेश करें। अगर रिस्क लेने की क्षमता अच्छी है, तो निवेश बढ़ा सकते हैं।

हरा रंग: लंबी अवधि की ग्रोथ

20-30% इंडेक्स फंड्स या टैक्स-सेविंग फंड्स में निवेश करें। इंडेक्स फंड्स बाजार के औसत रिटर्न देते हैं (लंबे समय में 12-15%) और एक्सपेंस रेशियो बहुत कम (0.1-0.3%) होता है। टैक्स-सेविंग फंड्स में सालाना 1.5 लाख रु.तक 80C डिडक्शन मिलता है, 30% टैक्स स्लैब में 46,800 रु. तक बचत हो सकती है।

नीला रंग: सुरक्षा और लिक्विडिटी

30-40% हिस्सा डेट फंड्स या फिक्स्ड डिपॉजिट/रेकरिंग डिपॉजिट में रखें। FD में 6-8% रिटर्न मिलता है, जबकि डेट फंड्स (कॉर्पोरेट बॉन्ड, गवर्नमेंट सिक्योरिटीज) में 7-9% तक संभव है, वोलेटिलिटी कम होती है। इमरजेंसी फंड के लिए 6-12 महीने का खर्च रखें, जरूरत पड़ने पर निकाल सकें।

कुल आवंटन का उदाहरण: 30% इक्विटी, 20% इंडेक्स/टैक्स-सेविंग फंड्स, 15% गोल्ड, 35% डेट/FD। अपनी उम्र, रिस्क सहनशक्ति और लक्ष्यों (रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना) के अनुसार एडजस्ट करें।

होली का संदेश अपनाएं: पुरानी गलतियां (ओवरस्पेंडिंग, सिंगल एसेट निवेश) जलाएं और नए रंगों (डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो) से जीवन रंगीन बनाएं।

प्रॉपर्टी का सवाल Q A

पिता की संपत्ति में सौतेली मां व बच्चों का बराबर हक

उमाकांत चंदेल
अधिवक्ता
Patrika.com

*विशेषज्ञ से सवालों के जवाब जानिए। अपना सवाल वॉट्सऐप नंबर **8955003879** पर भेजें।*

Q मेरे पिताजी का निधन वर्ष 2014 में हो गया था। मेरी माता के देहांत के बाद पिता ने दूसरी शादी की थी, जिनसे उनके एक पुत्र और एक पुत्री हैं। मैं पिता की संपत्ति का बंटवारा चाहता हूं। मुझे पिता की संपत्ति में कितना हिस्सा मिलेगा? *-एक पाठक*

यदि आपके पिता हिंदू थे और कोई वसीयत नहीं बनाई थी, तो संपत्ति का बंटवारा हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के अनुसार होगा। सभी वैध उत्तराधिकारियों को समान अधिकार मिलेगा।

वैध उत्तराधिकारी कौन हैं

आपके मामले में प्रथम श्रेणी (Class-I) के उत्तराधिकारी होंगे। जिसमें आप (पहली पत्नी से संतान), आपकी सौतेली माता, सौतेला भाई, सौतेली बहन। कानून की नजर में आप और सौतेले भाई-बहन व सौतेली मां समान अधिकार रखते हैं।

संपत्ति का बंटवारा कैसे

यदि संपत्ति पिता की स्वयं अर्जित थी और कोई वसीयत नहीं है, तो संपत्ति को बराबर हिस्सों में बांटा जाएगा। यदि चार उत्तराधिकारी हैं, तो सभी को एक-चौथाई हिस्सा मिलेगा। पैतृक संपत्ति पर भी आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।

आगे क्या कदम उठाएं: यदि संपत्ति का बंटवारा नहीं किया जा रहा है, तो आप स्वयं या कोई भी उत्तराधिकारी कानूनी दावा कर सकता है। इसके लिए पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र और संपत्ति के दस्तावेज इकट्ठा करें। पहले आपसी समझौते से बंटवारे की कोशिश करें। सहमति न बने तो सिविल कोर्ट में बंटवारे के लिए Partition Suit दायर करें। किसी अनुभवी संपत्ति वकील से सलाह लें।

छोटी बचत के लिए आरडी एक बेहतर विकल्प

रेकरिंग डिपॉजिट (RD) एक प्रकार की निवेश योजना है, जो लोगों को नियमित रूप से छोटी-छोटी बचत करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसमें निवेशक एक निश्चित समय अवधि (जैसे 6 महीने से 10 साल तक) के लिए हर महीने एक तय राशि जमा करते हैं। इस पर ब्याज दर बचत खाते की तुलना में ज्यादा होती है। अवधि पूरी होने के बाद निवेशक को उसकी जमा की गई कुल राशि के साथ ब्याज भी वापस मिल जाती है।

RD के फायदे

- **नियमित बचत की आदत:** यह हर महीने एक निश्चित राशि जमा करने की आदत को बढ़ावा देता है, जिससे वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है।
- **उच्च रिटर्न:** बचत खाते की तुलना में RD पर ज्यादा ब्याज मिलता है, जिससे आपकी बचत तेजी से बढ़ती है।
- **सुरक्षित निवेश:** यह बैंक और पोस्ट ऑफिस द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक सुरक्षित निवेश विकल्प है, जिसमें आपके पैसे के डूबने का कोई जोखिम नहीं होता।
- **लचीलापन:** आप अपनी सुविधा के अनुसार निवेश की राशि और अवधि चुन सकते हैं। आप 100 रुपए जैसी छोटी राशि से भी RD शुरू कर सकते हैं।
- **कर्ज की सुविधा:** कई बैंक RD पर जमा राशि के 90% तक का कर्ज देते हैं, जो आपातकालीन स्थिति में काम आ सकता है।
- **पूर्वनिर्धारित लक्ष्य:** छोटे व मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक शानदार तरीका है, जैसे गाड़ी खरीदना या छुट्टियों पर जाना।

कानूनी सलाह

चेक बाउंस होने पर हो सकती है परेशानी, समझें कैसे?

राजकुमार शर्मा
अधिवक्ता
Patrika.com

चेक बाउंस होने पर गंभीर कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा है उनको जेल भी जाना पड़ा है। ऐसे में आप समझ सकते हैं यदि आप लोन लेते हुए सिक्योरिटी या अन्य लेन-देन के बदले चेक देने में कितना सावधान रहना चाहिए व लापरवाही की वजह से गंभीर कानूनी पेचीदगियों में फंस सकते हैं। जेल जाना पड़ सकता है, जुर्माना और प्रतिष्ठा की हानि भी हो सकती है। भारतीय कानून में, एनआइ एक्ट की धारा 138 चेक बाउंस को अपराध मानती है। अगर कोई चेक (कर्ज चुकाने या सिक्योरिटी के रूप में दिया गया) बाउंस होता है (अपर्याप्त बैलेंस, सिग्नेचर मिसमैच आदि कारणों से), तो चेक प्राप्तकर्ता कार्रवाई कर सकता है। चेक जारी करने से पहले खाते में पर्याप्त बैलेंस रखें। अगर बैलेंस कम है, तो पोस्ट-डेटेड चेक दें, लेकिन एग्रीमेंट में स्पष्ट करें। चेक देने पर रिसीट लें, जिसमें चेक नंबर, डेट और उद्देश्य लिखा हो। अगर चेक बाउंस का नोटिस आए, तो कानूनी सलाह भी लेनी चाहिए।

यह रखें सावधानियां

चेक देने से पहले लोन की शर्तें (अमाउंट, ब्याज, रीपेमेंट डेट) लिखित में (प्रॉमिसरी नोट या लोन एग्रीमेंट) दर्ज करें। स्टैंप पेपर पर साइन करवाएं और गवाह रखें। इससे विवाद में सबूत मिलेगा। चेक पर डेट, अमाउंट (शब्दों और अंकों में), पेयी का नाम साफ लिखें। 'अकाउंट पेयी ओनली' क्रॉस करें ताकि चेक सिर्फ बैंक खाते में ही ट्रांसफर हो सके। ब्लैंक चेक न दें–यह जोखिमपूर्ण है।

उद्योग ज्ञान | प्राकृतिक उत्पाद को प्रॉफिट के अवसर में बदलें

डिहाइड्रेशन बिजनेस में गोल्डन अवसर

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, फलों या पत्तियों को मशीन से सुखाकर (डिहाइड्रेशन) खरा या पाउडर बनाकर बेचने का बिजनेस एक लाभदायक उद्यम है। साल 2026 में यह बाजार 15-20% कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट (CAGR) से बढ़ रहा है। हैल्थ अवेयरनेस व ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है। स्टार्टअप लागत 5-20 लाख रुपए और प्रॉफिट मार्जिन 30-50% तक हो सकता है।

1. शुरुआती कदम

प्लानिंग और रिसर्च: मार्केट सर्वे करें–फोकस आंवला पाउडर, तुलसी पत्ती, नीम पाउडर जैसे प्रोडक्ट्स पर। कच्चा माल लोकल फार्मर्स से खरीदें (AYUSH प्रमोटेड हर्बल गार्डन्स से)। **बिजनेस प्लान बनाएं:** निवेश, प्रोडक्शन, मार्केटिंग।

2. कॉस्ट और फंडिंग

शुरुआती निवेश: मशीनें 3-10 लाख रु., रॉ मटैरियल 1-2 लाख रु., मार्केटिंग 50,000 रु.। फंडिंग: Mudra लोन, Startup India, AYUSH सब्सिडी (25-50% मशीनों पर)।

3. इंफ्रास्ट्रक्चरर सेटअप

500-1000 sqft स्पेस, मशीनें: फूड डिहाइड्रेटर, ग्राइंडर/पुल्वराइजर, पैकेजिंग मशीन। कच्चा माल वॉश, स्लाइस, ड्राई, फिर पाउडर बनाएं। 2-5 लोग का स्टाफ से शुरुआत करें।

4. रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस

प्रोप्राइटरशिप/LLP/प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रजिस्टर करें (ROC से)। मुख्य लाइसेंस: AYUSH मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस AYUSH पोर्टल से GMP कंप्लायंस जरूरी)। FSSAI लाइसेंस अगर फूड कैटेगरी में। GST रजिस्ट्रेशन अनिवार्य। ट्रेडमार्क (IP India से) और FPO लाइसेंस (फ्रूट प्रोसेसिंग के लिए) लें। थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरिंग चुनें अगर खुद प्लांट न सेटअप करें।

5. मांग और सेल्स स्ट्रेटजी

डाइटरी सप्लिमेंट्स, फूड इंडस्ट्री (बेकरी, जूस), फार्मास्यूटिकल्स, एक्सपोर्ट (US/Europe)। लोकल हैल्थ स्टोर्स, योग सेंटर्स में। ऑनलाइन भी सेल कर सकते हैं।

(ये विशेषज्ञों के विचार हैं। अच्छी तरह सोच-समझकर और विशेषज्ञों की राय लेकर ही निवेश व वित्त से जुड़े फैसले लें।)

पाठक भी हमसे जुड़ सकते हैं मनी-मंत्र पेज पर दी गई जानकारी आपको कैसी लगी। सुझाव देने के लिए ***हमें वॉट्सऐप 8955003879 करें।***

*अगर आप तेज चलना चाहते हैं तो अकेले चलिए, लेकिन अगर आप दूर तक जाना चाहते हैं तो सबके साथ चलिए। **-रतन टाटा,** टाटा ग्रुप*

टेक टॉक | इस्तेमाल करने से बचें

आपको परेशानी में डाल सकता है ऑटो-फिल फीचर

आशीष खंडेलवाल
तकनीकी एक्सपर्ट एवं ब्लॉगर
Patrika.com

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

ऑटो-फिल फीचर से इंटरनेट पर फॉर्म भरना आसान हो जाता है–नाम, पता, फोन नंबर, लॉगिन डिटेल्स और कभी-कभी क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी बस एक क्लिक में भर जाती है। ब्राउजर का यह ऑटो-फिल फीचर हमारी दिनचर्या को तेज और सुविधाजनक बनाता है। लेकिन कई बार यही सुविधा कंप्यूटर का सबसे बड़ा जोखिम बन सकती है?

खतरनाक क्यों?

यह हैकर्स के लिए डेटा चुराने का आसान जरिया बन सकता है। धोखेबाज वेबसाइट CSS से हिडन इनपुट फील्ड छिपा देती हैं। छिपे फील्ड में भी ईमेल, फोन, पता और कार्ड डिटेल्स बिना चेतावनी सीधे हमलावर तक पहुंच जाती हैं।

जावास्क्रिप्ट से धोखा

ब्राउजर अलग-अलग तरीके से ऑटो-फिल करते हैं। कुछ में सब कुछ अपने आप भर जाता है तो कुछ में कंफर्मेशन मांगते हैं, लेकिन जावास्क्रिप्ट की मदद से इन्हें भी धोखा दिया जा सकता है।

बचने के उपाय

अनावश्यक बंद करें: पेमेंट जानकारी और पता जैसे फील्ड्स के लिए ऑटो-फिल पूरी तरह डिसेबल कर दें।
मैनुअल फिल अपनाएं: पासवर्ड मैनेजर में ऑटोमैटिक इंजेक्शन नहीं, मैनुअल या कॉपी-पेस्ट का इस्तेमाल करें।
डिवाइस सुरक्षा बढ़ाएं: पीसी को अनलॉक न छोड़ें, पब्लिक वाई-फाई पर वीपीएन और ब्राउजर से लॉगआउट रहें।
ग्रैनुलर कंट्रोल: अधिकांश ब्राउजर बताते हैं कि कौन से फील्ड याद रखे जाएं और कब भरे जाएं–इन सेटिंग्स का सही इस्तेमाल करें।

सुरक्षित नहीं

ऐसा मानना है कि थर्ड-पार्टी पासवर्ड मैनेजर ज्यादा सुरक्षित हैं, लेकिन फिशिंग में ये भी धोखा खा सकते हैं। नकली लॉगिन पेज पर अनुमति देने से ऑटो-फिल डेटा लीक हो जाता है।

साइबर अटैक | एआइ डीपफेक फ्रॉड से लाखों का नुकसान

सुरक्षा पर बढ़ता बायोमेट्रिक आइडेंटिटी स्कैम का खतरा

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

बायोमेट्रिक आइडेंटिटी स्कैम एक प्रकार का साइबर फ्रॉड है जिसमें फिंगरप्रिंट, आइरिस स्कैन, फेशियल रिकग्निशन जैसी बायोमेट्रिक डेटा को चुराकर या नकली बनाकर पहचान की चोरी की जाती है। भारत में आधार कार्ड से जुड़े AePS (Aadhaar-enabled Payment System) फ्रॉड सबसे आम हैं, जहां 2026 में AI और डीपफेक टूल्स से फ्रॉड बढ़ रहा है। यह स्कैम बैंक अकाउंट्स, सरकारी लाभ या ऑनलाइन सर्विसेस को प्रभावित करता है, जिससे लाखों का नुकसान हो सकता है। IRDAI और RBI के अनुसार, ऐसे फ्रॉड में 20-30% वृद्धि देखी गई है।

कैसे होता है?

फ्रॉडस्टर्स फिंगरप्रिंट क्लोनिंग के लिए सिलिकॉन मोल्ड या जेलाटिन का इस्तेमाल करते हैं, जहां वे आपके फिंगरप्रिंट को चुराकर अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन करते हैं। डीपफेक व सिंथेटिक आइडेंटिटी अटैक्स में AI से नकली फेस या वॉयस बनाते हैं, जो वेरिफिकेशन सिस्टम को धोखा देते हैं। फिशिंग स्कैम में वे सरकारी अपडेट या बेनिफिट रिलीज के बहाने बायोमेट्रिक डेटा मांगते हैं। ATM स्किमिंग या मालवेयर से डेटा चोरी होती है। कई बार वे आपको अपने फोन में हैंडलिंग संबंधी जानकारी लेने के लिए अपना फोन देते हैं। जिससे आपका फिंगरप्रिंट कैमरे फेस व आखों से आपकी जानकारी चोरी हो जाती है।

बायोमेट्रिक फ्रॉड में फिंगरप्रिंट क्लोनिंग या डीपफेक से आधार और बैंक अकाउंट हैक हो सकते हैं।

कैसे बच सकते हैं?

- **बायोमेट्रिक लॉक:** UIDAI या mAadhaar से बायोमेट्रिक्स लॉक करें, अनऑथराइज्ड यूज न हो।
- **ट्रस्टेड सर्विस पॉइंट्स:** केवल ऑथराइज्ड बैंक या CSC सेंटर्स पर बायोमेट्रिक्स दें।
- **लिवनेस डिटेक्शन:** फेस रिकग्निशन ऐप्स में लिवनेस चेक (मोशन डिटेक्शन) वाले इस्तेमाल करें, डीपफेक से बचाव के लिए।
- **OTP अलर्ट:** अनरेक्वेस्टेड OTP न शेयर करें; तुरंत 1947 पर रिपोर्ट करें।
- **मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन:** बायोमेट्रिक्स के साथ पासवर्ड या PIN जोड़ें।
- **सॉफ्टवेयर अपडेट:** डिवाइस और ऐप्स अपडेट रखें, मालवेयर से बचाव के लिए।
- **मॉनिटरिंग:** ट्रांजेक्शन अलर्ट ऑन रखें, संदिग्ध गतिविधि पर फ्रीज करें।

फ्रॉड हो जाए तो तुरंत मामला दर्ज करवाएं

अनसॉलिसिटेड कॉल्स/मैसेज पर बायोमेट्रिक्स न शेयर करें। पब्लिक वाई-फाई पर संवेदनशील ऐप्स न यूज करें। बच्चों/बुजुर्गों को शिक्षित करें। अगर फ्रॉड हो, UIDAI हेल्पलाइन 1947 या साइबर क्राइम पोर्टल पर FIR दर्ज करें। मल्टी-मोडल वेरिफिकेशन (डॉक्यूमेंट + बायोमेट्रिक + बिहेवियरल) वाले सिस्टम चुनें। रेगुलेटर्स RBI/UIDAI बायोमेट्रिक सिक्योरिटी को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत सतर्कता जरूरी है। ध्यान रखें, बायोमेट्रिक्स सुविधाजनक हैं, लेकिन सावधानी से इस्तेमाल करें।

टेक ज्ञान

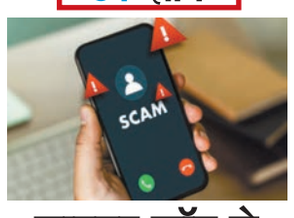

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए कॉल स्पुफिंग समझें

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

कॉल स्पूफिंग एक प्रकार की साइबर धोखाधड़ी है, जिसमें कॉल करने वाला व्यक्ति अपनी असली पहचान छिपाकर किसी दूसरे नंबर या नाम से कॉल करता है। कॉलर आइडी पर बैंक, पुलिस, सरकारी विभाग या किसी परिचित का नंबर दिख सकता है, जिससे कॉल विश्वसनीय लगती है।

कॉल स्पूफिंग कैसे?

फ्रॉड करने वाले इंटरनेट आधारित सॉफ्टवेयर और VoIP तकनीक का उपयोग कर कॉलर आइडी को बदल देते हैं। इससे रिसीवर को ऐसा लगता है कि कॉल किसी भरोसेमंद स्रोत से आ रही है।

कॉल स्पूफिंग से खतरा

इसका मुख्य उद्देश्य लोगों से OTP, बैंक डिटेल्स, आधार जानकारी या पैसे ठगना होता है। कई बार डर या लालच देकर ठगी की जाती है।

कॉल स्पूफिंग से कैसे बचें?

अनजान कॉल पर जानकारी न दें, OTP शेयर न करें, इसकी शिकायत 1930 या साइबर पोर्टल पर करें।

टेक अलर्ट

अब संभलकर बनाएं AI से कंटेंट, समझें नए नियम

भारत सरकार ने 20 फरवरी 2026 से लागू IT (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) अमेंडमेंट रूल्स, 2026 के जरिए एआइ जनित कंटेंट को रेगुलेट करने का फ्रेमवर्क पेश किया है। गजट नोटिफिकेशन G.S.R. 120(E) के तहत ये नियम डीपफेक वीडियो, सिंथेटिक ऑडियो और विजुअल्स पर फोकस करते हैं। इसका उद्देश्य नकली कंटेंट व मिसयूज को रोकना है।

नियमों का केंद्र बिंदु: नियम मुख्य रूप से 'सिंथेटिकली जनरेटेड इंफॉर्मेशन' (SGI) पर हैं। प्लेटफॉर्म्स (जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब) को SGI को स्पष्ट रूप से लेबल करना होगा, ताकि यूजर्स तुरंत पहचान सकें। मेटाडेटा और यूनिक आइडेंटिफायर एम्बेड करने जरूरी हैं, जो कंटेंट को उसके स्रोत तक ट्रेस करने में मदद करेंगे।

AI-जनित कंटेंट की परिभाषा: कोई भी ऑडियो, विजुअल या ऑडियो-विजुअल कंटेंट जो कंप्यूटर संसाधनों से बनाया या संशोधित किया गया हो, असली जैसा दिखे। इसमें डीपफेक शामिल हैं।

किसे मिलेगी छूट: कलर करेक्शन, नॉइज रिडक्शन, कंप्रेशन या ट्रांसलेशन को छूट, बशर्ते मूल अर्थ न बदले। रिसर्च पेपर्स, PDF, प्रेजेंटेशन को छूट।

समय-सीमा में बदलाव: कार्रवाई का समय कम किया गया: 36 घंटे से 3 घंटे, 15 दिन से 7 दिन, 24 घंटे से 12 घंटे। तेज रिस्पॉन्स सुनिश्चित होगा।

लेबलिंग और वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी: अपलोड से पहले प्लेटफॉर्म यूजर्स से पूछेंगे कि कंटेंट AI-जनित है या नहीं। सेल्फ-डिक्लेरेशन, ऑटोमेटेड टूल्स से क्रॉस-वेरिफाई करना होगा।

स्मार्ट नॉलेज

बिल्डिंग की लिफ्ट बन जाती है नो-सिग्नल जोन, समझें इसकी वजह

अक्सर लिफ्ट में फोन का सिग्नल गायब हो जाता है या इतना कमजोर पड़ जाता है कि कॉल या इंटरनेट इस्तेमाल मुश्किल हो जाता है। आधुनिक स्मार्टफोन और टेलीकॉम नेटवर्क कितने भी एडवांस क्यों न हों, लिफ्ट जैसी जगहों में सिग्नल ब्लॉक हो जाता है। इसका मुख्य कारण लिफ्ट की निर्माण सामग्री और डिजाइन है।

निर्माण सामग्री है बड़ी वजह

लिफ्ट वाली जगह आमतौर पर ईंट, कंक्रीट व स्टील से बनी होती है। ये सामग्रियां इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स (जो मोबाइल सिग्नल के लिए इस्तेमाल होती हैं) को अवशोषित या परावर्तित कर देती हैं। स्टेनलेस स्टील का कैबिनेट एक तरह का फराडे केज (Faraday Cage) बनाता है, जो सिग्नल को अंदर आने से रोकता है। कैबिनेट की दीवारें कई परतों वाली होती हैं–स्टील के साथ कालीन, टाइल्स, लैमिनेट, रॉक शीट या वॉलपेपर लगे होते हैं। ये अतिरिक्त परतें सिग्नल को और कमजोर कर देती हैं। ठीक वैसे ही जैसे ये सामग्रियां बारिश, ओले या बर्फ को रोकती हैं, वैसे ही मोबाइल सिग्नल को भी ब्लॉक करती हैं।

नेटवर्क बूस्टर का काम कितना प्रभावी?

- **नेटवर्क बूस्टर** (सिग्नल रिपीटर) लिफ्ट में हमेशा कारगर नहीं होते। अगर लिफ्ट शाफ्ट में दो-तीन से ज्यादा लिफ्टें हैं या शाफ्ट इमारत के बीच में है, तो बूस्टर सिग्नल पहुंचाने में मुश्किल महसूस करता है।
- **हालांकि,** अगर लिफ्ट शाफ्ट इमारत की बाहरी दीवार के पास है या खुली जगह की ओर है, तो बूस्टर बेहतर काम कर सकता है। सफलता नेटवर्क बूस्टर की क्वालिटी, क्षमता व शाफ्ट के स्ट्रक्चर पर निर्भर करती है। ज्यादातर लिफ्ट में बूस्टर पूरी तरह सॉल्यूशन नहीं बन पाता।

सिग्नल न आए तो क्या करें?

- **लिफ्ट** में सिग्नल न आने पर घबराएं नहीं। सबसे अच्छा तरीका है धैर्य रखना और लिफ्ट से बाहर निकलकर कॉल या डेटा इस्तेमाल करना।
- **अगर** आप लिफ्ट में फंस जाएं और मोबाइल नेटवर्क काम न करे, तो लिफ्ट के अंदर लगा इंटरकॉम इस्तेमाल करें। ज्यादातर आधुनिक लिफ्टों में यह बटन होता है, जो सीधे बिल्डिंग के सिक्योरिटी या मेंटेनेंस रूम से जुड़ा होता है।
- **कुछ** लिफ्टों में SOS बटन या डायरेक्ट कॉल फीचर भी होता है। तुरंत दबाएं और मदद मांगें। लिफ्ट में सिग्नल की समस्या के दौरान सावधानी बरतें और इमरजेंसी में इंटरकॉम पर भरोसा करें।

टेक टिप्स

होली पर मोबाइल की सुरक्षा जरूरी

होली के रंग, गुलाल और पानी मोबाइल के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। थोड़ी-सी लापरवाही से स्क्रीन, स्पीकर या चार्जिंग पोर्ट खराब हो सकता है, सावधानी जरूरी है।

- **वॉटरप्रूफ कवर:** होली खेलने से पहले मोबाइल को वॉटरप्रूफ पाउच या जिप-लॉक कवर में रखें। संभव हो तो मोबाइल को घर पर ही रख दें।
- **गीले हाथों से न छुएं:** रंग लगे या गीले हाथों से मोबाइल इस्तेमाल से स्क्रीन खराब हो सकती है। कॉल या फोटो लेने से पहले हाथ साफ व सूखे कर लें।
- **पोर्ट व स्पीकर की सुरक्षा:** चार्जिंग पोर्ट, स्पीकर व ईयरफोन जैक में रंग या पानी चला जाए तो तुरंत मोबाइल बंद कर दें और सूखे कपड़े से साफ करें। पूरी तरह सूखे बिना चार्ज न करें।
- **चार्जिंग से बचें:** होली के दौरान मोबाइल को चार्ज पर न लगाएं और पावर बैंक का इस्तेमाल भी कम करें।
- **डाटा बैकअप रखें:** होली से पहले जरूरी फोटो, कॉन्टैक्ट व फाइल्स का बैकअप ले लें, ताकि नुकसान होने पर परेशानी न हो।

खबर संक्षेप

हरियाणा के महंत हत्याकांड में मास्टरमाइंड समेत दो पकड़े

नई दिल्ली। अशोक विहार पुलिस ने हरियाणा के भिवानी स्थित नांगल गांव में श्रीनाथ डेरे के महंत योगी चंबानाथ की अगवा कर हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम सुरेंद्र (24) और चिराग पांचाल (22) बताये गये हैं। दोनों आरोपी वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र इलाके में एक फैक्ट्री में लूटपाट की योजना बनाकर उसकी रेकी कर चुके थे। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, दो चाकू, एक खिलौना पिस्टल, लाल मिर्च पाउडर व अन्य सामान बरामद किया है। महंत की अक्टूबर 2025 में गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि दो बदमाश लूटपाट के इरादे से वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से कई हथियार मिले। जांच में पता चला कि सुरेंद्र हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है। दरअसल हत्या डेरे की गद्दी कब्जाने के मकसद से की गई थी। यह डेरा हरियाणा राज्य के जिला भिवानी स्थित नांगल गांव में लगभग आठ एकड़ पंचायत भूमि पर स्थित है। करीब 18 साल से महंत यहां अकेले रहते थे। इन लोगों ने पहले महंत से चेला बनाने की गुहार लगाई। मना करने पर आरोपियों ने महंत को अगवा कर उनकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

काला जठेड़ी और ओम प्रकाश गैंग का बदमाश अरेस्ट

नई दिल्ली। द्वारका एएटीएस ने काला जठेड़ी व ओम प्रकाश गैंग के एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। मनीष उर्फ मिशु (19) ने अपने एक जानकार से करीब 16-17 दिन पहले तीन पिस्टल व 10 कारतूस खरीदे थे। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पूछताछ में इसने बताया कि वह गैंग के अन्य सदस्यों को हथियार सप्लाई करता था। पुलिस ने इसके पास से दो पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार एएटीएस स्टाफ को जिले और आसपास के इलाकों में चल रहे ऑर्गेनाइज्ड क्रिमिनल गैंग्स और उनकी गतिविधियों पर रोक लगाने का काम सौंपा गया था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि द्वारका नाला रोड, मेट्रो पिलर नंबर पी-9, हरि विहार के पास बदमाश पहुंचेगा। ट्रैप लगा संदिग्ध बदमाश को पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर दो पिस्टल व पांच कारतूस बरामद हुये। आरोपी ने पुलिस को बताया कि एक मामले में वह जेल में बंद हुआ था। इसी दौरान उसकी मुलाकात गैंगस्टर ओम प्रकाश उर्फ काला झरोड़िया से हुई। इसके बाद वह उसके लिए काम करने लगा।

मुख्यमंत्री ने जीटीबी अस्पताल में नए ओपीडी भवन का किया शिलान्यास

मिशन मोड में है दिल्ली का स्वास्थ्य तंत्र, विश्वस्तरीय सुविधाओं से सजेगा हर अस्पताल : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूरी गंभीरता से मिशन मोड में काम कर रही है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जीटीबी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हुए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में 10 बेड के नए मेडिकल आईसीयू वार्ड का उद्घाटन किया, आधुनिक जीआई एचडी वीडियो एंडोस्कोपी सुइट की शुरुआत की और एकीकृत आयुष स्ट्रेस मैनेजमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ भी किया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) में अत्याधुनिक ओपीडी भवन का शिलान्यास भी किया। इस नए ओपीडी भवन के निर्माण से प्रतिदिन इलाज के लिए आने वाले हजारों मरीजों को अधिक सुव्यवस्थित, बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, शाहदरा के विधायक संजय गोयल और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीटीबी अस्पताल में शुरू की गई नई मेडिकल आईसीयू अत्याधुनिक मशीनों और उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा। वहीं जीआई एचडी वीडियो एंडोस्कोपी सुइट के माध्यम से पेट और पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों की जांच अब अधिक सटीक और तेज़ी से हो सकेगी, जिससे शुरुआती चरण में ही बीमारी की पहचान कर उपचार संभव होगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग हजारों मरीजों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव साइलेंट एपिडेमिक बन चुका है, जिससे विद्यार्थी, कामकाजी वर्ग, बुजुर्ग और प्रोफेशनल सभी प्रभावित हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने एकीकृत आयुष स्ट्रेस मैनेजमेंट ओपीडी शुरू करने का निर्णय लिया है, जो आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, बी.आर. सूर कॉलेज, ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद संस्थान और आईएचबीएएस में संचालित की जाएगी। यहां योग, लाइफस्टाइल काउंसलिंग और डिजिटल डिटॉक्स जैसे उपायों के माध्यम से माइंड-बॉडी बैलेंस पर काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जीटीबी अस्पताल की लगभग 1,500 बेड की क्षमता को और सुदृढ़ करने के लिए पिछली सरकार के समय अधूरी छोड़ी गई पीछे की बिल्डिंग के निर्माण कार्य को जल्द ही दोबारा शुरू किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नई सुविधाओं से पूर्वी दिल्ली सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र के लाखों लोगों को बेहतर, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा तथा दिल्ली का स्वास्थ्य तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

इहबास को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश और उत्तर भारत का एक प्रमुख केंद्र बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए आधुनिक ओपीडी भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नए भवन के निर्माण से मरीजों को लंबी प्रतीक्षा से राहत मिलेगी और परामर्श, जांच और उपचार की पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुगम हो सकेगी।

दिल्ली की जनता का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी : डॉ. पंकज

इस अवसर पर दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है कि दिल्ली के नागरिकों को सुलभ, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम स्वास्थ्य तंत्र को देश का आदर्श मॉडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली की जनता का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी है। मैं सभी डॉक्टर स्वास्थ्य कर्मियों को कहना चाहता हूं कि आप इसी समर्पण के साथ काम करते रहिए, दिल्ली सरकार हमेशा आपके साथ है।

युवा कांग्रेस प्रमुख की रिहाई से पहले क्राइम ब्रांच ऑफिस में सुरक्षा बढायी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की रिहाई से पहले दिल्ली में क्राइम ब्रांच ऑफिस के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। चिब को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और शनिवार को दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें जमानत दी। चिब की रिहाई की उम्मीद में उनके समर्थक ऑफिस परिसर में पहुंचने लगे थे, जिसके चलते बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। ऑफिस परिसर के बाहर बैरिकेड लगाए गए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा प्रबंध की निगरानी करते रहे। चिब को 24 फरवरी को चार दिवसीय पुलिस हिरासत में भेजा गया था जिसकी अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें ड्यूटी मजिस्ट्रेट वंशिका मेहता के समक्ष पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उनकी हिरासत सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन मजिस्ट्रेट ने इस अनुरोध को खारिज करते हुए उन्हें जमानत दे दी। पुलिस ने कहा कि लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मांस निर्यात कारोबार में 1.37 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने मांस निर्यात व्यवसाय में निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से लगभग 1.37 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहसिन मोहम्मद (36) न्यू राजेंद्र नगर से पकड़ा गया।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में अर्जुन अरोड़ा द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मोहम्मद ने खुद को दुबई में व्यावसायिक संबंधों वाला, बड़े पैमाने का मांस निर्यातक बताकर उसे भारी राशि निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपी ने उसे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक अत्यंत लाभकारी निर्यात कारोबार चलाने का झांसा दिया था और निवेश करने पर उच्च मुनाफा मिलने की बात कही थी। मोहम्मद ने शिकायतकर्ता के पिता के खाते से 67.70 लाख रुपये प्राप्त किए। आरोपी ने कथित व्यापार विस्तार के हिस्से के रूप में शिकायतकर्ता को अपने सहयोगियों के माध्यम से दुबई में 80,000 अमेरिकी डॉलर की व्यवस्था करने के लिए भी राजी किया। विश्वास हासिल करने और कानूनी कार्रवाई में देरी करने के लिए आरोपी ने कथित तौर पर दो निजी बैंकों के चेक जारी किए, जबकि वह जानता था कि पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में मिली एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम ने न्यू राजेंद्र नगर से मोहम्मद को गिरफ्तार किया। मोहम्मद ने इसी तरह के तौर-तरीकों का इस्तेमाल कर कुछ अन्य लोगों से भी ठगी की थी। वह अपराध करने के बाद से फरार था और जांच में शामिल होने से बच रहा था। पहले 2021 में मोहम्मद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज एक मामले में भी शामिल था। अन्य सह-आरोपियों का पता लगाने और ठगी गई रकम बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

मॉडल टाउन में दुकानदार से हथियार के बल पर 14 लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में तीन अज्ञात बदमाशों ने 22 वर्षीय दुकानदार से बंदूक और चाकू के बल पर 14 लाख रुपये लूट लिए। घटना के संबंध में शुक्रवार को मॉडल टाउन थाने में पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस को महेंद्रू एन्क्लेव निवासी शिकायतकर्ता कार्तिक ने बताया कि वह अपनी दुकान के अंदर फिल्म देख रहे थे। तभी तीन अज्ञात व्यक्ति आधार में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराने के बहाने दुकान में घुस आए। शिकायत में कहा गया कि आरोपियों में से एक ने दुकान का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया, जबकि दूसरे ने दुकानदार की कनपटी पर पिस्तौल तान दी और तीसरे व्यक्ति ने उनकी गर्दन पर चाकू रखकर नकदी की मांग की। इसके बाद तीनों 14 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

एलजी ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर किया उन्हें कोटि-कोटि नमन

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति व भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। उपराज्यपाल ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का संपूर्ण जीवन देशसेवा, जनसेवा, त्याग, निष्ठा कर्तव्यपरायणता और सादगी की अनूठी मिसाल है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद आज भी भारत के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का अनमोल स्रोत है। उनके जीवनकाल में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण तक में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। एलजी ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन से हमें नई दिशा और दशा मिलती है। इसलिए हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर, स्वयं को राष्ट्र सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित करने का प्रण लेना चाहिए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अर्जुन कुमार मौर्य पुत्रः** राम कुमार **पताः** खं. नंबर 29/23 एस गली नंबर –12 सुरेंदर कॉलोनी एक्सटेंशन पार्ट–2 झड़ौदा माजरा माता मंदिर बुराड़ी के पास दिल्ली, ने **Ct No. 2326/21 U/s 138 NI Act थानाः मुखर्जी नगर, जिला उत्तर–पश्चिम, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct No. 2326/21 U/s 138 NI Act थानाः मुखर्जी नगर, जिला उत्तर–पश्चिम, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
एलडी. एसीजेएम (एन) रूम नंबर 117
रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/2538//NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **संजीव कुमार उर्फ संदीप, पुत्रः श्री मनपाल, निवासीः 2101/1बी, गली नंबर 12–13, मेन रोड, प्रेम नगर, थाना पटेल नगर, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.142/2016 U/S 279/337/338 IPC & 5/180 MV ACT** के तहत एक मामला **थाना डी.बी गुप्ता रोड, केंद्रीय जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.142/2016 U/S 279/337/338 IPC & 5/180 MV ACT, थाना डी.बी गुप्ता रोड, केंद्रीय जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 01.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री हर्षिता मिश्रा,
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, केंद्रीय,
कमरा नंबर 38, ग्राउंड फ्लोर,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/2622/CD/2026
(अदालती मामला)

डीएमआरसी डिपो से केबल चोरी के आरोप में तीन धरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के आजादपुर में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) डिपो से केबल और अन्य उपकरण चोरी करने के आरोप में एक कबाड़ व्यापारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस की मेट्रो इकाई के अनुसार चोरी का पता 26 फरवरी को तब चला जब केंद्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से उच्च सुरक्षा वाले डिपो परिसर के अंदर एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा और स्थानीय पुलिस को सतर्क किया। सत्यापन के दौरान एक टीम ने पाया कि डिपो के आवास ब्लॉक से लगभग 100 मीटर सिग्नलिंग केबल, 60 मीटर मशीन केबल, चेक प्लेट और एक पानी का मीटर चोरी किया गया था। इस संबंध में आजादपुर मेट्रो थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने सबसे पहले अली अहमद (25) और सनवर (24) को गिरफ्तार किया। इन दोनों की निशानदेही पर कबाड़ व्यापारी बकसूद हुसैन (66) को गिरफ्तार किया गया।

पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के बाद फरार व्यक्ति राजस्थान से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को समयपुर बादली इलाके में अपनी पत्नी और तीन बच्चियों की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मुंचुन केवट ने बुधवार को अपने घर में ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। इसे राजस्थान के किशनगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार केवट का पता लगाने के लिए लगभग 15 पुलिस टीम गठित की गई थीं। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक टीम ने राजस्थान में उसकी गतिविधियों का पता लगाया, जिसके परिणामस्वरूप उसे गिरफ्तार किया गया। उसे आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया गया है। पुलिस हत्याओं के पीछे के मकसद की जांच कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की छानबीन कर रही है।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी चुनावों के लिए शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट हर समय तैयार: कालका

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट, गुरुद्वारा चुनावों के लिए पूरी तरह व हर समय तैयार है। यह चुनाव पार्टी संगत के सहयोग से शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट ऐतिहासिक बहुमत के साथ जीतेगी। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि उनकी पार्टी अदालत द्वारा चुनाव करवाने के लिए दिए गए निर्देशों का खुले दिल से स्वागत करती है और हमेशा संगत के सहयोग से ये चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। पहले से ही हम चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन विरोधी चाहते थे कि लोगों की पूरी वोटें न बनें। उन्होंने कहा कि अदालत जिस भी तरीके से चुनाव कराएगी, हम हर स्थिति में तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पिछले समय में संगत के सहयोग से मौजूदा टीम ने संगत की सेवा के लिए बहुत अच्छे कार्य किए हैं। न केवल गुरुद्वारा प्रबंधन के लिए बल्कि मानवता की सेवा के लिए भी सराहनीय काम किए हैं, जो संगत के सामने हैं। उन्होंने कहा कि वे अच्छी तरह समझते हैं कि अभी तक 50 प्रतिशत से अधिक संगत की वोटें बननी बाकी हैं। उन्होंने संगत से अपील की कि वे अपने-अपने फॉर्म भरकर रखें और इस संबंध में पूरी कोशिश करेंगे ताकि संगत की वोट बन सकें। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य से वे संगत के साथ मिलकर हर संभव प्रयास करेंगे, ताकि योग्य मतदाता अपनी वोट बनवा सकें।

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा– 131039
सिपेट CIPET
एआईसीटीई स्वीकृत AICTE Approved
फोन : 0130–2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वैबसाईट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130–2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in
उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड Excellent Placement Record
सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए प्रवेश
CIPET- Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2026-27
सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2026 / CIPET ADMISSIONTEST-2026
Apply Online: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/ ऑनलाइन आवेदन करें: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/

क्रम. संख्या Sl.No.	पाठ्यक्रम का नाम Name of Course	पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration	प्रवेश योग्यता Entry Qualification
01.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
02.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
03.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी–पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT)	2 वर्ष 2 year	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3 year Degree in Science
04.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाईन विथ कैड/कैम (पीडी – पीएमडी विथ कैड/कैम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM)	1 1/2 वर्ष 1 1/2 year	मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/ उत्पादन/ मेकाट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाईल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इंस्ट्रूमेंनटेशन इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses
कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रावास
No Age Bar | Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां CIPET ADMISSION TEST (CAT)	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत तिथि Date of opening for CAT Online application submission	15.12.2025
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission	28.05.2026
	सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India	07.06.2026

संपर्क सूत्र : 9466146015, 9066356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :–2025–26/26 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

एमसीडी के पास नहीं है डीबीसी कर्मियों की भर्ती का रिकॉर्ड

दया राम ⏭ नई दिल्ली

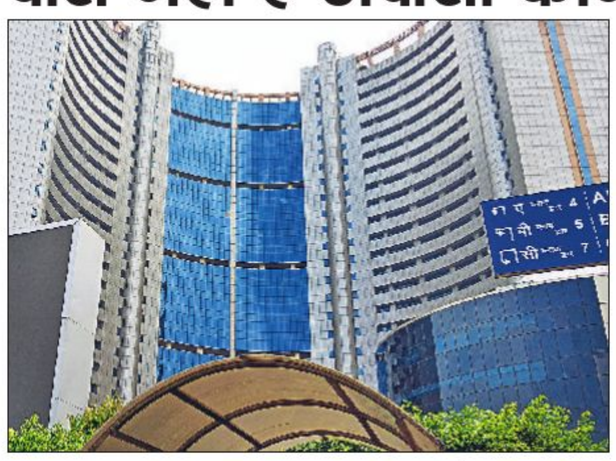

■ आरटीआई से हुआ खुलासा, प्रशासन की कार्यशैली पर उठ रहे हैं सवाल

दिल्ली में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हैजा जैसी जल जनित बीमारियों से बचाने में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एमटीएस (डेंगू ब्रीडिंग चेकर्स-डीबीसी) कर्मियों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। यह खुलासा सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है। जिसके बाद अब प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। बता दें कि एमसीडी के जन-स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त हाजिरी घोटाले की पोल जब पूर्व कर्मचारी ने खोली तो जन-स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारियों ने कर्मचारी को टर्मिनेट कर दिया। अपनी बहाली को दर्जनों बार निगम मुख्यालय के चक्कर काटने के बाद पूर्व कर्मचारी ने 1996 से लेकर डीबीसी की भर्ती, नियुक्ति शर्तों और टर्मिनेशन से जुड़ी मुख्य जानकारियां मांगी तो जन स्वास्थ्य विभाग ने "रिकॉर्ड में संकलित रूप में उपलब्ध नहीं है" होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया है। आरटीआई अधिनियम के तहत मांगी गई इस जानकारी पर विभाग का यह जवाब पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सात प्रश्नों के जवाब में लिखा गया 'रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है'

आवेदक ने आरटीआई के माध्यम से वर्ष-वार विवरण मांगा था कि 1996 से कब-कब डीबीसी की भर्ती हुई, वे कॉन्ट्रैक्ट पर थे या नियमित पदों पर, भर्ती किस विभाग द्वारा की गई, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की प्रतियां, भर्ती के नियम-शर्तें, कॉन्ट्रैक्ट आदेशों की प्रतियां, कितने कर्मियों को टर्मिनेट किया गया, किन आदेशों से किया गया, तथा टर्मिनेशन के बाद भी सेवा में रखे गए कर्मियों का विवरण। लेकिन विभाग का लगभग हर बिंदु पर जवाब एक जैसा रहा कि "वांछित सूचना रिकॉर्ड में संकलित रूप में उपलब्ध नहीं है" या "उपलब्ध नहीं है।"

निगम आयुक्त को देना चाहिए विभाग पर विशेष ध्यान

आरटीआई आवेदक का कहना है कि दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार को जन स्वास्थ्य विभाग की तरफ विशेष ध्यान देना होगा। क्योंकि यह जवाब ऐसे समय आया है जब जन-स्वास्थ्य से जुड़े पद खासकर मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम में अहम भूमिका निभाने वाले डीबीसी कर्मियों की जानकारी देने से पल्ला झाड़ा गया है। जबकि ये एमटीएस -डीबीसी कर्मचारी दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। सवाल उठता है कि यदि तीन दशक की भर्ती, नियुक्ति शर्तों और सेवा समाप्ति के आदेशों का संकलित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, तो प्रशासनिक निगरानी और वित्तीय पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की गई?

मुख्यमंत्री ने 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम'का किया शुभारंभ , 90 हजार बच्चों को मिलेगा सीधा लाभ

स्वस्थ और पोषित बच्चे ही विकसित भारत की हैं आधारशिला : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पीएम पोषण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और पोषण अभियान ने देश में पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। स्वस्थ और पोषित बच्चे ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। यह बात शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम' का शुभारंभ करने के अवसर पर कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों के मुस्कुराते चेहरे यह प्रमाणित करते हैं कि पोषण केवल भोजन नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का आधार है। सेवा का यह संकल्प देश की उस सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें अन्नदान को सर्वोच्च पुण्य माना गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, गर्भवती माताओं के पोषण, मिलेट्स के प्रोत्साहन और सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध टीकाकरण जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी पहले स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्था को साधुवाद देते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग के साथ संस्था के साथ दृढ़ता से खड़ी है। देश में मिड-डे मील योजना ने लाखों बच्चों को विद्यालय से जोड़ा और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम' बच्चों को दिन की शुरुआत से ही ऊर्जा और पोषण उपलब्ध कराएगा, जिससे वे पढ़ाई, खेल और अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अक्षय पात्र फाउंडेशन दिल्ली सरकार के लगभग 200 विद्यालयों के साथ मिलकर करीब 90 हजार बच्चों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। राजधानी में संचालित फाउंडेशन की चार अत्याधुनिक रसोइयों के माध्यम से यह भोजन समय पर बच्चों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने इस पहल को बच्चों के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोषण और स्वास्थ्य पर ध्यान देना उपचार से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वस्थ बचपन ही समृद्ध भारत की पहचान है। अक्षय पात्र जैसी संस्थाओं के साथ सरकार का यह साझेदारी मॉडल समाज और शासन के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू, अक्षय पात्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतर्षभ दास, उपाध्यक्ष चंचलपति दास, दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ अटल कैंटीनों में 5 रुपए भोजन उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने भी 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ अटल कैंटीन के माध्यम से श्रमिकों, जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों और असहाय लोगों को मात्र 5 रुपये में भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है। इस दिशा में 100 अटल कैंटीन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 71 कैंटीन प्रारंभ की जा चुकी हैं।

जनता बहाने नहीं, अब चाहती है विकास कार्य : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की जनता ने चुनाव में स्पष्ट संदेश दिया था कि अब वे टकराव नहीं, पारदर्शिता चाहती है, प्रचार नहीं और जवाबदेही चाहती है और अब बहाने नहीं बल्कि विकास कार्य चाहती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को लगातार छठवें दिन अपने प्रवास कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में स्थानीय सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ जनता से चर्चा के दौरान यह बात कही। कार्यक्रम के संयोजक योगेन्द्र चंदोलिया एवं पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के कार्यों की जानकारी दी। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जिस सरकार ने एक के साथ एक मुफ्त शराब की बोतल दी हो क्या वह ईमानदार हो सकती है? बच्चों के स्कूलों में घोटाले करने वाले क्या कट्टर ईमानदार हो सकते हैं? दिल्ली को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो सबको साथ लेकर चले, न कि समाज को बांटकर अपना अस्तित्व बचाए। कट्टरता और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से राजधानी का भला नहीं हो सकता। वहीं, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली देहात के लोगों की ओर से मुख्यमुंत्री रेखा गुप्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र को 40 हजार करोड़ रुपये एवं दिल्ली के गांवों के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपए देकर गांव वालों को बड़ी राहत दी है।

इस मौके पर महरौली जिला अध्यक्ष रविन्द्र सोलंकी और दक्षिणी दिल्ली जिला अध्यक्ष माया सिंह बिष्ट, जिला प्रभारी राजीव बब्बर और जय प्रकाश (जेपी), जिला सह प्रभारी वीरेन्द्र गोयल एवं आदित्य झा, विधायक कैलाश गहलोत, गजेन्द्र यादव, कुलदीप सोलंकी, करतार सिंह तंवर, चंदन कुमार चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह और प्रदेश प्रवक्ता शुभेन्दु शेखर अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और जिला के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लद्दाख से आये छात्रों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रकल्प "एसाईआरयू" द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा के अंतर्गत लद्दाख से आये हुए प्रतिनिधियों को एबीवीपी दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने नम आँखों से अगले पड़ाव हरियाणा के लिए रवाना किया। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने शनिवार को बताया कि दिल्ली पड़ाव के आखिरी दिन सभी प्रतिनिधि राष्ट्रपति भवन में भ्रमण हेतु गए जहाँ अमृत उद्यान और राष्ट्रपति भवन के अशोका हॉल सहित सभी हॉल के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित हुए। भ्रमण के बाद उनका संवाद कार्यक्रम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से रहा। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने लिए एबीवीपी का ये कदम काफी उल्लेखनीय है।

दीक्षांत केवल समापन नहीं, जीवन की नई शुरुआत है : सीपी राधाकृष्णन

■ डीयू 102 वें दीक्षांत समारोह में उप राष्ट्रपति ने जारी की डिजिटल डिग्रियाँ

नई दिल्ली। दीक्षांत केवल समापन नहीं, जीवन की नई शुरुआत है। यह जिंदगी के एक फेज के पूरा होने और दूसरे फेज की शुरुआत, दोनों को दिखाता है। भारत के उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सी.पी. राधाकृष्णन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 102 वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यह दीक्षांत भाषण के दौरान संबोधन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि महान विश्वविद्यालय सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर से नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और विद्यार्थियों में डाले जाने वाले मूल्यों से पहचाने जाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बटन दबा कर 1 लाख, 20 हजार, 408 विद्यार्थियों की डिजिटल डिग्रियाँ भी जारी की। इसके साथ ही मुख्य अतिथि ने 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने हाथों से मेडल भी प्रदान किए। इस अवसर पर बुक ऑफ हाइलाइट्स नामक पुस्तक भी जारी की गई। विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय खेल परिसर में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश हमारा है और इसकी चिंता भी हमें ही करनी होगी। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में बेटियों के अधिक योगदान का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि "हमारी बेटियाँ राष्ट्र की शक्ति और गौरव हैं।"

डीयू के 102 वें दीक्षांत समारोह में कुल 1 लाख, 20 हजार, 408 विद्यार्थियों के साथ ही 734 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां भी प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 132 गोल्ड एवं सिल्वर मेडल तथा पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 112 गोल्ड मेडल एवं एक सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। इसी तरह यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 19 पुरस्कार (सर्टिफिकेट) प्रदान किए गए।

व्यापारियों एवं जनता को शौचालय से मिलेगी बड़ी राहत : जैन

नई दिल्ली। दिल्ली के दरियागंज में व्यापारियों एवं ग्राहकों की सुविधा के लिए खालसा स्कूल के पास नए सार्वजनिक वॉशरूम के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। दिल्ली नगर निगम में मनोनीत निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक सराहनीय एवं महत्वपूर्ण पहल है, जिससे व्यापारियों एवं आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। यह कार्य तरविंदर सिंह मारवाह (विधायक, जंगपुरा) एवं स्वयं के अथक प्रयासों से संभव हो पाया है। जैन ने बताया कि दरियागंज ट्रेडर्स एसोसिएशन की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि असामाजिक तत्वों ने पहले पुराने शौचालय को क्षतिग्रस्त कर दिया था जिसके कारण क्षेत्र के व्यापारियों एवं आमजन को लंबे समय से भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

हाईकोर्ट का आदेश आम जनता की ऐतिहासिक जीत : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को उच्च न्यायालय के आदेश को सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण बताते हुए आम जनता की ऐतिहासिक जीत और आम आदमी पार्टी, कुछ स्वार्थी एनजीओ और निजी स्कूल प्रबंधन के गठजोड़ की हार बताया। शिक्षा मंत्री ने न्यायालय द्वारा 12 मार्च तक फीस वृद्धि पर रोक लगाने के निर्णय को दिल्ली की जनता को फीस-माफिया से सुरक्षा प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। फीस वृद्धि पर न्यायालय की रोक पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री सूद ने कहा कि यह केवल कानूनी जीत नहीं है, बल्कि हमारी सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की विजय है। वर्षों तक दिल्ली के अभिभावकों को मनमानी फीस वृद्धि का सामना करना पड़ा। आज कानून ने न्याय का साथ दिया है। शिक्षा विभाग ने इस मामले को पूरी मजबूती से लड़ा और परिणाम सबके सामने है। 12 मार्च की सुनवाई के बाद स्कूल स्तरीय फीस विनियमन समिति (एसएलएफआरसी) के गठन तक कोई भी बढ़ी हुई फीस लागू नहीं होगी। सूद ने कहा कि यह जीत दिल्ली के अभिभावकों और 'दिल्ली की जनता' की जीत है, जिन्हें इस शोषणकारी गठबंधन से मुक्ति मिली है। सूद ने कहा कि इतिहास में पहली बार न्यायालय ने फीस वापसी/समायोजन की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की है। यदि किसी स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अत्यधिक फीस वसूली है, तो शिक्षा निदेशालय उसकी जांच और समीक्षा करेगा तथा 12 मार्च के बाद, उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन, उसे नियमानुसार नियंत्रित किया जाएगा।

अगले सत्र में भी निजी स्कूलों पर लागू नहीं होगा कानून : सौरभ

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार जिस प्राइवेट स्कूल फीस कंट्रोल एक्ट को दिल्ली के मिडिल क्लास पेरेंट्स के लिए मास्टर स्ट्रोक बता रही थी, वह कानून अगले शैक्षिक सत्र में भी प्राइवेट स्कूलों में बढ़ी फीस पर लागू नहीं होगा। यानी प्राइवेट स्कूल बढ़ी हुई मनमाना फीस मिडिल क्लास पेरेंट्स से वसूलेंगे और पेरेंट्स ये फीस देने के लिए मजबूर होंगे। यह बात दिल्ली सरकार की ओर से कोर्ट में स्थिति साफ करने के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कही। उन्होंने कहा कि कानून को मास्टर स्ट्रोक बताकर रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली के मिडिल क्लास को बड़ा धोखा दिया है। अब सरकार ने इस कानून को अगले शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए भी निष्प्रभावी कर दिया है। शनिवार को भारद्वाज ने कहा कि एक बड़ी खबर है कि प्राइवेट स्कूल मालिकों और भाजपा की दिल्ली सरकार का गठजोड़ शनिवार को हाईकोर्ट में फिर बेनकाब हो गया है।

जनता को 11 साल खून के आंसू रुलाने वाले, खुद कर रहे हैं रोने की एक्टिंग : कपिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की जनता को 11 साल खून के आंसू रुलाने वाले, खुद रोने की एक्टिंग कर रहे हैं। यह बात दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रैसवार्ता में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर प्रहार करते हुए कही। कपिल ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि इतनी ओवरएक्टिंग और नौटंकी तब भी आप कर रहे थे जब तक आप सरकार में थे और आज भी कर रहे हैं। काश, उस समय आपको दिल्ली का दर्द पता लगा होता, समझ में आया होता। काश, आज आपको दिल्ली से कोई सरोकार होता। जहां तक शराब घोटाले की बात है, तो शराब घोटाले में हाई कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। और जब सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की गंभीर टिप्पणियों के बावजूद, आपने अपने आपको गुनहगार नहीं माना और ईमानदारी का नकली मेडल लेकर घूमते रहे, तब आज निचली अदालत के एक आदेश पर, आप इस प्रकार से सेलिब्रेट कर रहे हो। किसको मूर्ख बना रहे हो। क्या यह सच नहीं है कि दिल्ली में जो शराब पॉलिसी आई, जैसे ही उसके ऊपर कंप्लेंट दर्ज हुई, आपने उसको वापस ले लिया। अगर वह शराब की आपकी पॉलिसी ईमानदारी पर आधारित थी, तो उसको वापस क्यों लेना पड़ा। क्या यह सच नहीं है कि जैसे ही जांच करने की बात आई, मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने सैकड़ों मोबाइल फोन तोड़े और यह बात ऑन रिकॉर्ड है। क्या यह सच नहीं है कि जो थोक व्यापारी थे, उनका कमीशन 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत तक कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डीएमआरसी लाई महिलाओं के लिए विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) महिलाओं के लिए खास तौर पर ज्ञानवर्धक विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता लेकर आई है। इसके पीछे डीएमआरसी का मानना है कि इस इंटरनेशनल विमेंस डे 2026 पर महिलाएं अपने ज्ञान को और आगे बढ़ाए। जानकारी अनुसार 2, 3 और 5 मार्च 2026 को डीएमआरसी के ऑफिशियल सोशल मीडिया मंच एक्स हैंडल पर जाकर प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकता है। प्रतियोगिता के तहत इन दिनों रोज एक सवाल पूछा जाएगा जिसका जबाब आनलाइन दिया जाएगा। यह प्रतियोगिता केवल महिलाओं के लिए है इसलिए इसमें पुरुष हिस्सा नहीं ले सकते। महिला यात्री एक्स पर पूछे गए सवाल का जवाब कमेंट बॉक्स में लिखेगी। पहला सही जबाब देने वाली महिला यात्रा को विजयी घोषित किया जाएगा। हर सवाल का सही जवाब देने वाली महिला प्रतिभागी को ही विजेता चुना जाएगा। लेकिन इस पूरी प्रतियोगिता में एक प्रतिभागी सिर्फ़ एक बार ही जीत सकता है। बता दें कि इससे पहले डीएमआरसी ने 2 मार्च 2026 को एक खास पेंटिंग कॉम्पिटिशन आयोजित करने की भी घोषणा की है।

टूरिस्ट टैक्सी ट्रांसपोर्टरों ने किया जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की अगुवाई में जंतर–मंतर पर टूरिस्ट टैक्सी ट्रांसपोर्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट के नेतृत्व में शनिवार को आयोजित हुए इस प्रदर्शन में ट्रांसपोर्टरों ने एक स्वर में सरकार से मांग की है कि लंबे से लंबित पड़ी हमारी सभी मांगां को पूरा किया जाए। इस बारे में संजय सम्राट ने कहा वर्षों से हमारी जायज मांगों की सरकार लगातार अनदेखी कर रही है। यदि अब भी केंद्र और राज्य सरकारें, विशेषकर परिवहन मंत्रालय टूरिस्ट ट्रांसपोर्टरों की बातों को नहीं मानते तो आने वाले समय में हमारे सभी ड्राइवर अपनी बाजू पर काली पट्टी बाँधकर गाड़ियाँ चलाएँगे। संजय ने बताया कि हमारी प्रमुख मांगों में प्राइवेट नंबर वाली बाइक टैक्सियों पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। ऐप बेस्ड टैक्सी का किराया तय होना चाहिए क्योंकि कंपनियां 10 साल से किराया नहीं बढ़ा रहीं, जबकि कमीशन बढ़ा दिया गया है। ड्राइवरों की सुरक्षा और जिम्मेदारी तय की जाए। पैनिक बटन वीएलटीडी का भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए क्योंकि इस विफल सिस्टम के नाम पर 10,000–20,000 तक की वसूली हो रही है।

संगठन ने मांग की है कि बस बॉडी कोड (एआईएस–153) में छूट देते हुए पहले से बनी बसों पर नया कोड लागू करना अनुचित है। ऑल इंडिया परमिट वाहनों के लिए 80 किमी सीमा अनुचित है, इसलिए स्पीड लिमिट डिवाइस की बाध्यता समाप्त की जाए। दिल्ली पंजीकरण वाली टैक्सियों पर एमसीडी का दिल्ली में टोल टैक्स समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी हमारी कई मांगे है जिनका ज्ञापन दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि संगठन व हम किसी राजनीतिक दल से नहीं बल्कि अपने अधिकारों से जुड़े हैं। अगर सरकारें समाधान नहीं करतीं, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप भी ले सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी मांगों का ज्ञापन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा जा चुका है।

एबीवीपी ने द्वारका उत्तर थाने के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के वार्षिकोत्सव के दौरान कॉलेज प्रशासन एवं पुलिस की लापरवाही के कारण छात्रों को हुई परेशानी और दिल्ली पुलिस द्वारा छात्रों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में रका उत्तर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की माँग की जिन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग किया। एबीवीपी दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय के इकाई अध्यक्ष सक्षम सिंह ने कहा पुलिस द्वारा विद्यार्थियों पर किए गए लाठीचार्ज अनुचित था, भीड़ प्रबंधन के लिए बल का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए था अपितु पुलिस द्वारा पूर्व तैयारी कर कार्यक्रम का प्रबंधन देखना चाहिए था।

एसआईआर के बहाने वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए कांग्रेस तैयार: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने संगठन सृजन अभियान के तहत लोकसभा आब्जर्वर, जिला आब्जर्वर, विधानसभा आब्जर्वर और बीएलए-1 की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। शनिवार को हुई बैठक में यादव ने कहा है कि हमारी पार्टी चुनाव आयोग और भाजपा की एसआईआर के तहत वैध वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 संगठन की रीढ़ साबित होगा जो केन्द्र और दिल्ली में भाजपा सरकार की झूठी घोषणाओं और मूलभूत सुविधाओं को जनता को न देने और सरकार की नाकामियों को भी अपने बूथ की जनता तक सीधा पहुंचाने का काम करेगा। बैठक में यादव के अलावा मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन सहित अन्य नेता मौजूद थे। बैठक में दिल्ली की 70 विधानसभाओं के सभी 13148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा हुई।

यादव ने कहा कि ब्लाक अध्यक्षों, विधानभा आब्जर्वरों और बीएलए-1 के संयुक्त प्रयासों का नतीजा है कि दिल्ली कांग्रेस ने 10 हजार 138 बूथों पर बीएलए-2 को नियुक्त कर दिया और बचे हुए बूथों पर बीएलए-2 बनाने की प्रक्रिया होली के पश्चात पूरी कर ली जाएगी। यादव ने कहा कि चुनाव आयोग अगले महीने से दिल्ली में एसआईआर शुरू करने वाली है। दिल्ली कांग्रेस चुनाव आयोग और भाजपा की एसआईआर के तहत वैध वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एसआईआर शुरु होने से पहले दिल्ली कांग्रेस सभी 13148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति सुनिश्चित कर लेगी। उन्होंने कहा कि हर बूथ पर सक्रिय बीएलए-2 एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी और चुनावों में वोट चोरी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए तैयार है। संगठन सृजन अभियान के तहत संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में हमारे सभी ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर इंचार्ज विधानसभा आब्जर्वर और बीएलए-1 के साथ मिलकर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में से बीएलए-2 को नियुक्त करने का काम कर रहे है। बीएलए-2 की नियुक्ति में बूथ मैनेजमेंट कमेटी और प्रत्येक विधानसभा में बीएलए-1 की जमीनी स्तर की मेहनत और लोकसभा और जिला आब्जर्वरों के सहयोग से लगभग पूरा कर लिया है और बचे हुए बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति जल्द होगी।

अपील : स्वच्छता के लिए नालों में कूड़ा-कचरा न डालें लोग

नालों की सफाई का कार्य समय से पूर्व किया जाएगा पूरा : महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने राजधानी में नालों की सफ़ाई का कार्य प्रारम्भ कर दिया है तथा निर्धारित समय-सीमा से पूर्व सभी नालों की सफ़ाई पूर्ण कर ली जाएगी। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निगम प्रशासन मॉनसून से पहले व्यापक स्तर पर तैयारी कर रहा है, ताकि मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महापौर ने जानकारी दी कि दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 4 फुट से कम गहराई वाले कुल 12,892 नाले हैं, जिनकी कुल लंबाई करीब 6 हजार 69 किलोमीटर है। जनवरी 2026 से अब तक इन नालों से 8,047 मैट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इन नालों की नियमित रूप से सफ़ाई की जाती है और गाद निकालने का कार्य निगम द्वारा सतत रूप से जारी है। महापौर ने नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें और नालों में कूड़ा-कचरा न डालें, ताकि जल निकासी व्यवस्था प्रभावी बनी रहे।

59 दिन में 16,966 मैट्रिक टन निकाली जा चुकी गाद

महापौर ने बताया कि इसी प्रकार, 4 फुट से अधिक गहराई वाले कुल 800 नाले निगम के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, जिनकी कुल लंबाई 530.82 किलोमीटर है। जनवरी 2026 से अब तक इन बड़े नालों से 16,966 मैट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है। महापौर ने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

बड़े नालों की व्यापक सफ़ाई के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू

महापौर ने बताया कि बड़े नालों की व्यापक सफ़ाई हेतु दिल्ली नगर निगम ने निविदाएँ आमंत्रित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होते ही इन नालों से गाद निकालने का कार्य तेज़ी से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य समय से पूर्व पूर्ण किए जाएँ और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न रहे। महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि जलभराव वाले संवेदनशील स्थानों के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी और जरूरत के अनुसार पंप की व्यवस्था की जाएगी ताकि ऐसे स्थानों पर जलभराव होने से रोका जा सके।

दिल्ली में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार के कार्य जारी

महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि दिल्ली में "ट्रिपल इंजन" की सरकार नागरिकों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर कार्य कर रही है, ताकि राजधानी को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस दिशा में दिल्ली सरकार से हर संभव सहयोग प्राप्त हो रहा है और संयुक्त प्रयासों से दिल्ली को स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा।

एक्सपायर ब्रांडेड प्रोडक्ट्स बेचने में शामिल रैकेट का एक सदस्य दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-1 टीम ने एक्सपायर हो चुके खाने पीने और कॉस्मेटिक के ब्रांडेड प्रोडक्ट्स बेचने में शामिल रैकेट से जुड़ा एक सदस्य गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर सामान का बड़ा स्टॉक जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार लोगों की सेहत की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे रैकेट का पर्दाफाश किया है जो एक्सपायर हो चुके खाने और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें दोबारा छापने और खुले बाजार में नए स्टॉक के तौर पर बेचने में शामिल था। पुलिस ने गली नंबर 9बी, पुश्ता रोड, जगतपुर, दिल्ली में मौजूद एक गोदाम पर एक सुनियोजित रेड की जिसके बाद बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया गया। रेड के दौरान एक आरोपी जिसका नाम ओमप्रकाश शर्मा (40) निवासी रेल विहार, गाजियाबाद, यूपी को पकड़ा। जब्त सामान को बाजार में अनजान खरीदारों को सप्लाई किया जाता था। बरामद सामान में नेस्ले शुगर फ्री, ग्लूकोन-डी, डाबर गुलाबारी बॉडी लोशन, डाबर गुलाबारी रोज वॉटर, क्लीन एंड क्लियर फेस वॉश, विक्स वेपोरब, डाबर लाल तेल, ओडोमॉस, ऑलिव ऑयल, डाबर च्यवनप्राश और सैवलॉन एंटीसेप्टिक शामिल है। इसके अलावा, प्रिंटिंग फ्रेम, लेबलिंग मटीरियल और एक्सपायरी और मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स बदलने के लिए इस्तेमाल होने वाले दूसरे इक्विपमेंट भी जब्त किए गए है। पुलिस अब एक्सपायर हो चुके स्टॉक के सोर्स का पता लगाने की कोशिश में है। इसके साथ ही होलसेल सप्लायर और डिस्ट्रीब्यूटर की पहचान, पूरे सप्लाई चेन नेटवर्क का पर्दाफाश करना और उन रिटेलर और मार्केट की पहचान करना जहां ऐसे प्रोडक्ट बेचे जाते थे पुलिस का लक्ष्य है।